शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीबीआई द्वारा खुली जांच की अनुमति वापस ली गई : शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 28 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-269

यूएनएससी की स्थायी सीट के लिए भारत के पक्ष में लहर

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने की वकालत दुनिया के कई देश कर रहे हैं। अब इस सूची में ब्रिटेन का भी नाम जुड़ गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने गुरुवार को भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने के लिए अपना समर्थन दिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र को संबोधित करते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव जरूरी है।

स्टार्मर ने कहा कि सुरक्षा परिषद में विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए और इसे काम करने वाला होना चाहिए न कि राजनीति की वजह से पंगु होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि अफ्रीका को स्थायी प्रतिनिधित्व दिया जाए और साथ ही ब्राजील, भारत, जापान और जर्मनी को भी स्थायी सदस्य बनाया जाना चाहिए। निर्वाचित सदस्यों की सीटें भी बढ़ाई जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में ही एक कार्यक्रम के दौरान गुरुवार को भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अधिक पारदर्शी, कुशल, प्रभावी और लोकतांत्रिक बनाने के लिए तुरंत सुधार की जरूरत पर बल दिया था। तन्मय लाल ने कहा कि गंभीर सशस्त्र संघर्ष हमारी अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को प्रभावित कर रहे हैं और मौजूदा सुरक्षा परिषद ऐसे संघर्षों को समाप्त करने या रोकने, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से निपटने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में गंभीर रूप से विफल हो रही है।

अमेरिका और फ्रांस के बाद अब ब्रिटेन ने भी किया समर्थन

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन दिया था। अपने संबोधन में इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस, सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है और जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही अफ्रीका से भी दो देशों को इसमें प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

▶10 पर

हरियाणा की चुनावी रैलियों में गरजे अमित शाह

हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे : शाह

रेवाड़ी, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शुक्रवार को 3 रैलियां की। रेवाड़ी में पहली रैली में शाह ने कहा सेना में भर्ती होने वाले हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे। कांग्रेस वाले सेना का सम्मान नहीं करते। कांग्रेस ने सेनाध्यक्ष को गुंडा कहा था। हरियाणा में कांग्रेस सरकार में डीलर-दलाल नियुक्ति पत्र देते थे, लेकिन भाजपा में डाकिया देकर आता है। भाजपा सरकार ने डीलर-दामाद का नामोनिशान मिटा दिया। शाह ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह कांग्रेस शासित राज्यों में एमएसपी लागू करके दिखाएं।

हरियाणा के लोग अभी गोहाना और मिर्चपुर कांड भूले नहीं हैं

कांग्रेस शासित राज्यों में एमएसपी लागू करके दिखाएं राहुल

इसके बाद वे अंबाला के बराड़ा में पहुंचे। यहां शाह ने कहा- हरियाणा में जब कांग्रेस सरकार थी तो 3डी काम करती थी। जिसमें डीलर-दलाल और दिल्ली में बैठा दामाद शामिल है। कांग्रेस दलितों पर अत्याचार करती है। लोग अभी गोहाना और मिर्चपुर कांड भूले नहीं हैं। शाह ने कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा के बहाने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को घेरते हुए कहा- हुड्डा की मानसिकता है कि दलित बहन सैलजा को प्रचार के लिए बुलाया तो वे हार जाएंगे। तीसरी रैली कुरुक्षेत्र के लाडवा में की। यहां शाह ने कहा- अमेरिका में राहुल गांधी ने सच बोला कि एससी और ओबीसी का विकास हो गया है, अब आरक्षण हटा देंगे। शाह ने कहा कि जब तक भाजपा की मोदी सरकार है, तब तक आरक्षण खत्म नहीं होने देंगे। शाह ने कहा, रेवाड़ी वालों मैं कुछ पूछने आया हूं। जम्मू-कश्मीर हमारा है या नहीं। वहां से धारा 370 हटनी चाहिए थी। ये राहुल बाबा वहां वादा करके आए हैं, धारा 370 लागू करेंगे। राहुल बाबा मैं यहां से चैलेंज देकर जाता हूं कि आप तो क्या आपकी तीसरी पीढ़ी भी इसे फिर से नहीं ला पाएगी। अंबाला में रैली करते हुए अमित शाह ने कहा, हरियाणा के दलित भाई गोहाना कांड और मिर्चपुर कांड अभी तक नहीं भूले। कांग्रेस के शासन काल में दलितों का हमेशा ही शोषण हुआ है। उन्होंने कहा, यहां एक परिवारवाद चलाया था। 3-3 पीढ़ी से वही लोग चुनते आए थे। हमारे युवाओ को मौका नहीं मिलता था। भारत में परिवारवाद को खत्म करने का काम नरेंद्र मोदी ने किया है। हमारी सरकार आगे भी देशहित में काम करती रहेगी। अमित शाह ने कहा, ये कांग्रेस पार्टी हरियाणा का समग्र विकास नहीं करती। जब जब कांग्रेस जीतकर आती है, तो कुछ जिलों का ही विकास होता है। अहीरवाल के साथ हमेशा कांग्रेस ने सौतेला व्यवहार किया है। हम ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, बाबा साहब अंबेडकर का हमेशा ही कांग्रेस ने अपमान किया। यहां 10 साल की कांग्रेस सरकार रही, नौकरियों में आरक्षित वर्ग को वंचित रखते थे। अमित शाह ने कहा, राहुल बाबा को अभी किसी एनजीओ ने पकड़ा दिया है कि एमएसपी बोलने से वोट मिल जाएंगे। राहुल बाबा, एमएसपी का फुलफॉर्म मालूम है आपको? पूरे देश में कांग्रेस की जो सरकारें चल रही हैं, एमएसपी के नाम पर किसानों से झूठ बोलना बंद कीजिए। 4 दिन पहले भी अमित शाह हरियाणा में प्रचार करने पहुंचे थे।

● भारत से रिश्ते सुधारने में जुटा तुर्किये

यूएन में नहीं अलापा कश्मीर राग, गाजा पर फोकस

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

तुर्किये भारत के साथ अपने रिश्ते सुधारने में जुटा हुआ है। ऐसा इसलिए कि तुर्किये के राष्ट्रपति रैकप तैयप एर्दोगन ने इस बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर मुद्दे का जिक्र नहीं किया। संयुक्त राष्ट्र में उनका भाषण गाजा की स्थिति पर फोकस रहा। जहां हमास के खिलाफ इस्राइली हमले में अब तक 40 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। दरअसल, 2019 में जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद एर्दोगन ने भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत की वकालत की थी। इसके साथ ही उन्होंने हर साल संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्द्दे का जिक्र जरूर किया। मगर इस बार एर्दोगन ने गाजा में फलीस्तिनियों की स्थिति पर चिंता जाहिर की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र पर लोगों की मौत को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया।

एर्दोगन ने एक बार फिर कहा कि दुनिया पांच से बड़ी है। गाजा दुनिया में बच्चों और महिलाओं के लिए सबसे बड़ा कब्रिस्तान बन गया है।

▶10 पर

● भारत को लेकर नरम पड़े मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के तेवर, कहा

कभी नहीं चलाया इंडिया आउट एजेंडा

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत के खिलाफ तल्ख तेवर दिखाते रहे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू अब कुछ नरम पड़ते नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट एजेंडा चलाने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि, द्वीपीय देश की धरती पर विदेशी सेना की मौजूदगी एक गंभीर समस्या है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचे राष्ट्रपति मुइज्जू ने गुरुवार को प्रिंसटन विश्वविद्यालय के डीन लीडरशिप सीरीज के एक कार्यक्रम में पूछे गए सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की।

मालदीव के समाचार पोर्टल adhadhu.com ने राष्ट्रपति के हवाले से लिखा कि, हम कभी भी बिंदु पर, किसी एक देश के खिलाफ नहीं रहे हैं। यह भारत को बाहर निकालने का एजेंडा नहीं है। मालदीव को अपनी धरती पर विदेशी सैन्य उपस्थिति के कारण गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा है। मुइज्जू ने कहा, मालदीव के लोग देश में एक भी विदेशी सैनिक नहीं चाहते हैं।

▶10 पर

तेलंगाना के मंत्री पी श्रीनिवास और उनके बेटे से जुड़े ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

धनशोधन मामले के तहत की गई कार्रवाई

हैदराबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले के तहत शुक्रवार को तेलंगाना के राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी और उनके बेटे हर्ष रेड्डी सहित अन्य लोगों के परिसरों पर छापेमारी की। हैदराबाद समेत राज्य के पांच परिसरों में छापेमारी की गई। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला श्रीनिवास रेड्डी के बेटे राघव समूह के हर्ष रेड्डी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की शिकायत से सामने आया। उन पर पांच करोड़ रुपए की सात घड़ियां खरीदने का आरोप है। इसका भुगतान 100 करोड़ रुपए के हवाला और क्रिप्टो करेंसी रैकेट से जुड़ा है। इस मामले में नवीन कुमार नाम का एक व्यक्ति ईडी की जांच के दायरे में है।

बताते चलें कि 28 मार्च को हैदराबाद में एक परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी को समन भेजा गया था। बता दें कि इस कंपनी के निदेशक हर्षा रेड्डी है। पांच फरवरी को तस्करी का मामला दर्ज किया गया था, जब हांगकांग स्थित भारतीय मुहम्मद फहरदीन मुबीन के पास से चेन्नई में दो लक्जरी घड़ियां (पाटेक फिलिप 5740 और ब्रेगुएट 2759) जब्त की गई थी। घड़ियों की असली कीमत 1.73 करोड़ रुपए है। पाटेक फिलिक का भारत में कोई डीलर नहीं है, जबकि भारतीय मार्केट में ब्रेगुएट का स्टॉक खत्म हो गया है। जांच के अनुसार, हर्षा रेड्डी ने आलोकम नवीन कुमार के जरिए मुबीन से घड़ियां खरीदी थी। नवीन कुमार से 12 मार्च को पूछताछ की गई थी।

▶10 पर

पराली प्रबंधन को लेकर सीएक्यूएम को सुप्रीम फटकार

सिर्फ कागजों पर हो रहा है काम

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ रहे वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न करने को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को कड़ी फटकार लगाई है। आयोग की खिंचाई करते हुए कहा कि आयोग को और अधिक सक्रिय होने की जरूरत है। सुनवाई करते न्यायमूर्ति आभा एस ओका और न्यायमूर्ति जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि पराली जलाने के वैकल्पिक उपकरणों का जमीनी स्तर पर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रयासों की जरूरत है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने पैनल को बेहतर अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष राजेश वर्मा से कहा कि, आपने अबतक अधिनियम के एक भी प्रावधान का अनुपालन नहीं किया है। आपका हलफनामा देखिए। कोर्ट ने पूछा कि क्या धारा 11 के अंतर्गत समितियां बनाई गई हैं? यह सब हवा में है। ऐसे में पराली से होने वाले वायु प्रदूषण से कैसे निपटेंगे?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हर साल पराली जलाने की समस्या सामने आती है। आप पराली जलाने के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। आपकी तीन महीने में एक बार बैठक होती है। अब जब हम संकट के कगार पर खड़े हैं। तभी भी बैठकें के बीच में भारी अंतराल है। कोर्ट ने सख्त लहजे में पूछा कि, मुझे आयोग द्वारा अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया गया कोई आदेश दिखाएं।

▶10 पर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की बढ़ी मुश्किलें

लोकायुक्त में दी गई शिकायत धोखाधड़ी के लगे आरोप

बेंगलुरु, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कानूनी दांव पेंच में फंसते नजर आ रहे हैं। भाजपा नेता रमेश एनआर ने खड़गे और अन्य के खिलाफ कर्नाटक लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा नेता एनआर रमेश ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। आरोपों में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, दस्तावेजों की जालसाजी, सरकारी जमीन को अवैध रूप से हासिल करने की साजिश और सरकारी संपत्ति को अवैध रूप से हड़पने में मदद करना शामिल है। आरोपों में से एक सरकारी संपत्ति को अवैध रूप से मंजूरी देने से जुड़ा हुआ है। शिकायत में यह भी दावा किया गया कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को संदिग्ध परिस्थितियों में पांच एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। इसे लेकर खड़गे, मंत्री प्रियांक एम. खड़गे, राहुल एम. खड़गे, राधाबाई एम. खड़गे, राधाकृष्ण, मंत्री एम. बी. पाटिल और आईएएस अधिकारी डॉ. एस. सेल्वाकुमार का नाम शिकायत में दर्ज किया गया है।साल 2014 में बेंगलुरु के बीटीएम चौथे स्टेज के दूसरे ब्लॉक में 8,002 वर्ग मीटर (86,133 वर्ग फीट) का सीए प्लॉट, साइट नंबर 05, बेंगलुरु विकास प्राधिकरण के माध्यम से आवंटित किया गया था।

▶10 पर

प्रियांक खड़गे के बयान पर हिमंत बिस्वा का पलटवार

कांग्रेस ने असम के विकास का विरोध कर अपना असली रंग दिखाया

गुवाहटी, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

देश में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों की स्थिति को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इसकी तीन इकाई गुजरात में और एक असम में है, जिसे लेकर कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने विरोध जताया। खड़गे के इस विरोध पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पलटवार किया। उन्होंने प्रियांक खड़गे के जरिए कांग्रेस को घेरा। असम के सीएम ने कहा कि एक बार फिर कांग्रेस ने असम के विकास का विरोध कर अपना असली रंग दिखा दिया। इसी के साथ उन्होंने असम कांग्रेस के नेताओं को इस विभाजनकारी सोच से हटकर राज्य के विकास के लिए खड़े होने की अपील की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, एक बार फिर असम के विकास का विरोध करते हुए कांग्रेस ने अपना असली रंग दिखा दिया है। कर्नाटक के एक मंत्री जो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बेटे भी हैं, उन्होंने दावा किया कि असम को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की मेजबानी करने का कोई अधिकार नहीं है। मैं असम कांग्रेस के नेताओं से अपील करता हूं कि वे इस विभाजनकारी सोच से निकलकर राज्य के विकास में भूमिका निभाएं। इससे पहले कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने असम और गुजरात में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को लेकर विरोध जताया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, पांच सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों में चार गुजरात और एक असम में है।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,990/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,640/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^{0}

न्यूनतम : 22^{0}

चीन की हमलावर परमाणु पनडुब्बी समुद्र में डूबी

पूरी दुनिया में ड्रैगन का उड़ रहा मजाक

वाशिंगटन, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन की हमलावर परमाणु पनडुब्बी के समुद्र में डूबने से दुनियाभर मे उसका मजाक बन रहा है। समुद्र में अमेरिकी नौसेना को टक्कर देने का सपना देख रहे चीन के लिए ये बड़ा झटका माना जा रहा है। घटना एक महीने पुरानी बताई जा रही है। हालांकि चीन की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई बयान नहीं आया है। समुद्र में डूबी सबसे नई और खतरनाक परमाणु पनडुब्बी झोउ क्लास की थी। मीडिया में चल रही रिपोर्ट में कहा गया है कि, वूचांग शिपयार्ड में यह हादसा पिछले मई या जून महीने हुआ था। चीन ने इस हादसे को पूरी दुनिया से छिपा रखा था। सामने आईं ताजा सैटलाइट तस्वीरों में इस हादसे का खुलासा हुआ है। समुद्र में डूबी इस अटैक पनडुब्बी को अब क्रेन की मदद से निकाला जा रहा है। जिसके फुटेज दुनिया के सामने आने से हादसे का खुलासा हुआ है।

इस घटना की पुष्टि अमेरिका ने की है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह हादसा बीजिंग के लिए शर्म की बात है। हालांकि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि, चीन की इस परमाणु पनडुब्बी हादसे में कितने लोगों की मौत हुई है।

▶10 पर

पर्यटन शांति और समृद्धि का प्रमुख वाहक: धनखड़

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में की दिशा में पर्यटन की अहम भूमिका है

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पर्यटन को शांति और समृद्धि का वाहक करार देते हुए कहा है कि आर्थिक विकास के इंजन के रूप में पर्यटन भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

श्री धनखड़ ने शुक्रवार को यहां विश्व पर्यटन दिवस के अवसर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक शांति, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पर्यटन मानवता को जोड़ता है, जिसकी आज की दुनिया में बहुत ज़रूरत है। उन्होंने कहा, पर्यटन शांति में बहुत बड़ा योगदान देता है। पूरी दुनिया शांति के लिए तरस रही है और कहीं भी लगने वाली आग सभी के लिए पीड़ादायक है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला और अर्थव्यवस्था बाधित होती है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि इंडिया, यानी भारत, अब एक पसंदीदा वैश्विक पर्यटन स्थल है। आध्यात्मिकता, उत्कृष्टता और 5,000 साल पुरानी सभ्यता के लोकाचार की भूमि से, पर्यटक पूरे साल, सभी मौसमों का अनुभव कर सकते हैं।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

अनमोल मानव जन्म को आनंद से जीने का प्रयास करो: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा जैनागमों के बहुमूल्य और विशाल भण्डार में एक सूत्र ऋषिभाषित प्राचीन सूत्र माना जाता है।

इसमें 45 ऋषियों के अध्यात्म दर्शन, देशना तथा मार्गदर्शन का संपूर्ण वर्णन है। जैन परम्परा के अनुसार इन 45 ऋषियों में 20 अरिष्टनेमि के काल के, 15 पार्श्व के काल के, शेष 10 महावीर के काल के माने गये हैं। उन्होंने कहा कि ऋषिभाषित सूत्र जैन साहित्य का एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है, जिसमें

विभिन्न ऋषियों द्वारा दिए गए उपदेशों और शिक्षाओं का संकलन है। ये ऋषि अपने-अपने समय के महान ज्ञानी और साधक थे, जिन्होंने धर्म और मोक्ष के मार्ग को अपने उपदेशों के माध्यम से सरल और सुबोध बनाया। इस अवसर पर दोपहर में बीजापुर श्री संघ से महावीर पारेख, निति रूणवाल, अरुण रूणवाल सहित 45 सदस्यों का दल गुरुदर्शन हेतु उपस्थित हुआ। इस अवसर पर रूपेशमुनि ने कहा कि तीन प्रकार के व्यक्ति होते है। पहले क्रोधी जो हमेशा क्रोध में जीते है जो स्वयं का भी और दूसरो का भी नुकसान करते है। दूसरे मजबूरी से जीवन जीते हैं जो जैसे तैसे अपना रोना रोते हुए जीवन को जीते है और सदा दुखी रहते है। तीसरे आनंदमय व्यक्ति जो सदैव जीवन में आनंद व प्रफुल्लित रहते है। खुद भी प्रसन्न रहते है और औरों को भी प्रसन्न करते है। आनंदित व्यक्ति आनंद बांटता है दुखी व्यक्ति दुख समेटता है। उन्होंने कहा कि दुख का सीधा संबंध मन से है। जितने मन से मुक्त रहोगे उतने सुख रहोगे। परमात्मा की कृपा आनंदित व्यक्ति पर बरसती है। तो इस अनमोल मानव जन्म को आनंद से जीने का प्रयास करो। शनिवार को श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि का चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस तप त्याग व गुणगान द्वारा मनाया जायेगा। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया।

प्रभु की स्तुति से विश्व के करोड़ों जीवों के पाप कर्म होते हैं नष्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सकल जैन संघ, मंजूनाथनगर, शिवनगर में चातुर्मासार्थ विराजित स्वर्ण संयम आराधक गुरुदेव वीरेन्द्रमुनि जी ने भक्तामर स्त्रोत्र के 7वीं गाथा के भावार्थ का वर्णन करते हुए फरमाया भक्तामर के रचयिता आचार्य मानतुंगसूरिश्वर जी प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान की स्तुति करते हुए कह रहे है कि गुणों से सागर प्रभु जैसे सूर्य की पहली किरण समग्र विश्व पर पड़ते ही रात्रि का घनघोर अंधेरा मिट जाता है और चारों तरफ उजाला हो जाता है, उसी प्रकार प्रभु आपकी भक्ति आपकी स्तुति करने से एक अलौकिक प्रभाव अथार्थ चमत्कार होता है, जिसमें विश्व के करोड़ों जीवों के पाप कर्म नष्ट हो जाते है। लेकिन प्रभु की स्तुति अथवा प्रार्थना करने के लिए मन

में श्रद्धा होनी चाहिए और मन-वचन-काया की एकाग्रता के साथ परमात्मा को याद करना चाहिए। अल्प समय के लिए भी शुद्धि से परमात्म भक्ति से शुभ कर्म संचित कर सकते है। धर्मसभा में श्री शांतिनाथ जैन मंडल, सैदापेट चेन्नई से गणमान्य पदाधिकारी एवं कई श्रावक पधारें। श्री सकल जैन संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचंद आच्छा ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। संघ के मंत्री राकेश दलाल ने सभी को चातुर्मास की गतिविधियों से अवगत कराया। प्रकाशचन्द बोथरा ने अपने विचार रखे एवं वर्ष 2025 के चातुर्मास की विनती रखी। संघ के विनोद मेडतवाल, सुरेश बाघमार, राजेश कोठारी उपस्थित थे। संचालन युवा अध्यक्ष अंकित आच्छा ने किया।

10 दिवसीय माँ की भक्ति के तहत निःशुल्क गरबा का होगा आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री माँ माजीसा भक्त मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में आगामी नवरात्रि के शुभ अवसर पर 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक सामूहिक 10 दिवसीय माँ की भक्ति के तहत निःशुल्क गरबा एवं डांडिया रास एवं एक दिवसीय रात्रि जागरण का भव्य आयोजन अक्किपेट में होगा।

नवरात्रि महा महोत्सव को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन मां माजीसा के मंदिर में आयोजित हुई। ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी लाभार्थियों द्वारा निःशुल्क स्थल उपलब्ध दानदाता एवं निःस्वार्थ सेवा भावी कार्यकर्ताओं का स्वागत सहित आभार प्रकट किया।

उन्होंने बताया इस नवरात्रि महा महोत्सव में प्रतिदिन माँ की भव्य आरती, माँ को चूनड़ी व प्रसाद अर्पण लाभार्थी परिवार द्वारा किया जायेगा। गुमर डांस, डांडिया रास, फैंसी ड्रेस, लकी ड्रा कूपन आदि प्रतियोगिता भी रखी गयी हैं। इस कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था ट्रस्ट मंडल कैलाश संखलेचा, अशोक कटारिया संघवी, दलीचंद कर्णावत, रमेश बंदामुथा, किशोर पालगोता चौहान, भोपाल सोनवाडिया, महेंद्र कटारिया संघवी, हितेश बोहरा, अमित हुंडिया, महावीर बंदामुथा, सिद्धार्थ भंसाली, शांतिलाल गुलगुलिया, विक्रम चौधरी, संतोषबाई, रेखा बोहरा आदि अपना अमूल्य सहयोग देंगे।

राष्ट्रीय अधिवेशन में विजयनगर मंडल को मिला सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सानिध्य सूरत में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 49वें राष्ट्रीय अधिवेशन संरक्षणम में भाग लेकर लौटी सदस्यों ने साध्वी सिद्ध प्रभा जी के दर्शन किए। अध्यक्ष मंजू गादिया ने अधिवेशन के अनुभवों को बताते हुए कहा कि तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर से प्रियंका गादिया को बेस्ट वीडियो मेकिंग, अमिता सामसुखा को श्रावक संबोध कार्यशाला में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए तथा

मंडल को भावना चौका एवं प्लास्टिक बॉटल क्रशिंग मशीन लगाने के लिए सम्मानित किया गया। आचार्य श्री, साध्वी प्रमुखा जी, साध्वीवर्या जी एवं साध्वी समता श्रीजी का मंगल उद्बोधन प्रशिक्षण एवं सानिध्य प्राप्त हुआ। साध्वी प्रमुखा जी ने परिवार में संबंधों का संरक्षण करने, रिश्तों में मधुरता लाने तथा बच्चों में सद् संस्कारों को पुष्ट करने की प्रेरणा दी। तीन दिनों तक चले अधिवेशन के सभी सत्र बहुत ही उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रहे। जिसमें चौबीसी की प्रतियोगिता बहुत ही रोचक एवं ज्ञानवर्धक रही। अधिवेशन के दौरान गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भी नारी उत्थान एवं जागरण पर अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। साध्वी श्री जी ने बहनों के प्रति अपनी मंगल भावनाएं व्यक्त की। अभातेममं की रा. कार्य. सदस्य वीणा बैद, सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने महिला मंडल को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा की मंडल आगे भी यूं ही प्रगति करता रहे। अमिता सामसुखा एवं प्रियंका गादिया का सम्मान मंडल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंत्री दीपिका गोखरू, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया, सह मंत्री ललित डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ एवं संगठन मंत्री अनीता जीरावाला की उपस्थित रही।

नेत्रदान के लिए जागरूकता अभियान चलाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के मार्गदर्शन में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा दो विशेष सामाजिक सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दृष्टिहीन व्यक्तियों की सहायता करना था।

दोपहर कालीन कार्यक्रम मल्लेश्वरम स्थित डॉ. सोलंकी आई हॉस्पिटल में आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. नरपत सोलंकी ने किया। डॉ. सोलंकी ने अपने

वक्तव्य में नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा नेत्रदान से दृष्टिहीनों को नई दृष्टि मिलती है, जिससे उनके जीवन में रोशनी आती है। यह समाज में सेवा और सहयोग के भाव को मजबूत करता है। उन्होंने यह भी वचन दिया कि दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सायं कालीन कार्यक्रम गांधीनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व तेरापंथी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनसुख लाल सेठिया ने किया।

महासभा सहमंत्री मुकेश गादिया, नवनीत मुथा, प्रकाश लोढ़ा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। सेठिया ने अपने संबोधन में तेरापंथ युवक परिषद के त्रिआयामी लक्ष्योंसेवा, संस्कार, और संगठन की सराहना करते हुए कहा दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि

महाअभियान के माध्यम से दृष्टिहीनों को नई दृष्टि देने का प्रयास हमारी समाज के प्रति गहरी जिम्मेदारी को दर्शाता है। इसका देशभर में सकारात्मक प्रभाव हो रहा है। कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु अध्यक्ष विमल धारीवाल, प्रसन्न धोका, मनीष भंसाली (उपाध्यक्ष), राकेश चोरड़िया (मंत्री), अंकित छाजेड़ (सहमंत्री), मोहित डुंगरवाल (संगठन मंत्री), मोहित सुराणा (राज्य प्रभारी एवं संयोजक), हितेश चोपड़ा (सह संयोजक) के अलावा प्रकाश सालेचा, सुधीर पोखरणा, विवेक मरोठी, ललित चोपड़ा, प्रवीण बोहरा, विनोद कोठारी और ऋषभ सेठिया उपस्थित थे।

रेफरल ग्रुप वी प्रेनेयर की आधिकारिक बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ट्रेंडसेटर ऑल वुमेन रेफरल ग्रुप वी प्रेनेयर की आधिकारिक बैठक गुरुवार को जीतो कार्यालय चामराजपेट में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। रेफरल लीड लताशा भंडारी ने एआई व सोशल मीडिया के बारे में प्रदर्शन के माध्यम से उपस्थित सदस्यों को अवगत करवाया। उन्होंने किस तरह से इस टेक्नोलॉजी से व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है के बारे में बताया। रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने पावर टीम की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए सदस्यों को प्रोत्साहित किया।

सभी सदस्यों ने अपने व्यवसाय के बारे में 30 सेकेंड की प्रस्तुति दी। आधिकारिक बैठक में सदस्यों के बीच 5,81,300 का व्यवसाय हुआ। गिफ्ट स्पॉन्सर आर्टसीटच की प्रोपराइटर चेतना चोपड़ा रही। जीतो महिला विंग की चेयरपर्सन सुनिता गांधी की विशेष उपस्थिति रही व वी प्रेनर्स लीड टीम को उनके कार्य के लिए जीतो महिला विंग की ओर से ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

आगामी विराट कवि सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी विराट कवि सम्मेलन के मद्देनजर जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट द्वारा महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम अध्यक्ष सुरेश धोका ने स्वागत किया एवं मुख्य प्रायोजक, भामाशाह, दानवीर, सेवा शिरोमणि का अंतर्मन से अभिनंदन किया।

मंत्री सुरेश मांडोत एवं कोषाध्यक्ष कवि सम्मेलन के चेयरमैन कमल पुनमिया ने संयुक्त रूप से आगामी कवि सम्मेलन की जानकारी दी और कहा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन 13 अक्टूबर को अंबेडकर भवन में होगा। जिसमें कविगण हरिओम पवार, अरुण जैमिनी, जानी बैरागी, अनिल अग्रवंशी, कवियत्री गौरी मिश्रा का विशेष आकर्षण रहेगा।

सहमंत्री रूपचंद कुमट ने सेवा ट्रस्ट के मुख्य आयाम जीवन संजीवनी जीवन शिक्षा जीवन रक्षा की जानकारी दी, जो जैन समाज के आवश्यक साधर्मिक भाईयों को सुविधा प्रदान करता है। इस आयाम को आगे बढ़ाने के लिए एक धन संग्रह का कार्य, कवि सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जा रहा है। इस कवि सम्मेलन के मुख्य प्रायोजक गुरु पुनवाणी के डायरेक्टर संजय बैद ने इस कार्य की सराहना की एवं सभी को इस आयाम से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कवि सम्मेलन के लिए नए कमेटी की नियुक्ति हुई। इस अवसर पर अध्यक्ष सुरेश धोका, मंत्री सुरेश मांडोत, कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया, सह मंत्री रूपचंद कुमट, भागचंद गुगलिया, प्रवीण पोरवाल, सज्जन राज मेहता, विनोद नंदावत, शांतिलाल मेहता, गौतम मेहता, दिनेश सुराणा, भरत रांका और राजेश चावत आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आगम वाणी को जीवन का आधार बनाएं: राजेश मुनि जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर श्रीसंघ में प्रखरवक्ता श्री राजेशमुनिजी के सान्निध्य में मुनि की प्रेरणा से तपस्या और धर्म आराधना का सिलसिला जारी है।

मुनि ने आगम वाणी के संदेश को जीवन और आचरण में उतारने की प्रेरणा दी। मुनि ने कहा कि चातुर्मास के बाकी समय में भी इसी ऊर्जा और उत्साह के साथ तपस्या का क्रम जारी रखना है।

किसी भी तरह के प्रमाद या शिथिलता को हावी नहीं होने देना है। नौ उपवास की दीर्घ तपस्या श्रद्धेय ऋषभमुनिजी ने की है। श्राविका नन्दादेवी मूथा ने शांतिनगर संघ में बेंगलूरु के इस चातुर्मास में अब तक की सबसे बड़ी 60 उपवास की सुदीर्घ तपस्या सम्पन्न की है। तपस्याओं की श्रृंखला में 16 उपवास की तपस्या दो जनों ने, 15 की तपस्या एक ने, 11 की तपस्या 5 जनों ने, नौ की तपस्या छः जनों ने, अट्ठाई की तपस्या 25 जनों ने, पंचोले की तपस्या 3 जनों ने, तेले की तपस्या 85 जनों ने, बेले की तपस्या 70 जनों ने, उपवास, एकासना व आयंबिल तो अनगिनत संख्या में तथा बियासना भी अनेक जनों ने किए हैं। दया तप की साधना 70 जनों द्वारा की गई है।

अखण्ड नवकार महामंत्र का जाप 15 सितम्बर तक स्थानक भवन में रहा, अब यह जाप घर-घर में समस्त संघ द्वारा चातुर्मास समाप्ति तक रहेगा। 20 जुलाई से प्रारंभ तेले की लड़ी भी निरन्तर चल रही है जो चातुर्मास समाप्ति तक चलेगी।

हजारों की संख्या में सामायिक साधना हुई है। गौतम तप एक, 6-8 तप 5 तथा सिद्धि तप भी हुए हैं। महान् संतों व गुरुदेवों का जन्म, दीक्षा, स्मृति, गुणगान दिवस भी अपूर्व तप-त्याग से मनाया गया।

यह जानकारी संघ के मंत्री छगनमलजी लुणावत ने दी।

एक्यूप्रेशर शिविर का आयोजन

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवांची महिला फेडरेशन गदग की ओर से स्थानीय वॉलकेश्वर कॉलोनी में स्थित पारलेचा भवन में एक्यूप्रेशर शिविर का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षिका के रूप में गदग की खुशबु बाफना ने एक्यूप्रेशर के बारे में कार्यक्रम में उपस्थित सभी फेडरेशन सदस्यों को जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा एक्यूप्रेशर ने काफी ख्याति अर्जित की है, जिसका प्रमुख कारण यह है कि इसमें किसी तरह कि दवाइयों या शल्य चिकित्सा कि जरूरत नहीं पड़ती।

जिससे यह हर तरह के साइड इफेक्ट से मुक्त है। छोटी से बड़ी हर समस्याओं में यह काफी कारगार सिद्ध हुई है। खुशबु बाफना ने बताया यह एक सरल

और असरकारी चिकित्सा प्रणाली है, जो प्राय निशुल्क और चमत्कारिक भी है। इसमें शरीर के कुछ प्रेशर पॉइंट पर केवल दबाब डालने से ही इससे छोटे बड़े रोग दूर हो जाते है। इस अवसर पर महिला फेडरेशन की ओर से प्रशिक्षिका खुशबु बाफना को सम्मानित किया गया। फेडरेशन अध्यक्ष मीना भंसाली ने कहा आगे और नये कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा बनाई जायेगी। इस अवसर पर चेयरमैन पुष्पा बाफना, अध्यक्ष मीना भंसाली, निर्मला बाफना, रिंकू तातेड, प्रीति लुंकड़, शोभा बाफना, पिंकी जीरावला समेत अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

नफरत की राजनीति पर अंकुश लगाने के लिए

सीबीआई द्वारा खुली जांच की अनुमति वापस ली गई: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि नफरत की राजनीति पर लगाम लगाने के लिए सीबीआई को खुली जांच की दी गई इजाजत वापस ले ली गई है। राज्य सरकार उन मामलों को सीबीआई को सौंपने के लिए तैयार है जिनकी जांच राज्य अधिकारी करने में असमर्थ हैं। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पहले सभी मामले सीबीआई को सौंपे गये थे। उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि आईएमए समेत कई मामलों में सीबीआई ने कैसे रिपोर्ट दी है। आइए याद करें कि कुछ साल पहले भाजपा और जेडीएस ने सीबीआई के बारे में क्या कहा था। उन्होंने कांग्रेस की बचाओ संगठन के तौर पर आलोचना की थी। अब वही सीवीआई की ओर से बोल रहे हैं। वे राज्य सरकार की आलोचना भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह उचित समय पर इनका जवाब देंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को बचाने के लिए राज्य कैबिनेट ने सीबीआई जांच की खुली पहुंच से इनकार करने का फैसला नहीं लिया। उन्होंने

एक सवाल के जवाब में कहा कि राज्य सरकार अत्यावश्यक और आवश्यक मामलों में सीबीआई जांच की अनुमति देने को तैयार है। अगर कोई रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपनी है तो एक नियम है। सबसे पहले पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके बाद वहां से मुख्य सचिव तक सूचना पहुंचनी चाहिए। उनके पास केस से जुड़ी एक फाइल आई। इस मामले को लेकर कैबिनेट की बैठक में चर्चा के बाद एक उप समिति बनाने का फैसला लिया गया। किसी भी मुद्दे को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाने का भी निर्णय लिया गया है। जब स्थिति ऐसी है, तो क्या हमारे लिए राज्यपाल को स्वयं रिपोर्ट करना संभव है? मुझे प्रशासनिक मामलों के बारे में बहुत कम जानकारी है। उन्होंने कहा कि भले ही वे इतने पढ़े-लिखे नहीं हैं, लेकिन बुद्धिमान हैं। उन्होंने राज्यपाल द्वारा अर्कावती मामले से संबंधित जानकारी मांगे जाने पर परोक्ष रूप से कहा कि हम रिपोर्ट नहीं दे सकते हैं और कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी दे दी है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि मुडा मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज हो जाये तो कोई शर्मिंदगी नहीं होगी, मुझे राज्यपाल कार्यालय से कोई जानकारी लीक होने की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि राज्यपाल कार्यालय और लोकायुक्त कार्यालय में क्या चल रहा है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही कर्नाटक की सिद्धरामैया सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में सीबीआई को जांच के लिए दी गई सहमति वापस ले ली है। राज्य कानून मंत्री एचके पाटिल ने इसकी जानकारी दी। अब केंद्रीय जांच एजेंसी बिना राज्य सरकार की अनुमति के कर्नाटक में प्रवेश नहीं कर सकेगी। एचके पाटिल ने कहा, हम सीबीआई को जांच के लिए दी गई सहमति वापस ले रहे हैं। हम राज्य में सीबीआई के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। हमने सभी मामलों में सीबीआई का हवाला दिया है। उन्होंने आरोप पत्र दाखिल नहीं किया। कई मामले लंबित पड़े हैं। उन्होंने हमारे द्वारा भेजे गए कई मामलों की जांच करने से भी इनकार कर दिया। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं। वे पक्षपाती हैं, इसलिए हमने यह फैसला लिया। हमने मुडा घोटाले के कारण यह फैसला नहीं लिया। हमने यह फैसला केवल उन्हें गलत रास्ता अपनाने से बचाने के लिए है। दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 की धारा 6 के अनुसार, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अपने अधिकार क्षेत्र में जांच करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों से सहमति की आवश्यकता होती है। डीएसपीई अधिनियम की धारा-6 के तहत सीबीआई का गठन किया गया है। इस प्रावधान के तहत, डीएसपीई का एक सदस्य यानी सीबीआई संबंधित राज्य सरकार की सहमति के बिना उस राज्य में अपनी शक्तियों और अधिकार क्षेत्र का प्रयोग नहीं कर सकती है। दरअसल, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल केंद्रीय जांच एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाते रहे हैं। ईडी, सीबीआई या आयकर विभाग सभी पर विपक्षी दलों ने सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा नीत गठबंधन सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

वित्तीय कुप्रबंधन के कारण सार्वजनिक सेवाएं हो रही प्रभावित: विधायक

कांग्रेस नेताओं का दावा गलत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी विधायक यशपाल सुवर्णा ने कहा राज्य में कांग्रेस सरकार वित्तीय कुप्रबंधन के कारण पूरी तरह विफल हो गई है। उन्होंने बताया कि उडुपी जिले में करीब 40,000 बीपीएल राशन कार्ड रोक दिए गए हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें बच्चों के लिए अंडे उपलब्ध कराने के लिए अपनी जेब से खर्च उठाना पड़ रहा है। जिला सरकारी अस्पताल में सीटी और एमआरआई स्कैन जैसी बुनियादी चिकित्सा सेवाएं बकाया बिलों के कारण बंद कर दी गई हैं। स्कूल और कॉलेज भी प्रभावित हो रहे हैं, मेस्कॉम ने भुगतान न करने पर बिजली काट दी है। उडुपी जिला आयुक्त ने बारिश से हुए नुकसान के कारण 234 करोड़ रुपये के नुकसान की रिपोर्ट की है, लेकिन मुआवजे के तौर पर एक भी रुपया जारी नहीं किया गया है। फिर भी, कांग्रेस के नेता दावा कर रहे हैं कि सरकार ठीक से काम कर रही है। मैं इन नेताओं से सार्वजनिक बयान देने से पहले राज्य की वित्तीय स्थिति को समझने का आग्रह करता हूं।

विभिन्न स्तरों पर गारंटी कार्यान्वयन समितियों की स्थापना पर अत्यधिक खर्च सार्वजनिक धन की बर्बादी है, जिसे केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को खुश करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि सार्वजनिक सेवाएं, खास तौर पर राजस्व कार्यालय, कांग्रेस पार्टी के कार्यालयों का विस्तार बन गए हैं, जहां अधिकारी पार्टी के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं अधिकारियों और सरकार दोनों को निष्पक्ष कामकाज सुनिश्चित करने की चेतावनी देता हूं। स्थानीय बुनियादी ढांचे के बारे में सुवर्णा ने कहा बारिश बंद होते ही मालपे-मणिपाल, इंद्राली और संथेकट्टे सड़कों पर काम शुरू हो जाएगा, संथेकट्टे की सर्विस रोड की मरम्मत को प्राथमिकता दी जाएगी। परकला रोड का चौड़ीकरण भी जल्द ही शुरू होगा। भाजपा रायता मोर्चा के अध्यक्ष कमलाक्ष हेब्बार ने कहा मेस्कॉम भुगतान न करने के कारण कई स्कूलों और कॉलेजों की बिजली काट रहा है। उडुपी इस कांग्रेस सरकार की विफलता का एक प्रमुख उदाहरण है। इसके अलावा, सरकार की छठी गारंटी, जिसमें बीपीएल कार्डधारकों का सत्यापन शामिल है, वास्तविक लाभार्थियों के लिए भारी कठिनाई पैदा कर रही है, जिसके कारण 40,000 बीपीएल कार्डधारकों को अब अपने लाभों का उपयोग करने के लिए सत्यापन से गुजरना पड़ रहा है।

सूचना लीक के दावों के बीच

लोकायुक्त एसआईटी ने राजभवन के अधिकारियों से पूछताछ की मांगी अनुमति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गोपनीय सूचना लीक के दावों के बीच लोकायुक्त एसआईटी ने राजभवन के अधिकारियों से पूछताछ की अनुमति मांगी है। सूत्रों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार लोकायुक्त एसआईटी के आईजीपी एम. चंद्रशेखर ने इसके लिए डीजीपी आलोक मोहन को पत्र लिखा है। इस कदम से सरकार और राजभवन के बीच तनाव बढ़ने की संभावना है। सूत्रों ने कहा कि राज्यपाल के कार्यालय को भेजी गई केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी की गोपनीय फाइल की जानकारी लीक हो गई थी। राज्यपाल ने 20 अगस्त को सूचना लीक पर रिपोर्ट मांगने के लिए पत्र लिखा था। जांच के बाद राज्यपाल के कार्यालय को एक रिपोर्ट सौंपी गई कि लोकायुक्त और विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से कोई सूचना लीक नहीं हुई है। इस संबंध में फाइल 8 मार्च को राजभवन में जमा कर दी गई थी।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अनुसार राज्यपाल को चार महीने में फाइल का निपटारा करना चाहिए। यह कदम कर्नाटक मंत्रिमंडल द्वारा राज्यपाल के कार्यालय को सीधे सूचना न देने के निर्णय के बाद उठाया गया है। मंत्रिमंडल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को राज्य में स्वतंत्र रूप से जांच करने की अनुमति देने वाले सामान्य सहमति प्रावधान को वापस लेने का भी निर्णय लिया। राज्य के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि राज्यपाल सरकार को असहिष्णु तरीके से पत्र लिखकर तत्काल या एक दिन में सूचना मांग रहे हैं। कानून मंत्री ने कहा इसलिए मंत्रिमंडल ने कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव को सीधे राज्यपाल को सूचना न देने का निर्देश देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार और राज्यपाल कार्यालय के बीच सूचना लीक होने के संबंध में जांच की गई थी। पाटिल ने कहा मंत्रिमंडल ने 6 सितंबर के पत्र के लीक होने पर चर्चा की थी। पत्र राजभवन द्वारा लीक किए गए हैं। लोगों को मौजूदा स्थिति और सच्चाई से अवगत कराने की आवश्यकता है। राजभवन अनावश्यक रूप से राज्य की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगा रहा है।

संविधान के अनुसार, किसी भी राज्यपाल को राज्य के प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए: सीएम

राज्य में सुशासन सुनिश्चित करने का जनादेश दिया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी राज्यपाल को राज्य के प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए और संविधान भी यही कहता है। राज्यपाल और कांग्रेस सरकार के बीच खींचतान पर एक सवाल का जवाब देते हुए, सीएम सिद्धरामैया ने शुक्रवार को मैसूरु हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा खींचतान से आपका क्या मतलब है? हम लोगों का जनादेश मिलने के बाद प्रशासनिक कार्य कर रहे हैं। लोगों ने हमें पांच साल तक शासन करने और राज्य में सुशासन सुनिश्चित करने का जनादेश दिया है और हम प्रशासन चला रहे हैं। केंद्र, न केवल कर्नाटक में, बल्कि पूरे देश में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्यपाल के कार्यालय का उपयोग कर रहा है, जहां भी

विपक्ष शासन कर रहा है। इन कार्यालयों का केंद्र सरकार द्वारा दुरुपयोग किया जाता है। राज्य में उनके इस्तीफे की मांग तेज होने और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले की सीबीआई जांच की मांग के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा मैंने कोई गलत काम नहीं किया है। सीएम सिद्धरामैया ने पूछा मुझे इसका जवाब दीजिए। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी किसकी सरकार के तहत काम कर रहे हैं? किसकी सरकार के तहत उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया गया? वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अधीन काम कर रहे हैं। आरोपों के बावजूद वह इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे हैं? उन्होंने कहा मुझे निशाना बनाना पूरी तरह से राजनीतिक है। वे कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। भाजपा में क्या नैतिकता है? केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी को उनकी सरकार में सत्ता दी गई है। जमानत पर बाहर होने के बावजूद उन्होंने अपना इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कर्नाटक में ऑपरेशन लोटस को अंजाम देने की कोशिश की और असफल रहे। हमारे पास 136 विधायक हैं। भाजपा कभी भी चुनावों में पूर्ण बहुमत प्राप्त करके कर्नाटक में सत्ता में नहीं आई है। क्या उन्हें राज्य में दो बार सत्ता में आने पर बहुमत का जनादेश मिला था? चल रही कानूनी लड़ाई के बारे में बात करते हुए, सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि वकीलों की टीम इसका ध्यान रखेगी। जब उनकी सरकार ने कर्नाटक लोकायुक्त को बंद करने और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्थापना करने का निर्णय लिया, तो सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन के दौरान भी एसीबी काम कर रही थी और अब ये दोहरे मापदंड क्यों?

कई भाजपा शासित राज्यों में एसीबी काम कर रही

सीएम सिद्धरामैया ने कहा कई भाजपा शासित राज्यों में एसीबी काम कर रही है। मुझे जांच से डर नहीं लगता। क्या मैं डरा हुआ दिख रहा हूं? अगर भाजपा एक भी ऐसा नेता दिखाती है जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप नहीं हैं, तो मैं उनका सम्मान करूंगा। हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो कानून के खिलाफ हो। हमारी सरकार गरीबों के हित में सभी कार्यक्रम जारी रखेगी। वे सिद्धरामैया से डर रहे हैं। मेरे खिलाफ जो मामला दर्ज होने जा रहा है, वह एक राजनीतिक मामला है। जब उनसे उनके समर्थन में हवाई अड्डे पर हजारों लोगों के इकट्ठा होने के बारे में पूछा गया, तो सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि वे इस इशारे से अभिभूत हैं, लेकिन उन्होंने लोगों को आने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने कहा लोगों के आशीर्वाद से हमें 136 सीटें मिली हैं। भाजपा कभी भी साधारण बहुमत हासिल नहीं कर पाई।

बैंक द्वारा ऋण वापसी की मांग के बाद किसान ने की आत्महत्या

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिंचोली तालुक के पोटांगल गांव में गुरुवार रात को ऋण वापसी की मांग करने वाले बैंक के नोटिस से घबराए एक किसान ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान पंडप्पा तिप्पन्ना कोरवन (45) के रूप में हुई है। किसान ने कर्नाटक ग्रामीण बैंक की निदागुंडा शाखा और अन्य साहूकारों से 1 लाख रुपये का ऋण लिया था। उसने अपनी तीन एकड़ कृषि भूमि पर अरहर की फसल उगाई थी। लेकिन, अत्यधिक वर्षा के कारण फसल खराब हो गई, जिससे किसान संकट में आ गया। 70-80 प्रतिशत घायल होने के बाद उसे सेदम तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में, उसे कलबुर्गी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उसके परिवार में पत्नी, एक बेटा और दो बेटियां हैं। सुलेपेट पुलिस स्टेशन के उपनिरीक्षक अमर ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रहे हैं।

दर्शन ने जमानत याचिका में किया दावा

प्रशंसक हत्या मामले में उनको फंसाया गया है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन, जिन्हें रेणुकास्वामी हत्या मामले में गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में बेल्लारी जिला जेल में बंद हैं, ने अपनी जमानत याचिका में कहा है कि वह निर्दोष हैं और उन्हें फंसाया गया है। दर्शन की जमानत याचिका में आगे कहा गया है कि उन्हें मामले में फंसाया गया है। सिर पर गंभीर चोट के अलावा रेणुकास्वामी के शरीर पर कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई। उनकी मृत्यु का सही समय स्पष्ट नहीं है। अदालत के समक्ष दिए गए बयानों और मेडिकल रिपोर्ट में विरोधाभास है। यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि दर्शन ने हत्या का अपराध किया है। अधिकारियों ने मामले में दर्शन के खिलाफ सबूत जुटाए हैं। इसके अलावा, जमानत याचिका में कहा गया

है कि सुपरस्टार दर्शन के कर्नाटक और अन्य देशों में प्रशंसक हैं। याचिका में चल और अचल संपत्तियों का विवरण भी दिया गया है। सूत्रों ने पुष्टि की कि अगर अदालत उनकी जमानत याचिका स्वीकार करती है तो उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी हेलीकॉप्टर द्वारा दर्शन को बेल्लारी से बेंगलूरु लाने की व्यवस्था कर रही हैं। 9 जून को रेणुकास्वामी को चित्रदुर्ग से अगवा कर बेंगलूरु लाया गया, जहां उन्हें पट्टनगेरे में एक शेड में बंद कर दिया गया और उनके साथ क्रूरता से मारपीट की गई। रेणुकास्वामी की हत्या कर दी गई और उनके शव को सुमनहल्ली में एक नाले में फेंक दिया गया। इस मामले में 11 जून की सुबह दर्शन और उसके साथी पवित्रा गौड़ा समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपी फिलहाल जेल में हैं और न्यायिक हिरासत में हैं। गिरफ्तारी के 102 दिनों के बाद, दर्शन ने पिछले शनिवार को अपने वकील के माध्यम से सत्र न्यायालय में जमानत याचिका दायर की थी। उनके वकील ने मामले पर आपातकालीन सुनवाई के लिए भी अनुरोध किया था। इस बीच, दर्शन से आयकर अधिकारियों ने उनके प्रशंसक रेणुकास्वामी की क्रूर हत्या से जुड़े आरोपियों के बीच पैसे के लेन-देन के संबंध में बेल्लारी जेल में पूछताछ की। दर्शन पर बेंगलूरु के केंद्रीय कारागार में शाही उपचार प्राप्त करने के संबंध में भी मामले चल रहे हैं। जेल विभाग से जुड़े नौ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया और मामले में दर्शन और अन्य पर तीन प्राथमिकी दर्ज की गईं। जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन ने अभिनेता के प्रशंसक रेणुकास्वामी पर हमला करने की बात स्वीकार की, जिसकी कथित तौर पर दर्शन और उनके सहयोगियों ने उनकी साथी पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजने के लिए हत्या कर दी थी, लेकिन मामले की जांच कर रही पुलिस द्वारा दायर आरोपपत्र में उल्लिखित उनके 20-पृष्ठ के बयान के अनुसार दावा किया कि उन्हें बाद में पीड़ित की मौत के बारे में बताया गया था।

तुमकुरु-यशवंतपुर मेमू को दिखाई हरी झंडी

बेंगलूरु और तुमकुरु के बीच चार लाइन का औद्योगिक गलियारा होगा विकसित: मंत्री वी. सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। क्षेत्रीय रेलवे नेटवर्क को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शुक्रवार को तुमकुरु रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 06521, तुमकुरु-यशवंतपुर मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) सेवा को आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखाई। इस सेवा के शुरू होने से तुमकुरु और यशवंतपुर के बीच कनेक्टिविटी में काफी सुधार होने की उम्मीद है, जिससे दैनिक यात्रियों के लिए स्थानीय यात्रा में सुधार होगा और एक तेज और अधिक कुशल पारगमन विकल्प उपलब्ध होगा। इस दौरान तुमकुरु शहर के विधायक जी.बी. ज्योति गणेश, तुमकुरु ग्रामीण के विधायक बी. सुरेश गौड़ा, तुरुवेकेरे के विधायक एम.टी. कृष्णप्पा और चिक्कनायकनहल्ली विधायक सी.बी. सुरेश बाबू, पूर्व सांसद जी.एस. बसवराजू तथा पूर्व विधायक निंगप्पा और नरेंद्र बाबू मौजूद थे। इस कार्यक्रम में बेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) योगेश मोहन और रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

अपने संबोधन में वी. सोमन्ना ने तुमकुरु स्टेशन पर हाल ही में वंदे भारत एक्सप्रेस के स्टॉप को जोड़कर तुमकुरु के लोगों की एक प्रमुख मांग को पूरा किए जाने पर प्रकाश डाला। मंत्री ने क्षेत्रीय विकास के प्रति समर्पण को रेखांकित करते हुए कई आगामी रेलवे परियोजनाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु और तुमकुरु के बीच चार लाइन का औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में विकास और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, यातायात के बोझ को कम करने और शहरी गतिशीलता में सुधार के लिए बेंगलूरु के आसपास एक परिपत्र और उपनगरीय रेलवे प्रणाली जल्द ही लागू की जाएगी। सोमन्ना ने यह भी बताया कि 220 करोड़ रुपये की लागत से अरसीकेरे और तुमकुरु के बीच एक स्वचालित सिग्नलिंग कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ट्रेन संचालन की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा कि तुमकुरु-रायदुर्ग और तुमकुरु-चित्रदुर्ग-दावणगेरे रेलवे लाइनों पर काम अच्छी तरह से चल रहा है, और इन परियोजनाओं के जल्द से जल्द पूरा होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान, उपस्थित विधायकों ने मेमू सेवा के शुभारंभ के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, और तुमकुरु और बेंगलूरु के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों को लाभान्वित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। नवप्रवर्तित मेमू ट्रेन को तुमकुरु के परिवहन नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है, जो शहर के निवासियों को सुविधाजनक और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करेगी।

सिद्धरामैया के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे मुश्किल में

लोकायुक्त में दी गई शिकायत धोखाधड़ी के लगे आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कानूनी दांव पेंच में फंसते नजर आ रहे हैं। भाजपा नेता रमेश एनआर ने खड़गे और अन्य के खिलाफ कर्नाटक लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा नेता एनआर रमेश ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। आरोपों में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, दस्तावेजों की जालसाजी, सरकारी जमीन को अवैध रूप से हासिल करने की साजिश और सरकारी संपत्ति को अवैध रूप से हड़पने में मदद करना शामिल है।

आरोपों में से एक सरकारी संपत्ति को अवैध रूप से मंजूरी देने से जुड़ा हुआ है। शिकायत में यह भी दावा किया गया कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को संदिग्ध परिस्थितियों में पांच एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। इसे लेकर खड़गे, मंत्री प्रियांक एम. खड़गे, राहुल एम. खड़गे, राधाबाई एम. खड़गे, राधाकृष्ण, मंत्री एम. बी. पाटिल और आईएएस अधिकारी डॉ. एस. सेल्वाकुमार का नाम शिकायत में दर्ज किया गया है। साल 2014 में, बेंगलूरु के बीटीएम चौथे स्टेज के दूसरे ब्लॉक में 8,002 वर्ग मीटर (86,133 वर्ग फीट) का सीए प्लॉट, साइट नंबर 05, बेंगलूरु विकास प्राधिकरण के माध्यम से आवंटित किया गया था। इसके अतिरिक्त, बेंगलूरु में हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर सेक्टर में पांच एकड़ सीए जमीन, केआईएडीबी द्वारा 30.05.2024 को सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के राहुल एम. खड़गे को आवंटित की गई थी। यह मामला उन आरोपों से संबंधित है कि सिद्धरामैया की पत्नी बीएम पार्वती को मैसूरु के एक महंगे इलाके में मुआवजा स्थल आवंटित किया गया था, जिसकी संपत्ति का मूल्य मुडा की ओर से अधिग्रहित की गई उनकी भूमि के स्थान की तुलना में अधिक था। मुडा ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां मुडा ने एक आवासीय लेआउट विकसित किया था। दरअसल, इसी घोटाले में सीएम सिद्धरामैया को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। साथ ही उनके खिलाफ जांच शुरू करने और मुकदमा चलाने की मंजूरी दी। राज्यपाल के आदेश को सीएम सिद्धरामैया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट से सीएम को बड़ा झटका लगा। अदालत ने सीएम पर केस चलाने की मंजूरी दी।

प्रियांक खड़गे ने असम और गुजरात में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को लेकर विरोध जताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। देश में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों की स्थिति को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इसकी तीन इकाई गुजरात में और एक असम में है, जिसे लेकर कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने विरोध जताया। खड़गे के इस विरोध पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पलटवार किया। उन्होंने प्रियांक खड़गे के जरिए कांग्रेस को घेरा। असम सीएम ने कहा कि एक बार फिर कांग्रेस ने असम के विकास का विरोध कर अपना असली रंग दिखा दिया। इसी के साथ उन्होंने असम कांग्रेस के नेताओं को इस विभाजनकारी सोच से हटकर राज्य के विकास के लिए खड़े होने की अपील की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा एक बार फिर असम के विकास का विरोध करते हुए कांग्रेस ने अपना असली रंग दिखा दिया है। कर्नाटक के एक मंत्री जो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बेटे भी हैं, ने दावा किया कि असम को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की मेजबानी करने का कोई अधिकार नहीं है। मैं असम कांग्रेस के नेताओं से अपील करता हूं कि वे इस विभाजनकारी सोच से निकलकर राज्य के विकास में भूमिका निभाएं। इससे पहले कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने असम और गुजरात में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को लेकर विरोध जताया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा पांच सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों में चार गुजरात और एक असम में है। लेकिन उनके पास वहां इकोसिस्टम का कोई कौशल नहीं है। उनके पास वहां शोध, उद्भवन और नवीनीकरण की व्यवस्था नहीं है। जब चिप डिजाइनिंग की 70 फीसदी प्रतिभा कर्नाटक में है तो मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि सरकार राजनीतिक बल का इस्तेमाल कर दूसरे राज्यों में क्यों दबाव बनाना चाह रही है। यह गलत है। इससे पहले कर्नाटक मंत्री प्रियांक खड़गे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सेमी कंडक्टर कंपनियों को गुजरात में निवेश के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि जब शीर्ष में बैठे लोग प्रधानमंत्री की बजाय मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं तो कर्नाटक जैसे राज्यों को नुकसान होगा।

भ्रष्ट लोगों को बढ़ावा देते हैं राहुल गांधी

सीबीआई जांच की सहमति वापस लेने पर भड़की भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में सीबीआई जांच की सहमति वापस लिए जाने को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेर लिया है। भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार की दुकान हो गई है। भाजपा ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री एक भ्रष्ट व्यक्ति हैं, जो खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि कर्नाटक के कांग्रेस सरकार ने गुरुवार को राज्य में जांच के लिए सीबीआई को दी गई सहमति वापस ले ली है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यह पूरी तरह से साफ हो गया है कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की दुकान बन गई है। मुडा घोटाले में हाईकोर्ट का आदेश आया है और सीएम पर आरोप लगे हैं। विशेष न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, लेकिन सीएम सिद्धरामैया इस्तीफा देने के बजाय अहंकार दिखा रहे हैं। अब किसी भी मामले की जांच के लिए आवश्यक राज्य की सहमति वापस ले ली गई है। यह इस बात का सबूत है कि वे किस तरह खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जांच के फंदे में फंसे सीएम का यह खुद को बचाने का आखिरी हथकंडा है, लेकिन जिसने भी भ्रष्टाचार किया है, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि वे क्या कदम उठाने जा रहे हैं। कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है, लूटती है। अगर किसी तरह हरियाणा में सत्ता में आ गए तो वहां भी लूटेंगे। लूटना ही कांग्रेस का चरित्र है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने माना है कि मुडा घोटाले में प्रथम दृष्ट्या भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने ये भी माना है कि वे दोषी हैं। यही कारण है कि उन्होंने सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति को रद्द कर दिया गया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने माना है कि सीएम मुडा घोटाले में अपने परिवार को 55 करोड़ रुपये का अनुचित लाभ पहुंचाने में शामिल थे। कर्नाटक के सीएम एक भ्रष्ट व्यक्ति हैं। अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए, वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई स्वतंत्र एजेंसी मामले की जांच न करे। समस्या की जड़ राहुल गांधी हैं क्योंकि वह कांग्रेस में उन लोगों को बढ़ावा देते हैं जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। राहुल गांधी की कांग्रेस भ्रष्टाचार की राजा है।

दूसरों की नैतिकता की बात करने वाले सिद्धरामैया सत्ता में कैसे बने रहेंगे: नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री और विधायक डॉ सीएन अश्वथ नारायण ने मांग की है कि अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया में नैतिकता है तो उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए और निष्पक्ष जांच की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दूसरों की नैतिकता की बात करने वाले सिद्धरामैया सत्ता में कैसे बने रहेंगे? उन्होंने मांग की कि अगर वह सार्वजनिक जीवन में हैं और देश के कानून का सम्मान करते हैं तो उन्हें एक पल के लिए भी सीएम पद पर नहीं रहना चाहिए। जब से कांग्रेस पार्टी कर्नाटक राज्य में सत्ता में आई है, वह ईमानदारी से एक भी काम नहीं कर रही है। सत्ता का दुरुपयोग, भ्रष्टाचार, शासन की कमी, सरकारी अधिकारियों की आत्महत्या हर समय हो रही है। भ्रष्ट कांग्रेस कह रही है कि हम ईमानदार शासन देंगे। वे संविधान विरोधी, लोकतंत्र विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि उनके मामले में कोई स्पष्टता नहीं है। महर्षि वाल्मीकि से लेकर अन्य विभागों में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि उन्होंने 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार किया है। जमीन पर कब्जा स्पष्ट है। चाहे वे कुछ भी कहें, हमने यह नहीं किया है। उनका भ्रष्टाचार पूरी तरह उजागर हो गया है। कोर्ट में सब कुछ सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि यह बात आम लोग भी समझते हैं। हालांकि राज्यपाल ने सुझाव दिया है कि सभी कदम उठाए जाने चाहिए, लेकिन वह इसके खिलाफ अदालत में चले गए हैं। कोर्ट ने ये भी बताया कि उनकी गलती क्या थी। जमीन कैसे बदली इसका पूरा रिकार्ड है। सत्ता का दुरुपयोग कैसे किया गया, इसकी जानकारी है। सरकार कांग्रेस की बनी है। राज्यपाल कुछ भी पूछें, कोई जवाब नहीं मिलता। मुख्य सचिव राज्यपाल को जवाब नहीं दे सकते, डीजीपी पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कैबिनेट में नाप-तौल कर जवाब देंगे। क्या यह कांग्रेस प्रशासन है जो राज्यपाल को जानकारी नहीं देता?

मिड-डे मील में मिली मरी हुई छिपकली

हासन में 20 से अधिक छात्र अस्पताल में भर्ती

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के अरकलगुड तालुक के रागीमारुरु गांव के बरानंदी हाई स्कूल के 20 से अधिक छात्र गुरुवार को अपना मिड-डे मील खाने के बाद बीमार पड़ गए। कथित तौर पर एक छात्र ने अपनी प्लेट में मरी हुई छिपकली देखी, जिसके तुरंत बाद छात्रों को पेट दर्द, उल्टी और चक्कर आने जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। एहतियात के तौर पर शिक्षण स्टाफ तुरंत भोजन खाने वाले सभी छात्रों को कोनानूर के नजदीकी अस्पतालों में ले गए।

घटना के बारे में सुनते ही माता-पिता अस्पताल पहुंचे, जबकि कुछ छात्रों को आगे के इलाज के लिए अरकलगुड और हासन के सरकारी अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शिवस्वामी और सार्वजनिक निर्देश के उप निदेशक एचके पांडु ने छात्रों की जांच करने के लिए अस्पतालों का दौरा किया। डॉक्टरों ने आश्वासन दिया कि बच्चे खतरे से बाहर हैं और कोनानूर में इलाज कराने वाले बच्चे उसी दिन घर लौट गए।

स्थानीय विधायक ए मंजू, बीईओ नारायण और अक्षरा दासोहा अधिकारी रंगास्वामी ने भी छात्रों की स्थिति जानने के लिए अस्पतालों का दौरा किया। अधिकारियों को भोजन तैयार करने में शामिल मध्याह्न भोजन सहायकों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है।

पश्चाताप से कर्मक्षय संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि पश्चाताप एक ऐसा ताप है जिसमें कर्मक्षय होते हैं। संयोगों में नश्वरता भरी वियोगिता छिपी है। क्षणिक सुख संयोग से मिलता है, जब उसका वियोग होगा तब बड़ा दर्द देकर जायेगा। आँसुओं की धारा बहती है, निद्रा नहीं आती है, भूख भूल जाते है। रोगों का प्रवेश भी हो जाता है क्योंकि मन उस वियोग को स्वीकार नहीं करता है। आर्तध्यान में गया मन सुखी नहीं रहता है। संयोग और वियोग जीवन के अनिवार्य दो पहलू है। महावीर ने जन्म को मृत्यु से, दुःख को सुख से जोड़ रखा है। नैसर्गिक नियमानुसार जीवन में सहज रूप प्रकृति प्रदत्त साधनों में जो सन्तोष मिलता है वह आज के बनावट भरे चमक दमक - प्रदूषण पैदा करने के साधनों में अतृप्ति का वास ही रहता है। तृष्णा घटती नही बढ़ती जाती है। आयु पलपल घटता ही जा रहा है। पाप नहीं घटती है। दौड़ा दोड़ी में जुड़े इन्सान के पास क्षणिक समय बैठ कर अपने जीवन की पहचान समझने का नहीं है। जगत में जो हो रहा है उसे देखकर-सुनकर और लोगों की जीवनपद्धति जो पूर्णतया भौतिकता से भरी है, उसको भेड़चाल से जी रहा है। मानो स्वयं का अस्तित्व स्वतन्त्र मौलिक आत्म तत्व को मानो भूलता ही जा रहा है।

स्टालिन ने मोदी से किया मछुआरों की समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने का आग्रह

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यहां मुलाकात की तथा भारतीय मछुआरों के पारंपरिक मछली पकड़ने के अधिकारों को सुरक्षित करने के साथ ही श्रीलंका की हिरासत से उनकी रिहाई में तेजी लाने के लिए स्थायी समाधान की मांग की।

श्री स्टालिन ने श्री मोदी को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि तमिलनाडु में 1076 किलोमीटर लंबी तटरेखा है, जिसमें बड़ी संख्या में तटीय समुदाय अपनी आजीविका के लिए मछली पकड़ने पर निर्भर हैं। हाल के दिनों में श्रीलंकाई नौसैनिकों द्वारा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी तथा उनकी नौकाओं और मछली पकड़ने के उपकरणों को जब्त करने की घटनाएं बढ़ी है। इन घटनाओं से राज्य में बड़ी संख्या में गरीब मछुआरे परिवारों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

उन्होंने याद दिलाया कि मछुआरों की रिहाई को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर को 13 पत्र लिखे गये हैं। राजनयिक माध्यम से बार-बार किये गये प्रयासों के बावजूद श्रीलंका द्वारा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है, जिससे मछुआरा समुदाय में गंभीर अशांति पैदा हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 23 सितंबर तक कुल 191 मछली पकड़ने वाली नावें जब्त हैं और 145 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की हिरासत में हैं, जो पिछले सात वर्षों में सबसे अधिक है। इनमें से 21 मछुआरों को दोषी ठहराया गया है और वर्तमान में वे छह महीने से लेकर दो साल तक की जेल की सजा काट रहे हैं। सत्तावन मछुआरों पर श्रीलंकाई रुपये (एसएलआर) 10 लाख/ तीन महीने की कैद से लेकर एसएलआर 1.5 करोड़ / 6 महीने की कैद तक की जेल की सजा सुनायी गयी है जबकि शेष 67 मछुआरों का मामला विचाराधीन हैं।

उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई अदालतों द्वारा गरीब मछुआरों पर 1.5 करोड़ एसएलआर का जुर्माना लगाना क्रूरता और समझ से परे है। इस संबंध में विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया गया है कि वह निर्दोष मछुआरों की रिहाई के लिए राजनयिक चैनलों के माध्यम से आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करे और उन पर लगाये गये भारी जुर्माने को रद्द करने की अपील करने में उनकी मदद करे।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2021 से अब तक सात मछुआरों की मौत पर भी अपनी गंभीर चिंता जताई है। इसमें इस साल एक अगस्त को मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर श्रीलंकाई नौसेना के जहाज के टकराने से हुई दो मौतें भी शामिल हैं। वर्ष 2018 के बाद और अब तक विभिन्न बंदरगाहों में पकड़ी गई और जब्त की गयी 191 नौकाओं की स्थिति के बारे में पता नहीं है। उन्होंने कहा कि स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए, जिसके लिए अधिकारियों और मछुआरों की एक संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि श्रीलंका सरकार द्वारा जब्त की गई नौकाओं के राष्ट्रीयकरण की हालिया नीति एक चरम कदम है जिससे राज्य में लाखों मछुआरों और उनके परिवारों की आजीविका और भविष्य पर असर पड़ेगा। भारी जुर्माना लगाने और पकड़ी गई नौकाओं के राष्ट्रीयकरण को कूटनीतिक हस्तक्षेप के माध्यम से रोका जाना चाहिए। भारत और श्रीलंका के बीच मत्स्य पालन पर 29 अक्टूबर को कोलंबो में होने वाली संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के मछुआरों के बीच मछुआरा स्तरीय वार्ता की तत्काल व्यवस्था करना आवश्यक है, जो वर्ष 2016 से नहीं हुई है। उन्होंने इस जटिल मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने के लिए श्री मोदी से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की।

जम्मू-कश्मीर में 7 जगहों पर एनआईए का छापा

रियासी, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के 2 जिलों राजौरी और रियासी में सात जगह छापा मारा है। जिन लोकेशन पर तलाशी जारी है, वे हाइब्रिड आतंकवादियों और ओवर-ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) से जुड़े हैं। यह छापेमारी 9 जून को रियासी में एक बस पर हुए आतंकी हमले से जुडी है। इस हमले में नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। बस रियासी के पौनी इलाके में शिव खोरी से कटरा जा रही थी। आतंकवादियों की गोलीबारी से बस खाई में गिर गई थी। इस हमले में 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे, जबकि 9 लोगों की मौत हो गई थी, इनमें बच्चा भी शामिल था।

गृह मंत्रालय ने 17 जून को आतंकी हमले की जांच का जिम्मा एनआईए को दे दिया था। एजेंसी ने हाइब्रिड आतंकवादियों और ओजीडब्ल्यू से जुड़े पांच ठिकानों की तलाशी ली थी। इसी दौरान गिरफ्तार आरोपी हाकम खान उर्फ हकीन दीन से मिले इनपुट के बाद शुक्रवार 27 सितंबर को इन नए ठिकानों पर छापा मारा गया है। एनआईए की जांच में यह सामने आया था कि हाकम ने आतंकियों को पनाह, गोला-बारूद और खाना दिया था। इसके बाद हुई तलाशी में आतंकवादियों और ओजीडब्ल्यू के बीच कई कनेक्शन जोड़ने वाली कई चीजें जब्त की गई थीं।

सुनील जाखड़ के इस्तीफे की खबर महज अफवाह: सरीन

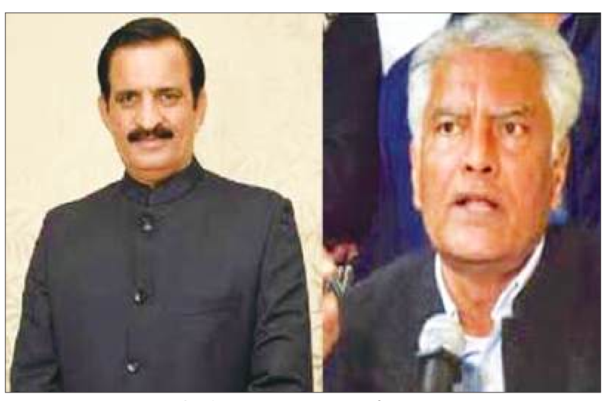

चण्डीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पंजाब अध्यक्ष सुनील जाखड़ के इस्तीफे से संबंधित समाचारों का खण्डन करते हुए पंजाब भाजपा के महासचिव अनिल सरीन ने इसे महज अफवाह करार दिया है।

अनिल सरीन ने शुक्रवार को इस खबर को बेबुनियाद और झूठा बताया और कहा कि उनके इस्तीफे की खबर महज अफवाह है और यह विपक्षी दलों द्वारा फैलाया जा रहा सरासर झूठा प्रचार है। सुनील जाखड़ भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष हैं और अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि सुबह से ही यह खबर वायरल हो रही है कि पंजाब में पंचायत चुनाव से पहले भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि श्री जाखड़ की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अब महासचिव अनिल सरीन ने इस खबर को अफवाह बताया है। यह भी कहा जा रहा है कि सुनील जाखड़ के इस्तीफे के पीछे केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू का हाथ है। क्योंकि लोकसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी ने बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया था। इसके बाद से ही वह पार्टी से नाराज चल रहे हैं और इसी वजह से उन्होंने पार्टी से इस्तीफे की पेशकश की है। श्री जाखड़ ने जुलाई से ही पार्टी से दूरी बनानी शुरू कर दी थी। सुनील जाखड़ के इस्तीफे की खबरों के बीच पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद अमरिन्दर सिंह राजा वडिंग ने एक्स पर पोस्ट कर उन पर तंज कसा है। राजा वडिंग ने सुनील जाखड़ को टैग करते हुए लिखा कि मिस्टर सुनील जाखड़ आल द बेस्ट, व्हेयर इज नेक्स्ट। सुनील जाखड़ ने 2022 में कांग्रेस से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद वह 19 मई को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में पार्टी में शामिल हो गए। इसके बाद भाजपा ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देते हुए पंजाब का अध्यक्ष बनाया।

एडमिरल त्रिपाठी ने यूनानी नौसेना प्रमुख के साथ समुद्री सहयोग बढाने पर की चर्चा

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

यूनान की यात्रा पर गए नौसेना प्रमख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने शुक्रवार को यूनानी सेना के अपने समकक्ष से मुलाकात की और समुद्री सहयोग बढाने तथा दोनों नौसेनाओं के बीच साझेदारी को मजबूत बनाने पर चर्चा की। यूनान पहुंचने पर एडमिरल त्रिपाठी का पारंपरिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया।

दोनों नौसेना प्रमुखों ने मुलाकात के दौरान समुद्री सुरक्षा सहयोग को बढ़ाकर और स्थिर तथा सुरक्षित समुद्री माहौल के लिए साझा लक्ष्यों के साथ नौसेना से नौसेना के बीच साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। अंतरसंचालनीयता और क्षमता निर्माण को बढ़ाने पर जोर देने के साथ-साथ प्रशिक्षण सहयोग को आगे बढ़ाने की संभावना पर भी बात की गयी। एडमिरल त्रिपाठी ने यूनान के उप रक्षा मंत्री आयोनिस केफालोगियानिस और हेलेनिक नेशनल डिफेंस जनरल स्टाफ के उप प्रमुख क्रिस्टोस ससियाकोस से भी मुलाकात की, जो रक्षा संबंधों को प्रगाढ बनाने और भूमध्य सागर में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उनके बीच बातचीत खुले समुद्री व्यापार मार्गों, रणनीतिक नौसैनिक अवसरों, क्षमता निर्माण, साझा प्रशिक्षण पहल और अंतरसंचालनीयता बढ़ाने पर ध्यान देने के साथ भारत-यूनान रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए आधार तैयार करने पर केंद्रित रही। विशिष्ट प्रौद्योगिकियों और रक्षा उद्योग के अवसरों में सहयोग पर भी विचार-विमर्श किया गया।

नेमप्लेट विवाद: बिक्रमादित्य ने कांग्रेस आलाकमान को दी सफाई

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस में हिमाचल प्रदेश के शहरी विकास मंत्री बिक्रमादित्य सिंह के बयान को लेकर गहरी नाराजगी का माहौल है और आलाकमान के कहने पर यहां पहुंचे श्री सिंह पिछले दो दिन से पार्टी नेतृत्व को अपने बयान को लेकर सफाई दे रहे हैं।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्री बिक्रमादित्य और उनकी मां एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह पिछले दो दिनों से पार्टी हाईकमान के समन पर राष्ट्रीय राजधानी में डेरा डाले हैं और आज उन्होंने पार्टी के कई प्रमुख नेताओं से मुलाकात की।

आलाकमान के रुख को देखते हुए श्रीमती सिंह ने कहा कि विवाद खड़ा करना उनका मकसद नहीं था। इस बीच सूत्रों ने बताया कि श्री सिंह को आज कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने अपने कार्यालय में बुलाया था और उन्हें कड़क लहजे में कहा है कि पार्टी की विचारधारा नफरत के खिलाफ है और इसको बनाए रखने का दायित्व सबका है। कोई मंत्री हो या कार्यकर्ता उसे पार्टी की विचारधारा के खिलाफ जाने का अधिकार नहीं है।

मिडिया रिपोर्ट के अनुसार श्री वेणुगोपाल ने कहा है कि कांग्रेस एकता में विश्वास करती है। पार्टी नेता राहुल गांधी नफरत के खिलाफ लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

पार्टी की अपनी स्पष्ट विचारधारा है और कांग्रेस के हर नेता तथा कार्यकर्ता को इसका पालन करना है। श्री सिंह की मां ने कहा कि नेमप्लेट का विवाद लोगों की हिफाजत के लिए है। लोग बाहर से हिमाचल आएं तो उन्हें स्वच्छ और शुद्ध भोजन मिले इसलिए नाम प्लेट जरूरी है और इसको लेकर एक समिति बनाई गई है। समिति में कांग्रेस के साथ ही विपक्ष के भी विधायक हैं और समिति की जो रिपोर्ट होगी उसके अनुसार आला कमान की सहमति पर निर्णय लिया जाएगा। कांग्रेस आलाकमान के उनसे नाराज होने संबंधी सवाल पर श्री सिंह ने कहा कि इसमें कहीं कोई नाराजगी की बात ही नहीं है। इसमें सभी दलों के नेता शामिल हैं और सर्वदलीय समिति जो निर्णय लेगी उसे लागू करने के बारे में विचार किया जाएगा।

लड़ाईयों के बेहद तेज होने से एक से दो मिनट में भेदे जा रहे हैं लक्ष्य

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

सेना का कहना है कि रणक्षेत्र में लड़ाईयां निरंतर तीव्र होती जा रही हैं जिससे लक्ष्य भेदने का समय निरंतर कम हो रहा है और जहां पहले लक्ष्य की पहचान कर उसे भेदने में आठ से नौ मिनट लग जाते थे अब उसमें एक से दो मिनट का समय लग रहा है।

सेना में आर्टिलरी यानी तोपखाना इकाई के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अदोष कुमार ने शनिवार को 198 वें आर्टिलरी दिवस से पहले मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि बदलते समय की जरूरतों को देखते हुए आर्टिलरी बहुत तेजी से आधुनिकीकरण कर रही है। उन्होंने कहा, हम पहले से कहीं अधिक गति से और निर्धारित समय-सीमा के अनुसार आधुनिकीकरण कर रहे हैं। हमारी आधुनिकीकरण और क्षमता विकास योजना आत्मनिर्भरता अभियान से जुड़ी है और स्वदेशीकरण के माध्यम से आधुनिकीकरण के सिद्धांत पर आधारित है।

रूस और यूक्रेन के बीच दो वर्ष से भी अधिक समय से चले आ रहे युद्ध के संदर्भ में भविष्य के युद्धों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसका अनुमान लगाना कठिन है क्योंकि यह उस समय की भू-राजनीतिक स्थिति पर निर्भर रहेगा लेकिन यह कहा जा सकता है कि भविष्य के युद्ध जटिल, हाइब्रिड, मल्टीडोमेन और अत्यधिक तीव्रता वाले तथा भीषण होंगे। उन्होंने कहा कि इनकी भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रणक्षेत्र में एक साथ दस ऑपरेशन चल रहे होंगे। ले. जनरल ने कहा कि भविष्य के युद्धों में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और इसका अत्यधिक इस्तेमाल होगा। सेनाएं अंतरिक्ष प्रणालियों का अधिक से अधिक दोहन करेंगी तथा इलेक्ट्रानिक युद्ध प्रणाली भी लड़ाई का अहम हिस्सा होगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा लड़ाईयों का परिणाम खुफिया जानकारी, टोही और निगरानी अभियानों की सफलता तथा सटीकता पर भी निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित छोटे उपग्रहों के समूह के इस्तेमाल की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अभी

लड़ाईयां इतनी तेज हो गयी हैं कि लक्ष्य को भेदने का समय कम होकर एक से दो मिनट हो गया है जो पहले 8 से 9 मिनट होता था। अब प्रौद्योगिकी और आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस के इस्तेमाल से लक्ष्य का पता लगाकर उस पर फायर करने में बहुत तेजी आ गयी है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना भी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है। अभी सेनाएं हथियार को दागने के बाद लक्ष्य के अनुसार उसके मार्ग को बदलने यानी मिड कोर्स करेक्शन वाले हथियारों पर भी काम कर रही हैं। ले. जनरल कुमार ने कहा कि रूस- यूक्रेन युद्ध तथा इजरायल-फलस्तीन संघर्ष से गोला बारूद की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बहुत अधिक प्रभावित नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि रूस का गोला बारूद का वार्षिक निर्माण बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि अभी लड़ाई में रूस प्रतिदिन 10 से 15 हजार गोले दाग रहा है जबकि यूक्रेन की ओर से तकरीबन 4 हजार गोले दागे जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में भी अत्याधुनिक गोला बारूद बनाने की क्षमता को निरंतर बढाया जा रहा है और इसके लिए अब निजी क्षेत्र का भी सहयोग लिया जा रहा है। निजी वेंडरों से सेना के लिए गोला बारूद खरीदे जाने की प्रक्रिया चल रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में नयी फील्ड फायरिंग रेंज के लिए भूमि की पहचान करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है लेकिन सेना नयी फायरिंग रेंज स्थापित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अभी सेना ने अरूणाचल प्रदेश में त्वांग के निकट नयी फायरिंग रेंज बनायी है। सेना के पास अब तक ऊंचे क्षेत्रों में फायरिंग रेंज नहीं थी और इसका आगे चलकर सेना को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश के उत्तरी हिस्सों में भी और फायरिंग रेंज के लिए भूमि की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सेना के जवान निरंतर फायरिंग अभ्यास कर रहे हैं और अयोध्या के निकट तथा कुछ अन्य फायरिंग रेंज को गैर अधिसूचित किये जाने के बावजूद सेना में फायरिंग अभ्यास की प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई है। पिनाका राकेट लांचर को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की सफलता की कहानी करार देते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रणाली पूरी तरह सफल रही है और अब इसकी मार करने की क्षमता को दोगुना करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आर्टिलरी रेजिमेंट में अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर (यूएलएच), के-9 वज्र, धनुष और सारंग सहित कई 155 मिमी कैलिबर बंदूकें और हॉवित्जर तोपें शामिल की गई हैं। यूएलएच को उत्तरी सीमाओं पर तैनात किया गया है। इनका वजन हल्का होता है और इन्हें हेलीकाप्टरों द्वारा ले जाया जा सकता है। के-9 वज्र गन सिस्टम मशीनीकृत संचालन के लिए आदर्श है। धनुष तोपें बोफोर्स तोपों का इलेक्ट्रॉनिक अपग्रेड हैं, जबकि सारंग गन सिस्टम को 130 मिमी से 155 मिमी कैलिबर तक उन्नत किया गया है। निकट भविष्य में अधिक संख्या में के-9 वज्र, धनुष और सारंग तोप प्रणालियों को शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेना उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस), माउंटेड गन सिस्टम (एमजीएस) और टोड गन सिस्टम (टीजीएस) को शामिल करने के लिए अन्य 155 मिमी गन सिस्टम को भी शामिल करने की प्रक्रिया में हैं। ले. जनरल ने कहा कि सेना को हर तरह के युद्ध के लिए तैयार रखने के लिए आर्टिलरी की क्षमता निरंतर बढाई जा रही है जिससे कि वह चुनौतियों और खतरों से आगे रहकर उनका मुकाबला कर सके।

प्रौद्योगिकी संचालित युद्ध में

त्वरित निर्णय लेने में सक्षम रणनीतिकारों की जरूरत : जनरल चौहान

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि प्रौद्योगिकी संचालित युद्धक्षेत्र में ऐसे रणनीतिकारों की जरूरत होगी जो त्वरित निर्णय लेने में सक्षम हों। जनरल चौहान ने शुक्रवार को यहां तीनों सेनाओं के फ्यूचर वारफेयर कोर्स में समापन भाषण देते हुए जोर देकर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, स्टील्थ टेक्नोलॉजी और हाइपरसोनिक्स में प्रगति तथा रोबोटिक्स भविष्य के युद्धों का स्वरूप तय करेंगे।

उन्होंने कहा कि विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के प्रसार, युद्ध के बदलते स्वरूप और हाल के संघर्षों से सीखे गए सबक से पता चलता है कि सुरक्षित माहौल के लिए भविष्य में ऐसे रणनीतिकारों की आवश्यकता है जो आधुनिक युद्ध की बारीकियों को समझने में सक्षम हों। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए यह कोर्स भविष्य के रुझान, वायु और अंतरिक्ष युद्ध, समुद्री संचालन और बहु-डोमेन संचालन जैसे भविष्य के युद्ध से संबंधित प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित था। यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को युद्ध का नेतृत्व करने और आकार देने में सक्षम बनाएगा, जिससे उभरती चुनौतियों के लिए एकीकृत और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी। जनरल चौहान को तीनों सेनाओं के उप प्रमुखों के साथ सप्ताह भर के कोर्स के परिणामों के बारे में जानकारी दी गई और बाद के कोर्सों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। फ्यूचर वारफेयर कोर्स का लक्ष्य आधुनिक युद्धक्षेत्र की जटिलताओं से निपटने में तकनीक में सक्षम सैन्य कमांडरों का एक कैडर बनाना है।

जम्मू-कश्मीर की धरती से योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान को ललकारा

आतंकवाद और सिंध नदी का पानी साथ-साथ नहीं चल सकता: योगी

आतंक फैलाने वालों को न ढकने के लिए कफन मिलेगा और न ही दफन करने के लिए दो गज जमीन ही नसीब होगी

अपने कर्मों की सजा भुगत रहा है पाकिस्तान, तीन भागों में बंट जाएगा, अता-पता भी नहीं चलेगा

जम्मू/लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि वॉटर एंड टेररिज्म डोंट फ्लो टूगेदर यानी आतंकवाद और सिंध नदी का जल प्रवाह साथ-साथ नहीं चल सकता। अभी तक पाकिस्तान के हाथों में कटोरा आया है, अब वह एक-एक बूंद पानी के लिए तरसने वाला है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव अभियान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशियों के प्रचार में पहुंचे योगी ने शुक्रवार को रामनगर से उम्मीदवार सुनील भारद्वाज, उधमपुर ईस्ट से प्रत्याशी रणवीर सिंह पठानिया, कठुआ से प्रत्याशी भारत भूषण, किश्तवाड़ से उम्मीदवार शगुन परिहार के लिए कमल खिलाने की अपील की। उन्होने कहा कि पाकिस्तान आज दो कारणों से परेशान है। पहला तो वह अपने कर्मों की सजा भुगत रहा है। बलूचिस्तान कहता है कि हमें पाकिस्तान में नहीं रहना है, क्योंकि वहां की हुकूमत हमें विदेशी कहती है। पाक अधिकृत कश्मीर भी कहता है कि हमें अब पाकिस्तान हुकूमत नहीं चाहिए। भूखों मरने से अच्छा है कि जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बनकर अखंड भारत के सपनों को साकार बनाने में सहभागी बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान की शह पर आतंक फैलाने वालों को न ढकने के लिए कफन मिलेगा और न ही दफन करने के लिए दो गज जमीन ही नसीब होगी। पाकिस्तान परस्त आतंकी जानते हैं कि आतंकवाद की कीमत किस रूप में चुकानी पड़ेगी। तीन भागों में बंट जाएगा, पाकिस्तान का अता-पता नहीं चलेगा।

योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की ताकत का उदाहरण उत्तर प्रदेश में देखा जा सकता है, जहां 500 वर्ष बाद अयोध्या धाम में रामलला विराजमान हो गए। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो खून की नदियां बहेंगी। हमने कहा कि नए भारत में खून की नदियां नहीं बहती हैं, बल्कि यह अपनी सुरक्षा करना जानता है।

उन्होने कहा कि कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस ने धरती के स्वर्ग को मजहबी उन्माद के पाप का वेयर हाउस बनाकर जनता का शोषण किया। इन लोगों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद, भ्रष्टाचार को पनपाया, लेकिन अब 370 व 35 ए को हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर में विकास तेजी से बढ़ गया है। टेररिस्ट स्टेट से टूरिज्म स्टेट बन गया है। जम्मू-कश्मीर में देश का सबसे बड़ा और ऊंचा ब्रिज बन रहा है तो वंदे भारत जैसी विश्व स्तरीय ट्रेन भी जम्मू से दिल्ली तक शुरू हुई है। नेकां, कांग्रेस व पीडीपी ने युवाओं को तमंचा थमाया था, लेकिन भाजपा सरकार टैबलेट देकर नौजवानों को रोजगार दे रही है। योगी ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि हमारी सरकार आएगी तो 370 बहाल करेंगे यानी यह लोग फिर से आतंकवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार के पुराने दौर को लाना चाहते हैं। इन्हें शांति-सौहार्द व विकास नहीं, बल्कि सत्ता चाहिए, लेकिन इन तीनों दल के लिए यहां जगह नहीं है। जनता तिकड़ी को विदा करने का संकल्प ले चुकी है। सत्ता मिलने पर कांग्रेस, नेकां व पीडीपी के नेता 12 में से 8 महीने यूरोप-इंग्लैंड और तीन महीने दिल्ली रहते थे। आखिर एक महीने में जम्मू का विकास कैसे होगा। उन्होने कहा कि कांग्रेस, नेकां व पीडीपी की तिकड़ी ने यहां अराजकता, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और आतंकवाद को बढ़ाया। बकरवाल, गुज्जर, दलित, वाल्मीकि समाज के लोगों को हक से वंचित कर रखा था। वहीं भाजपा पीएम मोदी के नेतृत्व में उनके जीवन में परिवर्तन ला रही है।

ईडी की कार्रवाई से खनन और स्टोन क्रशर मालिकों में हड़कंप

सहारनपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक दल ने बेहट कोतवाली के तहत यमुना किनारे के बरथा कोरसी में खनन पट्टाधारकों और स्टोन क्रशर मालिकों के यहां छापेमारी की और संबंधितों के दस्तावेज आदि अपने कब्जे में लिए।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक ईडी के दल ने हिमाचल प्रदेश निवासी गढ़वाल स्टोन क्रशर और बरथा कोरसी गांव निवासी खनन कारोबारी दीपक चौधरी से लंबी पूछताछ की और मौके पर निरीक्षण किया। मौके पर खनन सामग्री नियमों से अधिक पाई गई। ईडी के दल ने एक दूसरे क्रशर मालिक के यहां भी छापेमारी कर पूछताछ की और दस्तावेज कब्जे में लिए। जांच और पूछताछ के बाद सभी लोगों को छोड़ दिया गया। छापेमारी और पूछताछ की यह कार्रवाई गुरूवार शाम देर तक चली। जिला पुलिस प्रशासन को ईडी की इस कार्रवाई की कोई भनक तक नहीं लगी। इस इलाके में वर्षों से अवैध खनन जारी है। जिन लोगों के नाम खनन के पट्टे आवंटित होते हैं उनकी माली हालत करोड़ों रूपये खर्च कर खनन करने की नहीं होती है। उनकी आड़ में बड़े कारोबारी अवैध रूप से मनमाने ढंग से खनन करते हैं। आवंटित भूमि पर खनन नामचारे का होता है। जबकि यमुना में जमकर दिन-रात खनन चलता है। खनन मामले में पिछले दिनों हुई कार्रवाई के दौरान पूर्व बसपा एमएलसी दो लाख का ईनामी खनन माफिया इकबाल उर्फ बाल्ला फरार है। जिसकी लोकेशन दुबई में मिली थी। लेकिन इकबाल बाल्ला को दुबई से भारत लाने की कोई कार्रवाई अभी तक सामने नहीं आई है।

पीड़ित एससी-एसटी परिवारों के लिए 1400 करोड़ का आवंटन

मुरादाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने हत्या, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार की पीड़िताओं को साढ़े सात वर्ष में 1447 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी है।

अधिकृत सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि यह सहायता अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989) और नागरिक अधिकार संरक्षण (पीसीआर) अधिनियम के तहत प्रदान की जाती है। अपराध की गंभीरता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़ितों और उनके परिवारों को जरूरत पर सरकार की तरफ से मदद मिले। केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार यह सहायता 85 हजार रुपये से 8.25 लाख रुपये तक होती है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य पीड़ितों और उनके परिवारों को समय पर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उन्हें सहायता मिल सके। इस पहल के तहत सरकार यह सुनिश्चित करती है कि परिवारों को जांच और परीक्षण के महत्वपूर्ण बिंदुओं के आधार पर आवश्यक सहायता मिले।

उन्होने बताया कि विभिन्न अपराधों से पीड़ित एससी-एसटी की महिलाओं को न्याय मिले। इसके लिए जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सतर्कता व मॉनीटरिंग समिति कार्य करती है, जबकि तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में उपखंड स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की व्यवस्था की गई है। हत्या या अत्याचार के कारण मृत्यु होने पर परिजनों को 8.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिलती है। इसमें मुआवजा दो चरणों में वितरित किया जाता है। 50 प्रतिशत राशि पोस्टमार्टम के तुरंत बाद और शेष 50 प्रतिशत औपचारिक रूप से अदालत में चार्जशीट जमा होने के बाद प्रदान की जाती है।

बलात्कार या सामूहिक बलात्कार (धारा 375, भारतीय दंड संहिता) के मामले में, पीड़ित 5.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के हकदार हैं। कानूनी प्रक्रिया के दौरान यह सहायता चरणबद्ध तरीके से प्रदान की जाती है। कुल 50 प्रतिशत राशि मेडिकल जांच और मेडिकल रिपोर्ट की पुष्टि के बाद दी जाती है, 25 प्रतिशत राशि कोर्ट में चार्जशीट दाखिल होने के बाद दी जाती है और अंतिम 25 प्रतिशत राशि निचली अदालत में मुकदमा समाप्त होने के बाद दी जाती है। धारा 376 घ के तहत सामूहिक बलात्कार की पीड़िता को राज्य सरकार 8.25 लाख रुपये प्रदान करती है। इसमें 50 प्रतिशत राशि मेडिकल जांच और मेडिकल रिपोर्ट के सत्यापन के बाद दी जाती है। 25 प्रतिशत राशि कोर्ट में चार्जशीट दाखिल होने के बाद दी जाती है। अंतिम 25 प्रतिशत राशि निचली अदालत में मुकदमा समाप्त होने पर दी जाती है।

धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज और ईको टूरिज्म का हब बना उत्तर प्रदेश : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश आज दुनिया भर में धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज और ईको टूरिज्म का हब बन कर उभरा है। विश्व पर्यटन दिवस पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के पर्यटकों को अपनी ओर लुभा रहा है। बीते साल 46 करोड़ से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश आए। यूपी धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज और ईको टूरिज्म का हब बन चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले साल मकर संक्रांति से 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ 2025 के दौरान 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे।

उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के पर्यटकों को लुभाने में सफल हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में गत वर्ष यूपी में 46 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने यूपी के अलग अलग धार्मिक आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म या हेरिटेज टूरिज्म के साइट्स का भ्रमण किया है। ये पर्यटक यूपी के अंदर केवल पर्यटन की दृष्टि से नहीं आते बल्कि रोजगार सृजन में भी इनकी बड़ी भूमिका है। पर्यटन गतिविधियां विरासत और विकास के बेहतरीन समन्वय को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। स्पिरिच्युअल टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट, जैन सर्किट आदि हमारे पास हैं। आज काशी में बाबा विश्वनाथ धाम करोड़ों पयर्टकों को आकर्षित कर रहे हैं। अयोध्या, वृंदावन, गोकुल, बरसाना ने दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित किया है।

योगी ने बताया कि बौद्ध पर्यटन की दृष्टि से सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। वहीं जैन टूरिज्म की दृष्टि से यूपी में अनेक संभावनाएं हैं। अयोध्या जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली है, काशी की पावन धरा पर अनेक जैन तीर्थंकर अवतरित हुए थे। कुशीनगर की पावा नगरी जैन तीर्थंकरों की पावन धरा के रूप में आज भी हमारे लिए पूज्य बनी हुई है। विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज कुंभ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ऐसे ही हेरिटेज टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो झांसी में लक्ष्मीबाई का किला, बांदा में कालिंजर का किला, आगरा का लालकिला और रेड फोर्ट, फतेहपुर सीकरी, प्रयागराज का किला, रामनगर वाराणसी का किला, मिर्जापुर में चुनार किला और लखनऊ का इमामबाड़ा के रूप में एक लंबी परंपरा है। ईको टूरिज्म का तो यूपी हब ही है। चाहे दुधवा हो, चूका हो, कतर्नियाघाट, हस्थिनापुर, सूर्य सरोवर, सोनभद्र का सलखन, ओखला बर्ड सेंचुरी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार पर्यटकों की सुविधा और रुचि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। आज यूपी अपनी बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए जाना जाता है। रोड, रेल, वाटर और एयर कनेक्टिविटी हमारे पास मौजूद है। आज हम विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर झांसी में समारोह से जुड़ रहे हैं, तो वहीं 2025 में मकर संक्रांति से लेकर 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में भी दुनियाभर के 40 करोड़ श्रद्धालु भाग लेकर यूपी की इस अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के प्रति पूरे विश्व को आकर्षित करेंगे। योगी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप देश और दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करने और यूपी को एक बेहतरीन टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार कामयाब होगी।

बुंदेलखंड के किलों को निजी क्षेत्र के सहयोग से विकसित करने का होगा प्रयास: जयवीर सिंह

झांसी, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

विश्व पर्यटन दिवस 2024 के अवसर पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के झांसी में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि राजस्थान की तर्ज पर ही सरकार बुंदेलखंड की महत्व-पूर्ण धरोहर यहां के किलों को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने का प्रयास करेगी।

यहां पंडित दीनदयाल सभागार में पर्यटन और शांति विषय पर आयोजित कार्यक्रम में आये प्रदेश के पर्यटन मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार हो या फिर प्रदेश की सरकार दोनों ने बुंदेलखंड के विकास के लिए हर संभवप्रयास किया है। सरकार बुंदेलखंड क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के पर्यटन जैसे ईको टूरिज्म, धार्मिक टूरिज्म, ऐतिहासिक टूरिज्म और आध्यात्मिक टूरिज्म की संभावन-ाओं को विकसित करने का लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों जैसे बावड़ियों और किलों आदि का विकास राजस्थान के किलों के तरह ही निजी क्षेत्र की सहभागिता से लीज पर देकर विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। निजी क्षेत्र की कंपनियां इसमें रूचि भी दिखा रहीं हैं। यहां के किलों को कुछ इस तरह से विकसित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है कि देश के दूसरे हिस्सों और विशेषकर विदेशों से आने वाले लोग इन जगहों पर शादियां और बड़े बड़े आयोजन कर सकें और यहां आकर गौरवांवित महसूस कर सके। उन्होंने कहा कि इस बुंदेलखंड में 78 करोड़ रूपये की पर्यटन विकास सुविधाएं चलने का काम हो रहा है और सरकार इस क्षेत्र में निरंतर पर्यटन के विकास तथा उसकी मदद से इस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर पैदा करने के लिए प्रयास कर रही है।

प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि पर्यटन, आर्थिक विकास वह क्षेत्र है, जिसमें अनेक विधाओं से सम्पन्न व्यक्तियों का कल्याण निहित होता है।पर्यटन, शान्ति प्राप्त करने का प्रमुख घटक है, जिसके माध्यम से मनुष्य का मानसिक तनाव कम होता है। हमारे जीवन में प्रकृति और संस्कृति दोनो का समन्वित समावेश प्रमुख कारक है। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री एवं अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम सभागार परिसर में लगी पर्यटन विभाग की प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। श्री सिंह ने पर्यटन साहित्य का विमोचन किया गया।

प्रदेश की पर्यटन नीति-2024 के तहत उद्यमियों एवं टूर ऑपरेटरों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये तथा यूपीएसटीडी की प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही डिजिटल टूरिज्म के तहत चित्रकूट मोबाइल ऐप का लोर्कापण भी किया गया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये सोशल मडिया ब्लॉगर्स को प्रशस्रि पत्र, पर्यटन किट प्रदान करते हुए सम्मानित किया। इस दौरान विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया द्वारा भी पर्यटन किट प्रदान की गयी। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने गणमान्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महापौर बिहारी लाल आर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, विधायक सदर रवि शर्मा, विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत, सदस्य विधानसभा परिषद रमा निरंजन, डॉ.बाबू लाल तिवारी, उपाध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान हरगोविन्द कुशवाहा, पूर्व विधायक गंगाचरण राजपूत एवं जिलाध्यक्ष भाजपा नगर हेमंत परिहार उपस्थित रहे।

अखिलेश बताएं कि सत्ता में रहते हुए पीडीए का कितना भला किया: केशव

मिर्जापुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने शुक्रवार को कहा कि पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) की दुहाई देने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव को बताना चाहिये कि सत्ता में रहते हुए उन्होने समाज के इन वर्गो का कितना कल्याण किया।

जिले में मझवां विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर पैडापुर इंटर कालेज के मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि सपा दंगाइयों,गुंडों,अपराधियों और माफियाओं को संरक्षण देने वाली पार्टी है।

इनका काम गरीबों को लूटना, देश को लूटना है। परिवारवाद जातिवाद तुष्टिकरण ही इनकी संस्कृति है। उन्होंने बताया कि चुनाव में जहां जीत दर्ज की है। वहां अपराधियों के पांव बाहर हो गए हैं। उन्होंने कन्नौज, अयोध्या और कुशीनगर कांड की चर्चा करते हुए कहा कि कन्नौज में और अयोध्या में दुष्कर्म करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता हैं तो कुशीनगर में जाली नोट कांड में अपराधी का भी सम्बन्ध अखि-लेश यादव से है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे तो प्रधानमंत्री देश के होते हैं उनकी कोई जाति नहीं होती है मगर पिछड़ी जाति (ओबीसी) के नरेन्द्र मोदी के रहते आरक्षण को कोई छू भी नही सकता। समाप्त करना तो दिवा स्वप्न है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में संविधान समाप्त करने और आरक्षण समाप्त करने की बात करेंगे।उनकी बहलावे में आने की जरूरत नहीं है।

संपादकीय

विकास के झगड़े

पर्यटन के लिए जमीन तलाश रहा हिमाचल, 'विकास के झगड़ों' को मोल भी ले रहा है। जमीन की अमानत पर पहले ही वन विभाग का कब्जा है, जबकि अब उस सार्वजनिक भूमि पर न·गर है जो वन संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षम अधिनियम के अमल में लाने से पूर्व ही, विशेष उद्देश्य के लिए चिन्हित की गई थी। इस स्थिति में कुछ विभागों के उद्देश्य की लागत पर नए संस्थान बने हैं। एम्स बिलासपुर की नींव के नीचे पशुपालन विभाग की जमीन दबी है। इसी तरह कृषि विभाग के कई प्रदर्शनी खेत अब नई इमारतों की खेप में बदल रहे हैं। जमीन की जरूरतें बदल गईं और बदल गया विकास का तमाशा। यह इसलिए भी कि जब स्कूलों की छतों पर कालेज चढ़ गए या सियासी आधिपत्य से नए कार्यालय संवर गए, तो जमीन की लागत में मूल उद्देश्य कौड़ी के भाव बिक गया। पालमपुर में कृषि विश्वविद्यालय की जमीन जब व्यर्थ दिखाई दी, अनुसंधान अप्रासंगिक माना गया, तो एक भूखंड के मानिंद इसके टुकड़े-टुकड़े होते चले गए, लेकिन अदालती हस्तक्षेप ने विकास के काफिले को 'पर्यटन गांव' में बसने नहीं दिया। माननीय उच्च न्यायालय ने कृषि विश्वविद्यालय की 112 हेक्टेयर भूमि को पर्यटन के नाम करने की कोशिश को उपयुक्त या सही नहीं ठहराया। जाहिर तौर पर इस फैसले के कई आयाम हैं और अगर इसी की रोशनी में भू-आबंटन की शर्तें फिर से लिखी जाएं, तो पहले से आबंटित कई विभागों की जमीन मूल उद्देश्य के लिए बच जाएगी। असली मसला सार्वजनिक जमीन की उपलब्धता का है और जहां अपना खम ठोंक कर वन विभाग खड़ा है। हिमाचल को अपने आर्थिक व आत्मनिर्भरता के लक्ष्य पूरे करने हैं, तो जमीन की उपलब्धता बढ़ानी होगी। पालमपुर में ही पर्यटन गांव के लिए 112 हेक्टेयर जमीन अगर एकमुश्त चाहिए, तो इसे हासिल करने के लिए जंगल के पेड़ हिलाने पड़ेंगे। मलां से बैजनाथ के बीच ऐसे कई समतल टीले व प्राकृतिक दृश्यावलियां हैं, जहां टूरिस्ट विलेज का अवतार जन्म ले सकता है, लेकिन हर जगह वन विभाग की चोंच लड़ी हुई है। हमारे संकल्प और विकास की जरूरतों के लिए या तो लैंड बैंक बनाने की निरंतर प्रक्रिया व वन भूमि के इस्तेमाल की माकूल अनापत्तियां हासिल होनी चाहिएं या सरकारों को अपनी क्षमता से प्रयास करने चाहिएं। निजी जमीनों की पूलिंग, बंजर बन गए चाय बागीचों के अधिग्रहण, सार्वजनिक भूमि की फिजूलखर्ची पर अंकुश लगा कर, अतिक्रमित भूमि को हासिल करके तथा नालों का चैनलाइजेशन करके अतिरिक्त भूमि का सृजन करना चाहिए। प्रदेश को ऊना जैसे जिला में एक बड़ा उपग्रह नगर बसा कर हिमाचल के आवासीय दबाव को कम करना होगा। पहाड़ी राज्यों को भूस्खलन, बाढ़ तथा भारी बरसात से बचाने या पर्यावरण की घंटियां बजाने के नाम पर सत्तर फीसदी जमीन जंगल के तहत कर देने से आर्थिक विकास की संभावना क्षीण हो रही है। पंजाब-हरियाणा अगर पांच प्रतिशत से कम जंगल उगाकर 95 फीसदी जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो हिमाचल को वर्तमान में तीस फीसदी के बजाय पचास प्रतिशत भूमि तक गैर वन भूमि का आबंटन होना चाहिए। इस तरह मिलने वाली अतिरिक्त बीस फीसदी जमीन पर पर्यटक गांव ही नहीं, नए शहर, औद्योगिक बस्तियां, ट्रांसपोर्ट नगर, निवेश केंद्र तथा भविष्य के रोजगार के समाधान मिल जाएंगे, वरना विकास की जरूरतों का न तो ठोस समाधान मिलेगा और न ही समन्वित-संतुलित विकास हो पाएगा।

जमीन की अमानत पर पहले ही वन विभाग का कब्जा है, जबकि अब उस सार्वजनिक भूमि पर न·गर है जो वन संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षम अधिनियम के अमल में लाने से पूर्व ही, विशेष उद्देश्य के लिए चिन्हित की गई थी। इस स्थिति में कुछ विभागों के उद्देश्य की लागत पर नए संस्थान बने हैं। एम्स बिलासपुर की नींव के नीचे पशुपालन विभाग की जमीन दबी है। इसी तरह कृषि विभाग के कई प्रदर्शनी खेत अब नई इमारतों की खेप में बदल रहे हैं। जमीन की जरूरतें बदल गईं और बदल गया विकास का तमाशा। यह इसलिए भी कि जब स्कूलों की छतों पर कालेज चढ़ गए या सियासी आधिपत्य से नए कार्यालय संवर गए, तो जमीन की लागत में मूल उद्देश्य कौड़ी के भाव बिक गया। पालमपुर में कृषि विश्वविद्यालय की जमीन जब व्यर्थ दिखाई दी, अनुसंधान अप्रासंगिक माना गया, तो एक भूखंड के मानिंद इसके टुकड़े-टुकड़े होते चले गए, लेकिन अदालती हस्तक्षेप ने विकास के काफिले को 'पर्यटन गांव' में बसने नहीं दिया। माननीय उच्च न्यायालय ने कृषि विश्वविद्यालय की 112 हेक्टेयर भूमि को पर्यटन के नाम करने की कोशिश को उपयुक्त या सही नहीं ठहराया।

"एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

प्रहलाद सबनानी

वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है।

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इनस्टिटयूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। "एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है। उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर "क्वाड" के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के

चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है।

दृष्टि कोण

कश्मीर में चुनाव और सैयदों-शेखों की चिंता

जम्मू कश्मीर में दस साल बाद वहां की विधानसभा के लिए हो रहे चुनावों में दूसरे चरण का मतदान भी समाप्त हो गया है। विधानसभा के लिए हो रहे चुनावों से कुछ महीने पहले ही लोकसभा के चुनावों में ही जम्मू कश्मीर में हुए परिवर्तन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। कश्मीर संभाग से पूर्व मुख्यमंत्री पीडीपी की सैयदा महबूबा मुफ्ती और एनसी के उमर अब्दुल्ला दोनों ही बुरी तरह पराजित हुए। बारामूला में उमर अब्दुल्ला को जिस शख्स ने हराया वह जेल में बंद था। एक जमाना था जब अब्दुल्ला परिवार और सैयद परिवार कश्मीर को अपनी मु_ी में समझ कर चलता था। धीरे-धीरे जब कश्मीर के अवाम ने इन दोनों परिवारों की मु_ी में दम घुटता देख कर वहां से बाहर निकलने की कोशिश की तो कश्मीर में एक नया प्रयोग हुआ। मु_ी खोल कर अवाम को तो खुला छोड़ दो, लेकिन इसको मतदान केन्द्र तक न आने दो, इसी रणनीति के तहत चुनाव के बायकॉट के इवेंट मैनेजमैंट किए जाते थे। कश्मीर में एक जुमला चल पड़ा था कि देश के बाकी हिस्सों में प्रत्याशी इसलिए पैसा खर्चते हैं ताकि मतदाता को मतदान केन्द्र तक लाया जा सके, लेकिन कश्मीर में राजनीतिक दल इसलिए पैसा लुटाते हैं कि किसी भी तरह मतदाताओं को चुनाव केन्द्र तक आने से रोका जा सके। जो पैसा चुनाव प्रचार में लगना चाहिए था, वह आतंकवादियों को दे दिया जाता था। आतंकवादी चुनाव के बायकॉट की मुनादी करवा देते थे। भय पैदा करने के लिए पांच-छह लोगों को यमपुरी पहुंचा भी देते थे। बायकॉट के उस मौसम में कुछ चुनींदे मतदाताओं की कुछ हजार या सौ वोटों को लेकर ही कुछ चुनींदे लोग विधानसभा और लोकसभा में पहुंच कर स्वयं को सभी कश्मीरियों का प्रतिनिधि बता कर अजीब अजीब आवाजें निकालते थे। लेकिन अब वे दिन हवा हुए जब खलील खां फाख्ता उड़ाया करते थे। इसकी शुरुआत तो जम्मू कश्मीर में दशकों से अटके स्थानीय निकायों के चुनावों से ही हो गई थी जब इन दोनों परिवारों की इजारेदारी को तोड़ कर गांव गांव से युवा पीढ़ी का नया नेतृत्व आकार ग्रहण

करने लगा था। लोकसभा के चुनावों में तो फाख्ताओं ने खलील खांओं को ही हवा में उड़ा दिया। उसका असर इतना गहरा हुआ कि महबूबा मुफ्ती तो विधानसभा चुनाव से पहले ही चुनाव के मैदान से बाहर हो गईं। उमर अब्दुल्ला गांदरबल में अपनी टोपी उतार कर मतदाताओं के सामने गिड़गिड़ाने लगे कि अब्दुल्ला परिवार की इज्जत का सवाल है। लेकिन लोगों के मनोविज्ञान को भांपते हुए बडगाम से भी पेपर दाखिल कर आए। यदि गांदरबल ने संकट की इस घड़ी में सहारा न दिया तो शायद बडगाम वाले रक्षा करें। अब्दुल्ला परिवार को ये दिन भी देखने थे। लेकिन ये हालात बदले कैसे? अनुच्छेद 370 हटने के कारण, कांग्रेस व अब्दुल्ला परिवार द्वारा अपने भविष्य को देखते हुए जम्मू कश्मीर की घेराबंदी समाप्त हो गई। केन्द्र सरकार की नीति बदलने के कारण आतंकवादियों को मिल रहा राजनीतिक संरक्षण समाप्त हो गया। आम मतदाता को लगा कि वह भी अब बिना डर के मतदान कर सकता है और अपनी इच्छा के प्रत्याशी को चुन सकता है। आतंकवादी भी समझ गए कि वे अलगाववाद के नाम पर देश-विदेश से करोड़ों रुपए एकत्रित करके जो आलीशान जिंदगी जी रहे थे, अब उस पैसे का सरकार हिसाब मांग रही है और जब हिसाब मिल नहीं पाता तो बंदूक के बल पर बनाई सम्पत्ति को सरकार जब्त कर रही है। इसलिए आतंकवाद की आड़ में रातों रात करोड़पति बनने का शार्टकट अब न तो लाभकारी रहा है और न ही बिना खतरे वाला। इसलिए लोग बहुत बड़ी संख्या में मतदान केन्द्र पर पहुंचने के रास्ते को परखने के लिए निकले। अब्दुल्ला परिवार और सैयद परिवार दोनों समझते हैं कि लोगों के मतदान केन्द्र पर पहुंचने का अर्थ है, इन दोनों परिवारों का भविष्य खतरे में। इसलिए ये परिवार दूसरे चरण में बडगाम जिला में हुए 61.35 प्रतिशत और गांदरबल जिला में हुए 62.63 प्रतिशत मतदान से चिंतित हैं। कुल मिला कर जम्मू कश्मीर में, खासकर राजौरी, पुंछ जिला में हुए भारी मतदान से सैयद और शेख चिंतित हैं। उमर अब्दुल्ला की परेशानी साफ दिखाई दे रही है। उसे लगता है कि यदि जम्मू एकजुट हो गया और कश्मीरियों ने सैयदों और शेखों को नकार कर आम देसी कश्मीरियों को, जिनके नाम के आगे नहीं बल्कि नाम के पीछे शेख लगा हुआ है, चुन लिया तो सत्तर साल से जमा हुआ आसन हिल जाएगा। यही कारण है कि उमर अब्दुल्ला, राहुल गांधी को सख्ती से बता रहे हैं कि कश्मीर घाटी में आकर चुनाव प्रचार में वक्त बर्बाद करने की जरूरत नहीं है। यहां आपके लिए कुछ नहीं रखा। जम्मू में जाकर पूरा जोर लगाओ। यदि वहां जम्मू वालों में फूट डलवा सके तो हमारे हाथों में सत्ता आने की सम्भावना हो सकती है और उसमें आपको भी कुछ न कुछ हिस्सा मिल ही सकता है।

कुछ अलग

गंगाधर जी मौन हो गए...

गंगाधर जी का आने का मतलब किसी राष्ट्रीय या स्थानीय समस्या से परेशान होकर उस पर अपनी ओर से पूरा प्रकाश डालना और इसके बाद चाय पीकर रफूचक्कर हो जाना। कल भी वे गंभीर मुद्रा में मेरे यहां आए और बोले-'शर्मा, तुम्हें याद होगा मैं पिछली बार आया तब तुम से क्या कहा था? अच्छी तरह याद करके बताओ।' मैं हक्का-बक्का रह गया कि गंगाधर जी ने क्या कहा था। वे आते हैं तो कुछ न कुछ कहते ही रहते हैं। मैं अचकचाकर बोला-'निश्चित रूप से आपने कोई अच्छी ही बात कही होगी।' गंगाधर जी बोले-'अरे भले आदमी भूल गए। मैंने कहा था पुलिस का भरोसा उठ गया है और जनता जान गई है कि पुलिस पैसा खाती है। अभी परसों ही पुलिस का एक आला अधिकारी रिश्वत के मामले में पकड़ा गया है। सभी थानों से उगाही करवाता था तथा पैसा इक_ा करता था। बदले में अपने अधीनस्थ थानों को मनमानी करने की छूट देता था। अब बताओ पुलिस जा-बेजा में क्या तो फर्क करेगी और उससे न्याय की आशा कितनी की जा सकती है। तुम्हें यह भी याद होगा कि तुने मेरी इस बात पर यह कहा था कि पुलिस रिश्वत नहीं खाती तथा जनता को सुरक्षा प्रदान करती है। अब तुम्हारा क्या कहना है?' मैं बगलें झांकने लगा, शर्मिंदा सा बोला-'गंगाधर जी मैं अपने शब्द वापस लेता हूं तथा आपकी बात से सहमति व्यक्त करता हूं। एसपी स्तर का अधिकारी थानों से उगाही करवाता था और घर भरता था। थाने पैसा कहां से लाएंगे, वे पीड़ित जनता से लूटेंगे। इस देश का तो सर बंटाढार हो गया। जिसको न्योतो वही तेल लेने चला जाता है।' 'भाई शर्मा, अन्ना यों ही नहीं चिल्ला रहा था। उसकी भ्रष्टाचार मिटाने की रट सही है। जब तक भ्रष्टाचार नहीं मिटेगा तब तक आम आदमी को सुख नहीं मिल सकता। यार शर्मा, हद ही हो गई साला नौकरशाह देख लो, पुलिस देख लो, नेता-मंत्री देख लो, सब लूटने में लगे हैं देश को।' गंगाधर जी बोले तो मैंने कहा-'इस देश का क्या होगा सर? मेरी समझ में तो कुछ भी नहीं आ रहा।' वे बोले-'होगा क्या, गरीब भूखों मरेगा तथा चंद लोग मौज मारेंगे। ये सरकारें जो नयी-नयी योजनाएं जनहित के लिए बना रही हैं, सब दिखावा भर है। सब हड़पने की कलाबाजियां हैं। पुलिस का चेहरा देख ही लिया। रक्षक ही भक्षक बन गए हैं। यह मजाक में टालने वाली बात नहीं है। बड़ी गंभीर बात है। नौकरशाही की अंधेरगर्दी देखो, ऐसे भ्रष्टाचारी को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित करने की संस्तुति और की जा रही थी। यह गणतंत्र को नीचा दिखाने का खेल और मजाक कब तक चलेगा?' गंगाधर जी ने ऐसा सवाल धर दिया कि मेरी बोलती बंद थी। दरअसल अपने दफ्तर में काम कराने की छोटी-मोटी रिश्वत मैं भी खाता हूं। इसलिए खामोश रहा। तभी पत्नी ने समझदारी से काम लिया और वह दो कप चाय के ले आई। चाय आते ही मैंने कहा -'आप तो चाय लीजिये सर। इस देश का तो कूंडा हो गया। हर आदमी मूंडने लगा है।' मैंने पत्नी को देखकर कहा-'चाय में अदरक डाली या नहीं, और ऐसा करो थोड़ी चाय के साथ नमकीन ले आओ आलू वाली, गंगाधर जी उसके शौकीन हैं।' गंगाधर जी बोले-'बात तो सही की शर्मा। आलू वाली का जवाब नहीं। थोड़ी महंगी जरूर है, लेकिन स्वाद के क्या कहने?' गंगाधर जी को मैंने जो चाय-नाश्ते की रिश्वत खिलाई, वे उसमें मशगूल हो गए। सारा देशप्रेम पल भर में हवा हो गया। भ्रष्टाचार की बातें पता नहीं कहां गईं? अन्ना के आदर्श उड़ गए। पुलिस के नंगे नाच पर भी उनका प्रवचन बंद हो गया। मैंने राहत की सांस ली। गंगाधर जी मसाला साफ कर रवाना हो गए।

देश दुनिया से

करो योग, रहो निरोग

प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहर तो शहर, ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास तो हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। हमारा पैदल चलना अब बहुत कम हो गया है। रक्त वाहन करने वाली शिराओं के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उन्हें ठीक रख सके। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख-सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। लोगों का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार-बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है।

आज भागती दौड़ती दिनचर्या में समय का बहुत अभाव है। ऐसे में हमारे शरीर की फिटनेस के लिए योग जैसा कार्यक्रम चाहिए जो कम समय में बिना कोई धन खर्च किए आसानी से उपलब्ध हो। प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहर तो शहर, ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास तो हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। हमारा पैदल चलना अब बहुत कम हो गया है। रक्त वाहन करने वाली शिराओं के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उन्हें ठीक रख सके। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख-सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। लोगों का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार-बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं, उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कर्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो, उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप, इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि को भी इसी में शामिल किया जाता है।

आप का नजरिया

इस्लाम-यहूदी जंग के मायने

लेबनान और इजरायल के बीच जो युद्ध जारी है, वह सिर्फ इस्लामी अतिवाद और बहुसंख्यक आबादी के लिए है। लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हूती, गाजा में हमास के अवशेष, सीरिया और इराक के आतंकवादी और उनके संरक्षक के तौर पर ईरान इस युद्ध में मौजूद हैं। बेशक लड़ाई इजरायल और हिजबुल्लाह तथा हमास के बीच लगती है, लेकिन ये सभी देश यहूदी देश के तौर पर इजरायल का अस्तित्व ही मिटा देना चाहते हैं। यह इजरायल की रणनीति और खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के मद्देनजर फिलहाल संभव नहीं लगता। इजरायल के साथ अमरीका और कुछ यूरोपीय देशों का समर्थन भी है, हथियारों की आपूर्ति भी है और इजरायल की अपनी मोर्चेबंदी भी है। यह लड़ाई पश्चिम एशिया अथवा इन देशों तक ही सीमित रहने वाली नहीं है। लेबनान की छवि कभी आतंकी देश वाली नहीं थी और न ही हिजबुल्लाह की निरंकुश हुकूमत थी। लेबनान को मध्य-पूर्व का 'स्विट्जरलैंड' मानते थे और राजधानी बेरुत को 'पेरिस' कहा जाता था। 1943 में वहां करीब 55 फीसदी आबादी ईसाइयों की थी। फ्रांस ने लेबनान को आजाद किया, तो वहां होटल, क्लब, नाइट लाइफ, बीच और फैशन आदि पाश्चात्य संस्कृति के प्रतीक थे। दुनिया के बड़े अमीरजादे वहां घूमने और खुद को शांत करने आते थे। लेबनान सैलानियों का गढ़ था, लेकिन 1975 तक आते-आते वहां गृहयुद्ध छिडऩे लगे। ईसाई अल्पसंख्यक होते गए। सुन्नी और शिया बहुसंख्यक हो गए। ईरान शिया देशों का एक गठजोड़ बनाकर अपनी ताकत को एकीकृत करना चाहता था। उस गठजोड़ में इराक, सीरिया, लेबनान आदि देश भी शामिल किए गए। अंततः उसी दौर में हिजबुल्लाह का उदय हुआ। उसका परोक्ष संचालक ईरान है। ईरान ही उसे हथियार और पैसा मुहैया कराता रहा है। हिजबुल्लाह के बड़े कमांडर ईरान में ही मौजूद हैं। इजरायल ने ईरान में ही हमास के मुखिया को विस्फोट में मार दिया था। ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और हथियारों को 'कवर' देने में भी आतंकियों की मदद ली है। आज इजरायल के हवाई हमलों और उससे पहले पेजर, वॉकी-टॉकी धमाकों के बाद लेबनान में कई जगह मातम का सन्नाटा है। सिर्फ आग की लपटें या खंडहर दिखाई दे रहे हैं। लोग विस्थापित हो रहे हैं, क्योंकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने उन्हें घर, शहर छोड़ कर सुरक्षित जगहों पर चले जाने की चेतावनी दी थी। ताजा हमलों में करीब 600 मौतें हो चुकी हैं और 2000 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। इजरायल ने हिजबुल्लाह के 6000 से अधिक ठिकाने तबाह कर दिए हैं। करीब 25 शीर्ष कमांडरों की हत्या की जा चुकी है। जिन लॉन्चिंग पैड से मिसाइल, रॉकेट दागे जाने थे, उनमें से ज्यादातर को 'मिट्टी' और 'मलबा' बना दिया गया है। हिजबुल्लाह ने खुद कबूल किया है कि उसके 1600 से अधिक लड़ाके पेजर, वॉकी-टॉकी धमाकों में इतने घायल हो चुके हैं कि वे अब युद्ध लडऩे लायक नहीं हैं। किसी की आंखों की रोशनी चली गई, तो किसी के हाथ ही अपाहिज हो गए।

व्हाइट हाउस इजराइल के रुख से निराश, नेतन्याहू ने न्यूयॉर्क में कहा-हिजबुल्लाह के खिलाफ हमला जारी रहेगा

वाशिंगटन, 27 सितंबर (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस ने लेबनान में युद्धविराम की अपील पर इजराइल के रुख से निराशा जताई है। इस बीच लेबनान में ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइल के हवाई हमले जारी हैं। इन हमलों में मारे गए लोगों की संख्या 700 पार कर गई है। इजराइली अधिकारियों ने युद्ध विराम प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कल संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे।

लेबनान में मृतक संख्या 700 पार, आईडीएफ के लड़ाकू विमान गिरा रहे बम

उन्होंने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया कि वे नए युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए इच्छुक हैं। नेतन्याहू ने न्यूयॉर्क पहुंचने पर जारी एक बयान में कहा, हम अपनी पूरी ताकत से हिजबुल्लाह पर हमला करना जारी रखेंगे ।यह नीति है। उल्लेखनीय है कि नेतन्याहू के न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही उनकी सरकार के कई प्रमुख सदस्यों ने पहले ही युद्धविराम के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसे कल अमेरिका, उसके यूरोपीय सहयोगियों और कई अरब देशों ने आगे बढ़ाया था। हिजबुल्लाह ने इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इजराइल के युद्धविराम प्रस्ताव को खारिज करने पर व्हाइट हाउस ने गहरी निराशा जताई है। इजराइल की सेना ने बेरूत में हमला कर हिजबुल्लाह की ड्रोन इकाई के कमांडर को निशाना बनाया है। इसके अलावा इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा में अस्थायी आश्रय के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे एक स्कूल परिसर पर बमबारी की है। इस परिसर में हमास कमांड-ऐंड-कंट्रोल सेंटर है। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने कहा कि इस बमबारी में महिलाओं और बच्चों सहित 15 लोग मारे गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान लेबनान में इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 92 लोग मारे गए और 153 अन्य घायल हो गए। सोमवार से अब तक 700 से अधिक लोग हताहत हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

न्यूयॉर्क के मेयर एडम्स के आधिकारिक आवास की तलाशी के बाद अभियोग सार्वजनिक

न्यूयॉर्क। आबादी के लिहाज से अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स के सरकारी आवास की तलाशी के बाद उन पर लगाए गए संघीय अभियोग को कल सार्वजनिक कर दिया गया। उन पर रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और अवैध रूस से विदेशी चंदा मांगने और स्वीकार करने के आरोप लगाए गए हैं। वह शहर के पहले मौजूदा मेयर हैं जिन पर संघीय अपराध का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व पुलिस अधिकारी और डेमोक्रेट एडम्स ने कहा कि वह निर्दोष हैं और वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। मेयर के आधिकारिक आवास की तलाशी के बाद कल सुबह उनके खिलाफ अभियोग को सार्वजनिक कर दिया गया। एडम्स को अब अपने बचाव में दलील देने के लिए संघीय अधिकारियों के सामने पेश होना होगा। उनके खिलाफ 2021 में जांच शुरू हुई थी। जांच इस बात पर केंद्रित थी कि क्या एडम्स ने तुर्किये सरकार के लिए काम किया और उसके बदले चंदा लिया। अभियोग के अनुसार एडम्स ने 2014 से अनुचित लाभ लिया। मैनहट्टन में अमेरिकी अटॉर्नी ने कहा कि एडम्स ने 100,000 डॉलर से अधिक रिश्वत ली।

दो मिलियन फिलीस्तीनी नागरिकों का जीवन नारकीयः गुटेरेस

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि फिलीस्तीन में दो मिलियन नागरिकों का जीवन संकट में है। हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं। गुटेरेस ने इस पर गंभीर चिंता जताई है। एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पर कहा है, दो मिलियन फिलिस्तीनी जीवित नरक में हैं। उनका जीवन दिन-प्रतिदिन बदतर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी के कार्यकर्ता इन विनाशकारी परिस्थितियों का सामना करते हुए वहां के लोगों की मदद कर रहे हैं। यह समय सभी मोर्चों पर तेजी से काम करने का है।

श्रीलंका में सूचना विभाग के महानिदेशक करुणारत्ने का इस्तीफा

कोलंबो। श्रीलंका में सूचना विभाग के महानिदेशक दीनिथ चिंताका करुणारत्ने ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा मास मीडिया मंत्री विजिता हेराथ को सौंपा। जानकारी गई है। इससे पहले 21 सितंबर को अनुरा कुमारा दिसानायके के नए राष्ट्रपति चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

कोशी बराज से बस नदी में गिरी, सभी 20 यात्री सकुशल

काठमांडू। नेपाल भारत की सीमा पर रहे कोशी बराज से कोशी नदी में एक यात्री वाहक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बावजूद उसमें सवार सभी यात्रियों को बचा लिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस नदी के बालू जमे हिस्से पर गिरने से किसी तरह के जान माल का नुकसान नहीं हो पाया । सप्तरी के एसपी विपीन रेग्मी ने बताया कि बराज के गेट नंबर 35 के दक्षिण तरफ की दीवार तोड़ कर नदी में गिरी नरसिंह डिलक्स सेवा की बस नंबर को.1.ख. 4601 बस में सवार सभी यात्रियों को बचा लिया गया। उनके मुताबिक, बस में ड्राइवर, सह-चालक और यात्रियों समेत 20 लोग सवार थे। एसपी रेग्मी ने बताया कि बस में से बचाए गए 20 में से 17 घायलों का इलाज कोशी हेल्थ केयर अस्पताल, सुनसरी में किया जा रहा है, जबकि 3 का इलाज भारदह अस्पताल में किया जा रहा है। ड्राइवर और अन्य यात्रियों से पूछताछ करने पर पता चला है कि दुर्घटनाग्रस्त बस में केवल 20 लोग सवार थे। एसपी रेग्मी ने बताया कि बस चालक और यात्रियों के बयान के बावजूद वहां पर खोजी कार्य किया जा रहा है। पुलिस एसपी के मुताबिक बस के चालक 35 वर्षीय चंदन कुमार मेहता इस समय भारदह पुलिस चौकी में नियंत्रण में रखा गया है।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी की नजर बड़े चुनावी गठबंधन पर

ढाका, 27 सितंबर (एजेंसियां)। देश में अवामी लीग की नेता शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी ने समान विचारधारा वाले दलों से आगामी संसदीय चुनाव के लिए गठबंधन पर बातचीत शुरू कर दी है। जमात-ए-इस्लामी इससे पहले बांग्लादेश नेशनल पार्टी की नेता खालिदा जिया से हाथ मिलाकर सत्ता का सुख भोग चुकी है। उसने राजनीतिक नफा-नुकसान का आकलन करने के बाद खालिदा की पार्टी से तीन दशक से भी ज्यादा पुराना नाता तोड़ लिया है।

जमात पर युद्ध अपराध का दाग - पांच अगस्त को अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना के देश छोड़ने के बाद क्षेत्रीय दल भी गठबंधन में शामिल होने के लिए बेचैन हैं। वैसे भी बांग्लादेश नेशनल पार्टी अगला आम चुनाव अकेले लड़ने पर विचार कर रही है। इसलिए अब जमात-ए-इस्लामी की कोशिश इन दलों को एक छतरी के नीचे लाने की है। उल्लेखनीय है कि जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के दौरान युद्ध अपराध के लगे दाग को अब मिटा नहीं सकी है।

एकता की कोशिश - 18 अगस्त को जमात-ए-इस्लामी ने राजधानी ढाका के मोघबाजार के अल-फलाह सभागार में सभी सभी समान विचारधारा वाले इस्लामवादी दलों को आमंत्रित किया। जमात के नेता अमीर शफीकुर रहमान ने पार्टी प्रमुखों से एक मंच से चुनाव में हिस्सा लेने का आह्वान किया। बैठक में खिलाफत आंदोलन, जोमियत-ए-उलमाये इस्लाम, इस्लामी ओइक्या जोत, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, नेजाम-ए-इस्लामी, बांग्लादेश खिलाफत मजलिस के शीर्ष नेता मौजूद रहे। बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन के नायब-ए-अमीर अबुल कासिम काशमी ने बताया कि जमात के अमीर ने कहा कि पार्टियों का एक वोट बैंक होना चाहिए। इस संबंध में जमात-ए-इस्लामी के सहायक महासचिव हमीदुर रहमान आजाद का कहना है कि चुनाव अभी दूर है, इस वजह से चुनावी गठबंधन पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। जब चुनाव आएंगे तब समान विचारधारा वाली इस्लामी पार्टियों के साथ बड़ी एकता बनाने पर विचार किया जाएगा। फिलहाल इन दलों से देश के व्यापक हित के लिए संवाद किया जा रहा है।

इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश का रुख महत्वपूर्ण - जमात-ए-इस्लामी की कोशिश के बीच 21 सितंबर को बांग्लादेश के सबसे बड़े कौमी मदरसा शिक्षा बोर्ड बेफाक के अध्यक्ष महमूदुल हसन ने भी कुछ ऐसे ही प्रयास शुरू किए हैं। उन्होंने जतराबारी मदरसा में बैठक हुई। बैठक में हिस्सा लेने वाले बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन के नायब-ए-अमीर अबुल कासिम काशमी ने बताया कि इस दौरान विभिन्न इस्लामी दलों के नेताओं ने आम चुनाव से पहले एक मंच पर आने के बारे में चर्चा की। इस प्रक्रिया की शुरुआत हो चुकी है। गठबंधन के मसौदे को अंतिम रूप दिया जाना है। कहा जा रहा है कि इस गठबंधन का दारोमदार इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के रुख पर निर्भर करेगा। इस दल को 2008 और 2018 के चुनाव में कुल मतों का 1 प्रतिशत से अधिक प्राप्त हुआ है। इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के नेता चाहेंगे कि गठबंधन का वह मुखिया हो।

गोनो ओधिकार परिषद भी मैदान में - आगामी चुनाव में ढाका विश्वविद्यालय केंद्रीय छात्रसंघ (डुक्सू) के पूर्व उपाध्यक्ष नूरुल हक नूर की गोनो ओधिकार परिषद भी मैदान में होगी। चुनाव आयोग में दो सितंबर को उसका पंजीकरण हो गया है। गोनो के महासचिव रशीद खान ने कहा कि कुछ छोटी पार्टियां हमारे चुनाव चिह्न के साथ चुनाव में हिस्सा लेने के लिए बातचीत कर रही हैं। रेजा किब्रिया के नेतृत्व में पार्टी का दूसरा गुट ने भी दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाया है। पार्टी के पूर्ववर्ती मुस्तफा मोहसिन मोंटू के नेतृत्व वाले गुट की शीर्ष नेता शुभ्रता चौधरी ने कहा कि दिसंबर 2021 में दो हिस्सों में विभाजित गोनोफोरम इस साल अगस्त में डॉ. कमाल हुसैन के नेतृत्व में फिर से एकजुट हो गया है। खिलाफत मजलिश के संयुक्त महासचिव अताउल्लाह अमीन ने कहा है कि जोमियत-ए-उलमाये इस्लाम, बांग्लादेश खिलाफत मजलिश, खिलाफत मजलिश और नेजाम-ए-इस्लाम समेत छोटी इस्लामी पार्टियां एक मंच पर आने के लिए सहमत हो गई हैं। इस्लामी ओइक्या जोते, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश और जमात समेत और भी इस्लामी पार्टियों को साथ लाने की प्रक्रिया चल रही है। हिफाजत-ए इस्लाम के संयुक्त महासचिव मोहिउद्दीन रब्बानी ने कहा कि उनकी पार्टी इस्लामी पार्टियों के सबसे बड़े गठबंधन को अपना समर्थन देगी। उल्लेखनीय है कि भारत विभाजन से पहले 1941 में बनी जमात-ए-इस्लामी के संस्थापक सैयद अबुल अला मौदूदी थे। विभाजन के बाद वह पाकिस्तान चले गए। पार्टी के पूर्वी धड़े से बांग्लादेश जमात ए-इस्लामी का जन्म हुआ।

बांग्लादेश के पुनर्निर्माण में अमेरिका करेगा मदद, यूनुस से मुलाकात में ब्लिंकन का वादा

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने बांग्लादेश के पुनर्निर्माण में मदद का वादा करते हुए उसकी नई यात्रा में अच्छा साझेदार बनने की इच्छा व्यक्त की है। अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन ने गुरुवार को कहा कि वाशिंगटन बांग्लादेश के पुनर्निर्माण में मदद के लिए उसके साथ मिलकर काम करेगा।

तेजी से काम करने का संकल्प

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, ब्लिंकन ने न्यूयॉर्क के एक होटल में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के साथ बैठक में कहा, हम अच्छे साझेदार बनना चाहते हैं। हम बांग्लादेश के लिए तेजी से काम करेंगे। अमेरिका के विदेशमंत्री ने कहा कि अमेरिका में प्रोफेसर यूनुस के लिए बहुत सम्मान है। वह इस बात की प्रशंसा करते हैं कि उन्होंने महत्वपूर्ण समय में देश का नेतृत्व संभाला।

विश्व बैंक से मदद की दरकार

इस पर यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार को देश का पुनर्निर्माण करना है। यह विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मदद के बिना संभव नहीं है। दोनों नेताओं के बीच अंतरिम सरकार के सुधारों, भ्रष्टाचार विरोधी उपायों, विदेशों में जमा बांग्लादेश के लोगों के काला धन की वापसी, श्रम, व्यापार, आर्थिक और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। यूनुस ने कहा कि भ्रष्टाचार से लड़ना और कानून व्यवस्था में सुधार करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछली सरकार के दौरान देश भ्रष्टाचार के सागर में डूब गया था। इससे लड़ना पहला मुद्दा है। इस पर ब्लिंकन ने अमेरिकी सरकार के समर्थन की पेशकश की।

अभिव्यक्ति की स्वंत्रतता पर चर्चा

ब्लिंकन ने कहा कि बांग्लादेश में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा स्रोत अमेरिका है और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में इसमें वृद्धि होगी। उन्होंने जुलाई-अगस्त के विद्रोह के दौरान अत्याचारों की जांच करने वाले संयुक्त राष्ट्र तथ्य-खोज मिशन और मीडिया की स्वतंत्रता पर भी चर्चा की।

पाकिस्तान के पुलिस थाने में विस्फोट बच्चे की गई जान, 31 जख्मी

इस्लामाबाद, 27 सितंबर ।

पाकिस्तान के सबसे अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के स्वाबी पुलिस स्टेशन में गुरुवार रात हुए विस्फोट में एक बच्चे की मौत हो गई और 31 लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। स्वाबी थाना पेशावर से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

खबर में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि यह विस्फोट थाने के एक कमरे में शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ। इस कमरे में हथियार और रिकार्ड रखा हुआ था। स्वाबी जिला अस्पताल के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि एक बच्चे को मृत अवस्था में लाया गया। 26 घायलों को यहां भर्ती किया गया। बाकी गंभीर रूप से घायल पांच अन्य को बाचा खान मेडिकल कॉम्प्लेक्स स्थानांतरित कर दिया गया।

यह विस्फोट स्वाबी जिले के सिटी पुलिस स्टेशन की दूसरी मंजिल पर हुआ। विस्फोट से इमारत को नुकसान पहुंचा है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि यह लापरवाही का मामला है। मर्दन क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी (आरपीओ) नजीबुर रहमान ने कहा है कि यह विस्फोट पुलिस स्टेशन के गोदाम में रखी विस्फोटक सामग्री के कारण हुआ। बम निरोधक कर्मी घटना की जांच कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने राज्य पुलिस मुख्यालय से विस्फोट की रिपोर्ट तलब की है।

सरकार या उसकी एजेंसियों से दूर रहें पीटीआई के नेता : इमरान खान

इस्लामाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने पार्टी नेताओं को सरकार और सेना के साथ बातचीत के प्रयासों से बचने का निर्देश देते हुए कहा है कि इस तरह की किसी भी चर्चा से केवल उनके दुश्मन मजबूत होंगे। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी है।अदियला जेल में लगभग एक वर्ष से बंद श्री खान ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून से बातचीत के दौरान कहा कि सरकार और सैन्य एजेंसियों के साथ बातचीत करने से कोई लाभ नहीं होगा।उन्होंने कहा, जितना हम पीछे हटेंगे, उतना ही वे हमें कुचलेंगे। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान की सरकारी संस्थाओं, सैन्य एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों की आधिकारिक नीति नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, यह तीसरे अंपायर की नीति है। श्री खान का यह राजनीतिक और सामाजिक संदर्भ में एक व्यंग्य है कि निर्णय लेने वाली शक्ति वास्तव में सरकार या संस्था के पास नहीं है, बल्कि किसी अन्य शक्तिशाली तत्व या समूह के पास है, जो निर्णय लेता है और सरकार को निर्देश देता है। श्री खान ने कई मौकों पर देश की सत्ता के साथ अपने मतभेदों को व्यक्त किया है और अपने लोगों को सरकार और सैन्य एजेंसियों के साथ

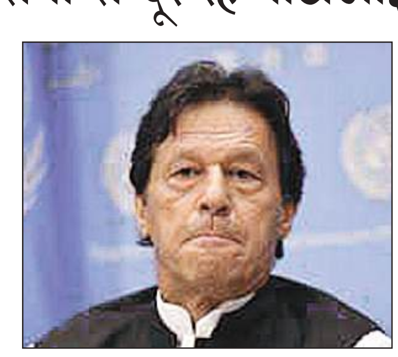

बातचीत करने से दूर रहने की सलाह दी है।

श्री खान ने जेल के अपने अनुभव को याद करते हुए कि हुए इस विचार को खारिज कर दिया कि वह दबाव में टूट जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (सरकार) लगता था कि मैं अकेले नहीं रह सकता और मैं टूट जाऊंगा। मैं हर दिन 21-22 घंटे अकेला रहता हूं। गर्मी में मुझे इतना पसीना आता है कि मेरे कपड़े फट जाते हैं। उन्हें पता नहीं है कि एथलीट्स कैसे अभ्यास करते हैं, हम दबाव में भी डटे रहने के लिए तैयार किए जाते हैं। अखबार के साथ बातचीत में श्री खान ने जापान के परमाणु बम हमलों के ऐतिहासिक संदर्भ को सामने रखकर यह बताने की कोशिश की कि कैसे जापान की सरकार ने उसे उबरने में मदद की। उनका मानना है कि जब किसी देश की नैतिकता और सरकार मजबूत होती हैं, तो वह समृद्धि की ओर बढ़ता है। लेकिन इस मामले में, एक्सटेंशन माफिया अपने स्वार्थ के लिए दोनों को नष्ट कर रहा है। उन्होंने कहा, गैंग ऑफ थ्री देश और उसके समर्थन में खड़े संस्थानों के भविष्य को नष्ट कर रहा है।उन्होंने हमूदुर रहमान आयोग की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए इसे एक उदाहरण बताया कि कैसे एक व्यक्ति की सत्ता की सत्ता लोलुपता ने पाकिस्तान के लोकतंत्र को नष्ट कर दिया और पूर्वी पाकिस्तान को नुकसान हुआ। इस रिपोर्ट में यह बताया गया है कि कैसे पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों और असफलताओं ने वर्ष 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की हार का कारण बना। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सेना की कार्रवाइयों से 50,000 पाकिस्तानी नागरिक मारे गए और 90,000 सैनिकों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, इस युद्ध ने पाकिस्तान को आर्थिक रूप से भी बहुत नुकसान पहुंचाया।आयोग की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व की विफलता ने इस हार का कारण बना। रिपोर्ट में कई सिफारिशें भी की गईं, जिनमें सेना के उच्च अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने और सेना के भीतर सुधार करने की बात कही गई। रिपोर्ट हालांकि, लंबे समय तक गोपनीय रखी गई और बाद में इसे शिक्षा के उद्देश्य से उपलब्ध कराया गया।

जापान में सत्तारूढ़ दल चुनेगा निवर्तमान प्रधानमंत्री किशिदा का उत्तराधिकारी

टोक्यो, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जापान में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी आज अपना नया नेता चुनेगी। इस बार रिकॉर्ड नौ उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें से कोई एक निवर्तमान प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की जगह लेगा। इनमें प्रमुख हैं-शिगेरू इशिबा, शिंजिरो कोइजुमी, साने ताकाइची, योशिमासा हयाशी, ताकायुकी कोबायाशी हैं। पूर्व बैंकर इशिबा पांचवीं बार नेतृत्व की दौड़ में शामिल हैं। पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत मिलने की संभावना नहीं है। इसलिए शीर्ष दो मत पाने वाले दूसरे दौर में आगे बढ़ेंगे।

जापान के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे शिंजिरो कोईजुमी को 2009 में संसद के लिए चुने जाने के बाद से शीर्ष पद के लिए संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। अगर वह चुने जाते हैं तो 43 साल की उम्र में वह जापान के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। 63 वर्षीय साने ताकाइची

आर्थिक सुरक्षामंत्री हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की शिष्या ताकाइची कट्टर रूढ़िवादी हैं।

जापान टुडे अखबार के अनुसार, चुनाव लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों और बकाया भुगतान करने वाले सदस्यों तक सीमित है। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को संसद में बहुमत है। इसलिए विजेता का जापान का अगला प्रधानमंत्री बनना तय है। चुनाव में दो महिलाएं भी किस्मत आजमा रही हैं।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि विजेता को जल्द से जल्द जनता का विश्वास हासिल करना होगा। अन्यथा जापान अल्पकालिक सरकारों के हानिकारक चक्र में वापस आ सकता है।

ऐसे होगा चुनाव - मतदान लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी सांसदों और 1.1 मिलियन जमीनी स्तर के सदस्यों तक सीमित है। यह देश के पात्र मतदाताओं का एक फीसद से भी कम है। विभाजित मतों के कारण किसी भी उम्मीदवार को मतदान के पहले दौर में बहुमत मिलने की उम्मीद नहीं है। इसलिए विजेता का निर्धारण संभवत: शीर्ष दो मत पाने वालों के बीच रनऑफ में किया जाएगा। सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह मत महत्वपूर्ण होंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि यह चुनाव 2000 के दशक की शुरुआत के समान युग की वापसी का संकेत दे सकता है।

मीडिया सर्वेक्षण में इशिबा आगे - सभी नौ उम्मीदवार मौजूदा या पूर्व कैबिनेट मंत्री हैं। पूर्व रक्षामंत्री शिगेरू इशिबा मीडिया सर्वेक्षणों में लगातार नंबर एक पर हैं। पर्यावरण मंत्री शिंजिरो कोइजुमी लोकप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे हैं। वह दूसरे पायदान पर हैं। आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची मामूली अंतर से तीसरे स्थान पर हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन्हीं तीन में से दो के रनऑफ में आगे बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन विजेता की भविष्यवाणी करना मुश्किल है, क्योंकि रनऑफ पार्टी के दिग्गजों के बीच बैकरूम डील से प्रभावित हो सकता है।

निचले सदन में महिला प्रतिनिधित्व - जापान की संसद के निचले सदन में महिलाओं की संख्या मात्र 10.3 फीसद है। जिनेवा स्थित अंतर-संसदीय संघ की अप्रैल में आई रिपोर्ट में 190 देशों में महिला प्रतिनिधित्व के मामले में जापान 163वें स्थान पर है। जापान में पितृसत्तात्मक संस्कृति में बेटों के लिए अपने पिता से राजनीतिक शक्ति विरासत में लेना अभी भी सामान्य बात है। नौ उम्मीदवारों में पांच वंशानुगत राजनेता शामिल हैं।

आगे क्या - पहली अक्टूबर को किशिदा और उनके कैबिनेटमंत्री इस्तीफा देंगे। संसदीय अनुमोदन के बाद नया नेता नया मंत्रिमंडल बनाएगा। निचले सदन का वर्तमान कार्यकाल अक्टूबर 2025 तक है।अधिकांश उम्मीदवारों का कहना है कि वे पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद चुनाव कराएंगे। पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि कुछ हफ्तों के भीतर चुनाव हो जाएंगे।

मुख्य विपक्षी दल - जापान की संवैधानिक लोकतांत्रिक पार्टी मुख्य विपक्षी दल है। उसने इस साल स्थानीय चुनाव में कुछ जीत हासिल की है। सोमवार को उसने पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिको नोडा को नेता चुना।

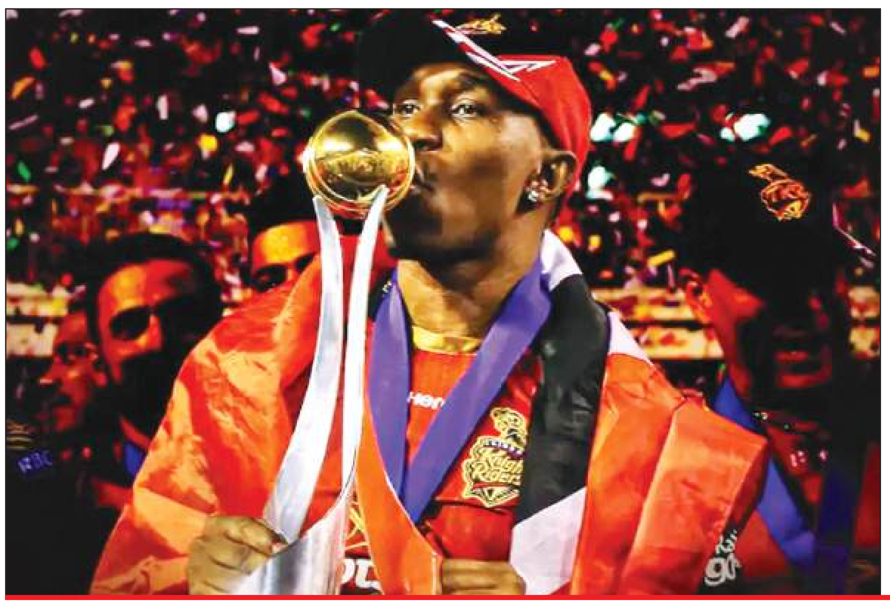

ड्वेन ब्रावो ने सभी तरह के क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो ने चोट के कारण कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के अंतिम सत्र के बीच में ही सभी तरह के क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

अगले महीने 41 साल के ब्रावो इतिहास में सबसे ज्यादा टी20 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने पहले 2021 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया था, और पिछले साल आईपीएल से दूर चले गए, क्योंकि उन्होंने कोचिंग में जाना शुरू कर दिया था – पिछले 12 महीनों में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स और अफगानिस्तान पुरुष टीम के साथ काम किया है।

अगले महीने 41 साल के ब्रावो इतिहास में सबसे ज्यादा टी20 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने पहले 2021 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया था, और पिछले साल आईपीएल से दूर चले गए, क्योंकि उन्होंने कोचिंग में जाना शुरू कर दिया था – पिछले 12 महीनों में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स और अफगानिस्तान पुरुष टीम के साथ काम किया है।

ब्रावो ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, मेरा दिमाग चलते रहना चाहता है, लेकिन मेरा शरीर अब दर्द, टूटन और तनाव को सहन नहीं कर सकता। मैं खुद को ऐसी स्थिति में नहीं रख सकता जहां मैं अपने साथियों, अपने प्रशंसकों या जिन टीमों का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं उन्हें निराश कर सकूं। इसलिए, भारी मन से, मैं आधिकारिक तौर पर खेल से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा करता हूं। चैंपियन विदाई ले रहा है।

18 साल के करियर में, ब्रावो ने टी20 क्रिकेट में काफी कुछ हासिल किया है, उन्होंने आईपीएल, पीएसएल और बिग बैश में खिताब जीते, साथ ही वेस्टइंडीज के साथ दो बार विश्व चैंपियन बने। उन्होंने 582 मैचों में इस प्रारूप में 631 विकेट हासिल किए हैं। ब्रावो ने सीपीएल के मौजूदा संस्करण से पहले घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी संस्करण होगा। वह यूएई के आईएलटी20 के तीसरे सीज़न में खेलने वाले थे, जिसे एमआई अमीरात ने बरकरार रखा था, लेकिन मंगलवार को तरौबा में सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ खेलते हुए कमर में चोट लगने के बाद उन्होंने बाहर होने का फैसला किया।

ब्रावो सीपीएल इतिहास में सबसे सम्मानित खिलाड़ी थे, जिन्होंने कुल मिलाकर पांच खिताब जीते थे, जिसमें अकेले ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ तीन खिताब शामिल हैं। उन्होंने 2021 में पैट्रियट्स को अपना पहला खिताब दिलाने से पहले 2017 और 2018 में टीकेआर को लगातार खिताब दिलाया था।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ नहीं जा रहे आरसीबी, सोशल मीडिया में फर्जी खबर लिखने वालों पर भड़के

कानपुर। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में नहीं जा रहे हैं और इस प्रकार की जो भी बातें कही जा रही हैं वे गलत हैं। ऋषभ ने एक फैन पेज की आलोचना की जो इन फर्जी खबरों को फैला रहा था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसी अविश्वसनीय बातें फैलाना सही नहीं है। इस प्रकार की चीजों को जारी करने से पहले खबर की पुष्टि कर लेनी चाहिये और आधारहीन बातें कहकर संशय नहीं फैलाना चाहिये। इस आक्रामक बल्लेबाज ने नाराजगी जताते हुए लिखा, कुछ लोग सोशल मीडिया पर इतनी फर्जी खबरें क्यों फैलाते हैं अगर ऐसा समझदार लोग कर रहे हैं तो ये और भी निराशाजनक बात है। बिना वजह अविश्वसनीय माहौल बनाना ठीक नहीं है हालांकि मैं जानता हूं कि यह पहली बार नहीं है और आखिरी बार भी नहीं होगा पर मुझे मजबूरन ये लिखना पड़ा है। ऋषभ ने 2024 आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की थी। उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 में 8 मैचों में 127.61 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए। वहीं इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट वापसी की, जिसमें उन्होंने 128 गेंदों पर 109 रन की शानदार पारी खेली। इस क्रिकेटर ने यह प्रतिक्रिया फर्जी खबरों के प्रति अपने प्रशंसकों को सजग करने के लिए की है।

पांचवीं राज्य स्तरीय क्वान कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता संपन्न, माहेश्वरी स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

इन्दौर। खंडवा रोड स्थित अरिहंत कॉलेज में राज्य स्तरीय पांचवी क्वान कराटे की दो चैंपियनशिप प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें उज्जैन, इंदौर, देवास और ग्वालियर के कई छात्र खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों में कराटे के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। श्री माहेश्वरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अमेरिका में पोलो चैलेंज कप 2024 में हैदराबाद के 2 खिलाड़ी

हैदराबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

आगामी दि. 03 से 6 अक्टूबर तक कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में लेकसाइड पोलो क्लब में यूएसपीए बडी कॉम्ब्स इंटरनेशनल एरिना पोलो चैलेंज कप 2024 में तीन सदस्यीय भारतीय एरिना पोलो टीम के दो खिलाड़ी हैदराबाद शहर से हैं।संयोग से दोनों हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) के खिलाड़ी हैं।भारतीय टीम में चैतन्य आर. कुमार और अर्सलान खान (दोनों हैदराबाद से) और नई दिल्ली से लेफ्टिनेंट कर्नल पृथ्वी राठौर शामिल हैं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपनी योग्यता साबित की है।उनका चयन एरिना पोलो के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह चैंपियनशिप भारतीय टीम के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करेगी क्योंकि यह अधिक पसंदीदा प्रतिद्वंद्वियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलेगी। चार दिवसीय चैंपियनशिप भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद करेगी।संयोग से, हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब यूएसपीए एरिना पोलो चैंपियनशिप 2024 में भाग लेने वाली भारतीय टीम का आधिकारिक प्रायोजक होगा।हैदराबाद में अगले साल के मेगा स्पोर्ट्स इवेंट के बाद, वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025 उसी साल फरवरी और मार्च के दौरान एचपीआरसी एरिना में होगी। अफ्रीका, एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका से एक दर्जन से अधिक देश राष्ट्रीय टीमें मैदान में उतारेंगे।

कानपुर टेस्ट पहला दिन : बारिश ने डाली खलल, केवल 35 ओवर का हो सका खेल

कानपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत और बांग्लादेश के बीच यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन बारिश के कारण जल्दी खत्म कर दिया गया। पहले दिन केवल 35 ओवर और 166 मिनट का खेल हो सका। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 107 रन बना लिए हैं। मोमिनुल हक 40 और मुशिफकुर रहीम 6 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इससे पहले कल रात भर हुई बारिश के कारण टॉस होने में देरी हुई और मैच लगभग 1 घंटे देर से शुरू हुआ। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बादल छाए रहने के बावजूद बांग्लादेश ने सुबह का सत्र ठीक-ठाक खेला। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (28*) और मोमिनुल हक (17*) ने मुश्किल परिस्थितियों में 45 रनों की अटूट साझेदारी कर बांग्लादेश को थोड़ी राहत दिलाई।

हालांकि पिच पर घास थी, लेकिन काली मिट्टी की वजह से उछाल कम था और सतह धीमी थी। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने नई गेंद स्विंग कराया।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम और जाकिर हसन कुछ मौकों पर आउट होने से बचे, लेकिन आकाश दीप के आने तक वे नई गेंद के खिलाफ पूरी तरह से आश्वस्त दिखे। भारत के नए तेज गेंदबाज ने एक बार फिर अपने पहले ओवर में ही कमाल कर दिया, जब उन्होंने जाकिर (00) को गली में यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। इसके तुरंत बाद, तेज गेंदबाज ने शादमान (24) को एलबीडब्लू आउट कर भारत को दोहरी सफलता दिलाई।

इसके बाद मोमिनुल हक और कप्तान नजमुल हसन शांतों ने पारी को आगे बढ़ाया और तीसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। 80 के कुल स्कोर पर अश्विन ने नजमुल को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। नजमुल ने 31 रन बनाए। इसके बाद मोमिनुल और मुश्फिकुर ने बांग्लादेश की पारी को 100 के पर पहुंचाया। 35वें ओवर के बाद खराब रोशनी के कारण खेल को रोका गया और फिर जोरदार बारिश आ गई,इसके बाद खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया।

विराट, रोहित जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को भी घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को घरेलू क्रिकेट भी खेलना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार अगर विराट और रोहित बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले दिलीप ट्रॉफी खेलते तो उन्हें बल्लेबाजी में आसानी होती। चेन्नई में हुए पहले टेस्ट में रोहित और विराट रन बनाने में असफल रहे थे। मांजरेकर ने कहा कि अगर उन्होंने कुछ लाल गेंद वाला क्रिकेट खेला होता तो उनके लिए हालात अच्छे होते। उन्हें दलीप ट्रॉफी में चुनने का विकल्प था, इसलिए वे नहीं खेले। मेरा मानना है कि इस प्रकार का विकल्प अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिलना चाहिये। कुछ खिलाड़ियों के साथ अलग व्यवहार नुकसानदेह हो सकता है। बीसीसीआई को वही करना चाहिये जो भारतीय क्रिकेट और खिलाड़ी के लिए सबसे अच्छा हो। विराट और रोहित का घरेलू क्रिकेट से दूर रहना भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत नहीं है। न ही ये खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। अगर उन्होंने दलीप ट्रॉफी खेली होती और लाल गेंद वाले क्रिकेट में कुछ समय बिताया होता तो उनके लिए पहले टेस्ट में हालात अलग होते। मांजरेकर ने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को उनके अनुभव और स्तर के आधार पर विशेष सुविधाएं मिल रही हैं जो सही नहीं है।, मांजरेकर ने हालांकि कहा कि कोहली और रोहित दोनों के पास रन बनाने की पूरी क्षमता है। उनके पास रन बनाने के लिए क्लास और अनुभव दोनो ही है और मुझे नहीं लगता कि वे इस कारण से फॉर्म से दूर हैं।

बाएं हाथ के इंग्लिश तेज गेंदबाज जोश हल पाक दौरे से बाहर

लंदन, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

बाएं हाथ के इंग्लिश तेज गेंदबाज जोश हल चोट के कारण पाकिस्तान दौरे से बाहर हो गए हैं। 20 वर्षीय हल को किआ ओवल में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में अपने पदार्पण के दौरान यह समस्या हुई। उस समय, ईसीबी को लगा कि उनके ठीक होने का समय है और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर कर दिया गया।

हालाँकि, चोट बरकरार रहने के कारण, गुरुवार को हल को पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला से बाहर करने का निर्णय लिया गया। इंग्लैंड ने किसी प्रतिस्थापन का फैसला नहीं किया है।

दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट मैच मुल्तान में 7 अक्टूबर से खेला जाएगा।

6 फीट 7 इंच की ऊंचाई वाले हल को श्रीलंका के खिलाफ एक टूर मैच में पांच विकेट लेने के बाद, एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में पहले टेस्ट में मार्क वुड की चोट के बाद टीम में शामिल किया गया था।

प्रशिक्षण में बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हल पर मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और गेंदबाजी सलाहकार जेम्स एंडरसन का ध्यान गया। जिसके बाद उन्हें द ओवल में इंग्लिश टीम में जगह मिली।

द ओवल में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी में 53 रन देकर 3 विकेट लिए, लेकिन दूसरी पारी में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, क्योंकि श्रीलंका ने 219 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को गर्मियों की एकमात्र टेस्ट शिकस्त दी। यह मैच हल के करियर का 11वां प्रथम श्रेणी मैच था, यह उस सीज़न में था जब वह लीसेस्टरशायर के लिए तीन डिवीजन दो मैचों में 182.50 के भारी औसत से केवल दो विकेट ले सके थे।

श्रीलंका के मेंडिस ने बनाया नया रिकार्ड आठ टेस्ट मैचों में लगातार अर्धशतक लगाए

गाले, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

मेजबान श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 306 रन बना लिए। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय दिनेश चांदीमल 116 और एंजलो मैथ्यूज नाबाद 78 रनों पर खेल रहे थे। इसके अलावा कामिंडु मेंडिस ने भी नाबाद नाबाद 51 रन बनाये। इस मैच में मेंडिस ने युवा अपने 50 रन पूरे करने के साथ ही एक नया विश्व रिकार्ड बना दिया। इसी के साथ ही मेंडिस दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने पदार्पण के बाद 8 टेस्ट मैच में 8 बार 50 से अधिक रन बनाए हैं। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तान के बल्लेबाज सऊद शकील के लगातार 7 टेस्ट में 50 से ज्यादा रनों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। वहीं इससे पहले सुनील गावस्कर, बेसिल बुचर, सईद अहमद और बर्ट सुटक्लिफ के नाम पदार्पण के बाद लगातार 6 टेस्ट मैचों में अर्धशतक लगाने का रहा था।

मेजबान श्रीलंका टीम की टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में उसके बल्लेबाज पुथम निसंका एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद दिनेश चांदीमल ने दिमुथ करुणारत्ने के साथ पारी संभाली और दूसरे विकेट के लिए 122 रन जोड़े।

युवराज ने खोला छह छक्के लगाने का राज फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस से प्रेरित हुआ

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में छह छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया था। उसी को लेकर युवराज ने माइकल वॉन और एडम गिलक्रिस्ट के साथ बातचीत में कहा कि उस दिन सभी गेंदें बल्ले के बीचों बीच आ रहीं थीं। उन्होंने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में ये छक्के लगाये थे। उसी के साथ युवराज टी20 में एक ही ओवर में 6 छक्के लगाने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने। युवराज ने कहा, यह पहला टी20 विश्व कप था और किसी को नहीं पता था कि टी20 खेल को कैसे खेला जाना चाहिए। यॉर्कशायर वह जगह थी जहां मैंने अपना पहला टी20 मैच खेला और इसी दौरान मुझे ये प्रारूप समझ में आया। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया था।

साथ ही कहा कि फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस के बाद उन्हें लगा कि 6 छक्के लगाकर जवाब देना चाहिये। उन्होंने कहा, फ्लिंटॉफ ने मुझसे कुछ बातें कहीं जिससे मुझे गुस्सा आ गया। तब मैंने अंपायर से कहा कि वह इसे शुरू कर रहे हैं और या तो उन्हें रुकना होगा या अंपायर को बीच में आना होगा। अंपायर ने इसपर अधिक ध्यान नहीं दिखा जिससे मेरा गुस्सा बढ़ गया। तब मैं हर गेंद को मैदान के बाहर मारना चाहता था, और ऐसा ही हुआ। तीसरे छक्के के बाद, मैंने ब्रॉड को लांग ऑफ पर मारा। इसके बाद गेंदबाज ने पैरों पर गें डालने का प्रयास किया।

चौथी गेंद अच्छी थी, जो मेरे बल्ले के अंगूठे पर लगी, लेकिन बाउंड्री छोटी थी, इसलिए वह छक्का लग गया। अंतिम गेंद पर मुझे पता था कि यॉर्कर आएगी, मैंने उस पर बल्ला चला दिया जिसपर किस्मत से छक्का लग गया। युवराज की इस पारी ने न केवल भारत को जीत दिलाई बल्कि टी20 क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत भी की।

भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी रमित टंडन ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ किया करार

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने भारत के शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ी रमित टंडन के साथ अनुबंध किया है, जो वर्तमान में प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) रैंकिंग में विश्व स्तर पर 30वें स्थान पर हैं। इस करार के तहत, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स रमित को विश्व स्तरीय संसाधन और एक्सपोजर प्रदान करके आगे की सफलता हासिल करने में मदद करेगा। रमित टंडन ने पीएसए टूर पर लगातार सफलता हासिल करते हुए अपने पेशेवर स्क्वैश करियर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कोलकाता के रमित ने कई पीएसए खिताब जीते हैं, जिसमें सिंगापुर स्क्वैश ओपन और सिएटल ओपन में जीत शामिल है। उनके दृढ़ संकल्प और समर्पण ने उन्हें लगातार विश्व स्तर पर शीर्ष स्टार स्क्वैश एथलीटों में रखा है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ करार पर रमित ने कहा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स में शामिल होना एक ऐसे परिवार के घर आने जैसा लगता है जो उत्कृष्टता के लिए मेरे जुनून और दृढ़ संकल्प को साझा करता है। उनके समर्थन से, मुझे विश्वास है कि हम शीर्ष 30 रैंकिंग से आगे बढ़ सकते हैं और दुनिया में शीर्ष 10 पर अपनी नजरें जमा सकते हैं, क्योंकि चैंपियन बनाने का उनका ट्रैक रिकॉर्ड बहुत कुछ कहता है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स की खेल उत्कृष्टता और स्काउटिंग प्रमुख मनीषा मल्होत्रा ने कहा, रमित के साथ अनुबंध करना जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और भारतीय स्क्वैश के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उनकी प्रतिभा और हाल ही में दुनिया के शीर्ष 30 में शामिल होने से अपार संभावनाएं दिखती हैं। हम विश्व स्क्वैश के शीर्ष पर रमित की यात्रा का समर्थन करने के लिए उत्साहित हैं, हमारा मानना है कि यह खेल में भविष्य के भारतीय चैंपियनों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। 2009 में पीएसए वर्ल्ड टूर में शामिल होने के बाद से, रमित भारत के शीर्ष स्क्वैश खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं।

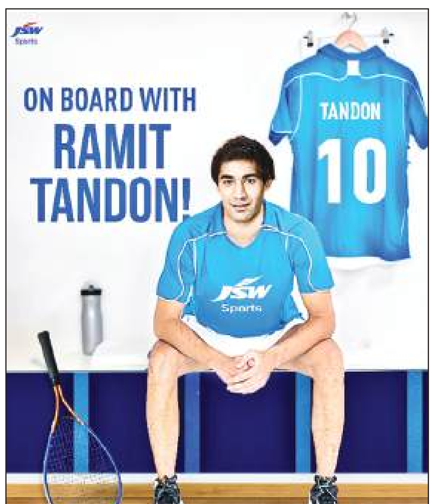

मैक्सवेल टेस्ट टीम में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट खेलेंगे

मेलबर्न। ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए अब विक्टोरिया की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। मैक्सवेल अगले साल जनवरी और फरवरी में श्रीलंका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह हासिल करना चाहते हैं। मैक्सवेल ने हालांकि फरवरी 2023 के बाद से ही विक्टोरिया की ओर से कोई शेफील्ड शील्ड मैच नहीं खेला है। उन्होंने पिछले 5 साल में केवल दो ही प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। शेफील्ड शील्ड मुकाबले 8 अक्टूबर से शुरू होंगे। मैक्सवेल 2022 में श्रीलंका दौरे पर गयी टेस्ट टीम में शामिल थे। टीम को उम्मीद है कि वह गॉल में स्पिनरों के सहायक हालातों में प्रभावी हो सकते हैं। उन्होंने अपने सभी टेस्ट मैच उपमहाद्वीप में खेले हैं। आखिरी बार वह 2017 में बांग्लादेश में खेले थे। वहींविक्टोरिया क्लब चाहता है कि गर्मियों की शुरुआत में मैक्सवेल उनके लिए लाल गेंद वाले क्रिकेट में खेलें और यह उनके लिए लय में आने का एक अच्छा अवसर होगा, क्योंकि उन्होंने हाल के वर्षों में लाल गेंद प्रारूप में बहुत कम खेला है। विक्टोरिया के कप्तान विल सदरलैंड ने कहा कि मुझे लगता है कि मैक्सवेल कुछ समय के लिए उपलब्ध रहेंगे और मेरा मानना ?है कि वह खेलने के लिए भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि जाहिर है, इस समय उसके खेलने से चीजें बदल सकती हैं पर उनके जैसे खिलाड़ी का हमारी टीम में आना एक उपलब्धि की बात है, इसलिए उम्मीद है कि यह अच्छी तरह से अपना काम करेंगे। मैक्सवेल ने इससे पहले अपना अंतिम प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप में वार्विकशायर के लिए खेला था।

यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहन चलाना और महंगा होगा, टोल दर में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी को मंजूरी मिली

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां) ।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे से आना-जाना महंगा होने वाला है क्योंकि यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा को आगरा से जोड़ने वाले 165 किमी लंबे यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल दर में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है।

अधिकारियों ने कहा कि नई दरें 1 अक्टूबर से लागू होंगी। इससे अथॉटरिटी को प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ का टोल मिलेगा। दोपहिया, तीन पहिया और रजिस्टर्ड ट्रैक्टर्स के लिए नई टोल की दरें 1.50 प्रति किलोमीटर होंगी, जबकि पहले दरें 1.25 रुपये प्रति किमी थीं।

वहीं कार, जीप और हल्के मोटर वाहनों के लिए 2.95 प्रति किमी थीं, जबकि पहले ये दर 2.6 प्रति किमी थी।

बस और ट्रकों को 4.15 प्रति किमी की पुरानी दर के मुकाबले 4.6 प्रति किमी का भुगतान करना होगा।

जबकि भारी वाहनों को 12.90 किमी की पुरानी दर के मुकाबले 14.25 प्रति किमी का भुगतान करना होगा।

भारी वाहन और मल्टी-एक्सल वाहनों पर टोल दर बढ़ाकर 14 रुपये 25 पैसे प्रति किलोमीटर कर दी गई है। पहले यह 12 रुपये 90 पैसे प्रति किलोमीटर थी।

7 या उससे अधिक एक्सल वाले वहानों पर 18 रुपये 35 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से टोल वसूला जाएगा। इससे 16.60 रुपये की दर से टोल वसूला जाता था।

यमुना एक्सप्रेसवे पर नए टोल रेट लागू होने के बाद, ग्रेटर नोएडा से आगरा तक कार से सफर करने पर टोल की रकम 270 रुपये से बढ़कर 295 रुपये हो जाएगी।

इसी तरह बसों के लिए यह राशि 895 रुपये से बढ़कर 935 रुपये होगी। वहीं ओवरसाइज वाहनों के लिए टोल 1760 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

डीएचएल एक्सप्रेस की जनवरी से पार्सल डिलीवरी महंगी होगी

मुंबई । लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस ने अगले साल एक जनवरी से भारत में पार्सल डिलीवरी की कीमतों में लगभग 6.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। डीएचएल ने कहा कि मुद्रास्फीति तथा मुद्रा गतिशीलता के साथ-साथ नियामक व सुरक्षा उपायों से संबंधित प्रशासनिक लागतों को ध्यान में रखते हुए वार्षिक आधार पर वैश्विक स्तर पर बाजारों में कीमतों को समायोजित किया जाता है। कंपनी बयान के अनुसार डीएचएल एक्सप्रेस ने मूल्य समायोजन की घोषणा की है जो एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। भारत में औसत (मूल्य) वृद्धि 6.9 प्रतिशत होगी।

वेदांता एल्युमीनियम ने सरकारी आदेश का किया अनुपालन

नई दिल्ली । वेदांता एल्युमीनियम ने शुक्रवार को कहा कि उसने वायर रॉड और रोल्ड उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य करने के सरकार के आदेश का अनुपालन कर लिया है। सरकार ने पिछले साल एल्युमीनियम तथा एल्युमीनियम मिश्र धातुओं के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एक नया विनियमन पेश किया था। यह प्रमाणन छत्तीसगढ़ स्थित बाल्को संयंत्र और ओडिशा स्थित झारसुगुड़ा इकाई में विनिर्मित उत्पादों पर लागू होता है।

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कमजोरी के साथ बंद हुआ। हालांकि, लाल निशान में गोता लगाने के पहले दिन के पहले सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में बिकवाली के दबाव की वजह से दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गये। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मीडिया और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एफएमसीजी और टेलीकॉम इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, ऑटोमोबाइल, आईटी, ऑयल एंड गैस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट मे मामूली मजबूती के साथ कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई गिरावट के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 477.94 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 477.16 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को

कारोबार से करीब 78 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,060 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,974 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,959 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 127 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,474 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,231 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,243 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 57.72 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 85,893.84 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण ये सूचकांक 142.13 अंक की बढ़त के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 85,978.25 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, सेंसेक्स की ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दोपहर 11 के बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में बने बिकवाली के दबाव की वजह से कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 361.54 अंक की कमजोरी के साथ 85,474.58 अंक तक लुढ़क गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी की वजह से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 264.27 अंक की कमजोरी के साथ 85,571.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 32.20 अंक की मजबूती के साथ 26,248.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक 61.30 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च शिखर 26,277.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, दोपहर 11 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 64.65 अंक की गिरावट के साथ 26,151.40 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 37.10 अंक की कमजोरी के साथ 26,178.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बीपीसीएल 6.43 प्रतिशत, सिप्ला 3.13 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 2.65 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.89 प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

आरईपीएल को सेबी से एसएम-आरईआईटी के लिए पंजीकरण मिला

नई दिल्ली । एकीकृत शहरी विकास तथा बुनियादी ढांचे के लिए परामर्श सेवाएं देने वाली कंपनी रुद्राभिषेक एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईपीएल) को बाजार नियामक सेबी से लघु एवं मझोले रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (एसएम-आरईआईटी) के लिए पंजीकरण प्राप्त हो गया है। आरईपीएल ने कहा कि यह मंजूरी इम्पैक्टआर एसएम आरईआईटी नाम से दी गई है। नए नियमों के बाद यह पंजीकरण प्राप्त करने वाला यह भारत का दूसरा एसएम-आरईआईटी है। आरईपीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम जल्द ही इम्पैक्टआर एसएम आरईआईटी का पहला आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पेश करने जा रहे हैं। हम भविष्य में पारंपरिक आवासीय तथा वाणिज्यिक संपत्तियों से आगे बढ़कर वेयरहाउसिंग, अस्पताल, होटल और औद्योगिक स्थानों जैसे विविध परिसंपत्ति वर्गों को पेश करने की योजना बना रहे हैं। आरईपीएल विभिन्न स्थानों पर विविध क्षमताओं के तहत स्मार्ट सिटी, पीएमएवाई और अमृत जैसे सरकारी प्रमुख कार्यक्रमों से व्यापक रूप से जुड़ी है।

दवाई-बाइक सहित 100 वस्तुओं पर कर दरें संशोधित करेगी सरकार

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां) ।

टैक्स की दरों को 12 से घटाकर 5 फीसदी करने की योजना, दिवाली से पहले ऐलान संभव

महंगाई के संकट का सामना कर रहे आम लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलने की संभावाना दिखाई दे रही है क्योंकि केंद्र सरकार 100 से ज्यादा सामानों पर जीएसटी की दरों में बदलाव करने की योजना बना रही है। इनमें जरूरी दवाइयां, बाइक समेत कई वस्तुएं शामिल हैं। दरअसल केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह ने जीएसटी दरों में सुधार की कवायद तेज हो चुकी है। इस बारे में पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बताया कि जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने पर विचार किया जा रहा है और अगली बैठक 20 अक्टूबर को आयोजित होगी। इन 100 सामानों में बाइक्स और बोतलबंद पानी जैसे महत्वपूर्ण आइटम शामिल हैं। जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए मंत्रिस्तरीय पैनल ने 12 और 18 फीसदी स्लैब के विलय के अलावा 100 से अधिक वस्तुओं पर दरों को फिर से बनाने के प्रस्तावों पर चर्चा की है, लेकिन अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने से पहले इस पर विश्लेषण करेगा। भट्टाचार्य ने कहा कि आम आदमी द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दरों को कम किया जाना चाहिए और खाने-पीने से जुड़े सामानों पर जीएसटी की दरों को 12 प्रतिशत से पांच प्रतिशत के स्तर पर लाया जाना चाहिए। अभी मोटर साइकिल और उसके पुर्जे और सहायक उपकरण पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि ई-साइकिल पर पांच प्रतिशत कर लगता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

यूएनएससी की...

इससे पहले अमेरिका की संयुक्त राष्ट्र में राजदूत लिंडा थॉमस ने भी एक कार्यक्रम में भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन किया था। भारत विकासशील देशों के हितों का बेहतर प्रतिनिधित्व करने के लिए लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की मांग कर रहा है। फिलहाल यूएनएससी में 15 सदस्य देश हैं, जिनमें वीटो पावर वाले पांच स्थायी सदस्य और दो साल के कार्यकाल के लिए चुने गए दस गैर-स्थायी सदस्य शामिल हैं। यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्यों में चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

यूएन में नहीं अलापा ...

उन्होंने अमेरिका और प्रमुख यूरोपीय संघ के देशों सहित पश्चिमी देशों से इन मौतों को रोकने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया। एर्दोगन का कश्मीर मुद्दे को छोड़ने का रुख तब सामने आया है कि तुर्किये ब्रिक्स देशों के समूह का सदस्य बनने की कोशिश कर रहा है। इसे लेकर पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि एर्दोगन ने पांच साल में पहली बार संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में कश्मीर मुद्दे का जिक्र नहीं किया। जबकि 2019 से 2023 तक लगातार उनके भाषण में कश्मीर शामिल रहा। इससे भारत और तुर्किये के संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र में सामान्य भाषण में एर्दोगन ने कहा था कि दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत होनी चाहिए। इससे कश्मीर में स्थायी शांति की स्थापना होगी। भारत ने एर्दोगन की टिप्पणियों को पूरी तरह से नकार दिया था। एर्दोगन ने कहा था कि तुर्किये को अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान करना सीखना चाहिए और अपनी नीतियों पर अधिक गहराई से विचार करना चाहिए।

कभी नहीं चलाया...

पिछले साल नवंबर में चीन समर्थक मुइज्जू के मालदीव के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंधों में काफी तनाव देखने को मिला है। मुइज्जू ने भारत से कहा था कि वह इंडिया द्वारा उपहार में दिए गए तीन विमानों का संचालन करने वाले लगभग 90 भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले। जिसके बाद भारत ने 10 मई तक अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुला लिए थे और उनकी जगह डोर्नियर विमान और दो हेलीकॉप्टरों का संचालन करने के लिए असैन्य कर्मियों को नियुक्त किया था। इस कार्यक्रम में मुइज्जू ने आगे जोर देकर कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करने वाले उप-मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। किसी को भी ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए। मैंने उनके खिलाफ कार्रवाई की है। मैं किसी का भी इस तरह अपमान नहीं करूंगा। चाहे वह नेता हो या कोई आम व्यक्ति। हर इंसान की अपनी प्रतिष्ठा होती है। बता दें कि, इस साल की शुरुआत में मालदीव के युवा मंत्रालय के उप-मंत्रियों को प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर की थी। जिस पर विवाद खड़ा होने के बाद उन मंत्रियों को पद से हटा दिया गया था।

तेलंगाना के मंत्री ...

नवीन ने बताया कि वह केवल मुबीन और हर्षा के बीच मध्यस्थ का काम कर रहा था। पूछताछ के बाद कस्टम ने दावा किया कि लेनदेन का भुगतान हवाला मार्ग, क्रिप्टोकरेंसी और नकद के जरिए किया गया है। हालांकि, हर्षा ने इन दावों को खारिज कर दिया था। इसी के साथ वह 27 अप्रैल को विभाग के समझ पेश होने के लिए राजी हुए हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एक अप्रैल को सीमा शुल्क विभाग को हर्षा रेड्डी की जांच करने और आलोकम नवीन कुमार को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था।

सिर्फ कागजों पर...

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा पढ़ा। जिसमें पराली संकट से निपटने के लिए सलाह और दिशा-निर्देश जारी करने जैसे कदमों की रूपरेखा दी गई थी।

हालांकि कोर्ट ने आयोग के इन प्रयासों को एकदम प्रभावहीन माना।

शीर्ष अदालत ने कहा कि, पराली से निपटने की सभी कार्रवाई सिर्फ कागजों पर हो रही हैं। हमें आपके कागज में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमें एक भी निर्देश दिखाओ जो उन्होंने जारी किया हो। कोर्ट ने कहा कि क्या सीएक्यूएम अधिनियम की धारा 14 के तहत कोई कार्रवाई की गई है? आप मूकदर्शक बने हुए हैं। यदि आप यह संदेश नहीं दे सकते हैं कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, तो ये प्रावधान केवल कागज पर ही रह जाएंगे।

लोकायुक्त में दी...

इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु में हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर सेक्टर में पांच एकड़ सीए जमीन, केआईएडीबी द्वारा 30/05/2024 को सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के राहुल एम. खड़गे को आवंटित की गई थी। यह मामला उन आरोपों से संबंधित है कि सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को मैसूर के एक महंगे इलाके में मुआवजा स्थल आवंटित किया गया था, जिसकी संपत्ति का मूल्य मुडा की ओर से अधिग्रहित की गई उनकी भूमि के स्थान की तुलना में अधिक था। मुडा ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां मुडा ने एक आवासीय लेआउट विकसित किया था।

दरअसल, इसी घोटाले में सीएम सिद्धारमैया को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। साथ ही उनके खिलाफ जांच शुरू करने और मुकदमा चलाने की मंजूरी दी। राज्यपाल के आदेश को सीएम सिद्धारमैया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट से सीएम को बड़ा झटका लगा। अदालत ने सीएम पर केस चलाने की मंजूरी दी।

कांग्रेस ने असम...

लेकिन उनके पास वहां इकोसिस्टम का कोई कौशल नहीं है। उनके पास वहां शोध, उद्भवन और नवीनीकरण की व्यवस्था नहीं है। जब चिप डिजाइनिंग की 70 फीसदी प्रतिभा कर्नाटक में हैं तो मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि सरकार राजनीतिक बल का इस्तेमाल कर दूसरे राज्यों में क्यों दबाव बनाना चाह रही है।

यह गलत है। इससे पहले कर्नाटक मंत्री प्रियांक खड़गे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सेमी कंडक्टर कंपनियों को गुजरात में निवेश के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि जब शीर्ष में बैठे लोग प्रधानमंत्री की बजाय मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं तो कर्नाटक जैसे राज्यों को नुकसान होगा।

पर्यटन शांति...

उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के इंजन के रूप में पर्यटन, भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण क्षमता रखता है। उन्होंने कहा, हर पर्यटक एक सपना लेकर आता है। वह एक सहज अनुभव चाहता है और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे मानव संसाधन इसे प्रदान करने के लिए कुशल हों।

श्री धनखड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की और उन्हें पर्यटन का सबसे बड़ा राजदूत बताया। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने लक्षद्वीप में कुछ ही पल बिताए और पूरी दुनिया को इसके बारे में पता चल गया। उन्होंने ने वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर भारत की स्थिति को ऊपर उठाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता का आह्वान किया। उन्होंने जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करने और विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों में परिणाम उत्पन्न करने के लिए टास्क फोर्स के गठन पर बल दिया। उपराष्ट्रपि ने कहा, यात्रा के माध्यम से कोई बड़ी शिक्षा नहीं है और पर्यटन के माध्यम से कोई बड़ा सहज संबंध नहीं है। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, पर्यटन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी और पर्यटन मंत्रालय में सचिव वी. विद्यावती और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

चीन की ...

यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि इस पनडुब्बी के अंदर परमाणु ईंधन मौजूद था या नहीं। बताया जा रहा है कि यह पनडुब्बी समुद्र में जाने से पहले आखिरी फिटिंग के दौर से गुजर रही थी। तभी यह हादसा हुआ। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी नौसेना है। उसके पास 370 से अधिक जहाजों का बेड़ा है। यही नहीं उसने नई पीढ़ी की परमाणु पनडुब्बियों का उत्पादन शुरू कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक, वूचांग शिपयार्ड में डूबी इस सबमरीन को समुद्र से निकालने में कई महीने लग सकते हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि, शिपयार्ड के किनारे कई क्रेन मौजूद हैं, जो सबमरीन को अंदर से निकालने के काम लगी हुई हैं।

वाशिंगटन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता इन मामले पर किसी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। चीनी अधिकारी ने कहा, आप जिस स्थिति के बारे में बात कर रहे हैं, मुझे उस बारे में कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल हमारे पास देने के लिए कोई जानकारी नहीं है। चीनी अधिकारी ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि जहाज डूबने का कारण क्या था या उस समय उसमें परमाणु ईंधन था या नहीं।

वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना के पूर्व सबमरीन वारफेयर अधिकारी टॉम शूगार्ट ने सबसे पहले इस पनडुब्बी के डूबने की जानकारी का पता लगाया है। उन्हें वुचांग शिपयार्ड पर उस समय असामान्य गतिविधियों के बारे में पता चला कि जब अचानक शिपयार्ड पर हेवी क्रेनें पहुंची थीं। जिन्हें 12 से 17 जून के बीच तैनात किया गया था। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि, यह घटना पीएलए की आंतरिक जवाबदेही और चीन के रक्षा उद्योग की निगरानी पर गहरे सवाल उठाती है।

जो लंबे समय से भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। इस बात को लेकर आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि पीएलए नौसेना डूबने की घटना को छिपाने की कोशिश करेगी। पेंटागन की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 तक चीन के पास छह परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल से लैस पनडुब्बियां और 48 डीज़ल से चलने वाली हमलावर पनडुब्बियां थीं।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा है कि चीन 2025 तक इन पनडुब्बियों की संख्या बढ़कर 65 और 2035 तक 80 करने में लगा हुआ है।

इंदिरा एकादशी आज

भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग

इंदिरा एकादशी भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। पूरे साल में कुल 24 एकादशी मनाई जाती हैं, जिनमें से सभी एकादशी का अपना एक खास महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, एकादशी शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के 11वें दिन मनाई जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस मौके पर भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। साथ ही जीवन में शुभता का आगमन होता है, तो आइए श्री हरि को प्रसन्न करने के लिए उनके प्रिय भोग के बारे में जानते हैं, जिससे जीवन में बरकत और समृद्धि बनी रहे।

इंदिरा एकादशी भोग

इंदिरा एकादशी में श्री हरि विष्णु को पंजीरी, केसर की खीर, पंचामृत, बेसन के लड्डू आदि चीजों का भोग लगा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इन भोग को चढ़ाने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। साथ ही सभी इच्छाओं की पूर्ति करते हैं। एकादशी का दिन श्री हरि को बेहद प्रिय है।

ऐसे में उन्हें उनकी ही प्रिय चीजों का भोग लगाया, जाए तो व्रत का पूरा फल प्राप्त होता है। यही नहीं जीवन में बरकत बनी रहती है।

प्रसाद अर्पित करते समय करें इस मंत्र का जाप

त्वदीयं वस्तु गोविन्द
तुभ्यमेव समर्पये। गृहाण
सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ।।

कथा के बिना पूर्ण नहीं होता व्रत

सुनने मात्र से मिल जाता है पूरा फल

हिंदुओं के बीच एकादशी का बड़ा धार्मिक महत्व है। यह दिन पूरी तरह से भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस तिथि पर भक्त विष्णु जी को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए उपवास रखते हैं। एकादशी महीने में दो बार आती है। अश्विन माह में पड़ने वाली एकादशी का खास महत्व है। इस एकादशी की सबसे खास बात यह है कि यह पितृ पक्ष के दौरान पड़ रही है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल इंदिरा एकादशी का व्रत 28 सितंबर को रखा जाएगा, जब व्रत को कुछ दिन ही शेष रह गए हैं।

इंदिरा एकादशी व्रत कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सतयुग में इंद्रसेन नाम का एक राजा था, जो महिष्मती नगरी में राज्य करता था। उसे सभी भौतिक सुख प्राप्त थे। एक दिन नारद मुनि, राजा इंद्रसेन की सभा में उनके मृत पिता का संदेश लेकर पहुंचे। नारद जी ने राजा इंद्रसेन को बताया कि कुछ दिन पहले उनकी भेंट यमलोग में राजा के पिता से हुई। राजा के पिता ने नारद जी को यह कहा कि उनके जीवन काल में एकादशी का व्रत भंग हो गया था, जिस वजह से उन्हें अभी तक मुक्ति नहीं मिल पाई है और वह अभी भी यमलोक में भटक रहे हैं।

यह संदेश सुनकर राजा बहुत ही दुखी हो गए और उन्होंने नारद जी से अपने पिता को मुक्ति दिलाने का उपाय पूछा? जिसका हल निकालते हुए नारद जी ने बताया कि अगर वह अश्विन माह में पड़ने वाली इंदिरा एकादशी का व्रत रखते हैं, तो इससे उनके पिता को सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही बैकुंठ धाम में स्थान प्राप्त होगा।

इसके बाद राजा ने इंदिरा एकादशी व्रत का संकल्प लेकर भगवान विष्णु की विधिवत पूजा की। साथ ही राजा ने पितरों का श्राद्ध किया, ब्राह्मण भोज और उनके नाम से क्षमता अनुसार दान-पुण्य भी किया, जिसके परिणामस्वरूप राजा के पिता को मुक्ति मिल गई और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई। इतना ही नहीं राजा इंद्रसेन को भी मृत्यु के बाद बैकुंठ धाम की प्राप्ति हुई। यही वजह है कि आज भी लोग इस व्रत का पालन भाव के साथ करते हैं।

किस दौरान नहीं करना चाहिए एकादशी का पारण?

जानें सही विधि और समय

हिंदू धर्म के प्रमुख व्रतों में से एक एकादशी का व्रत माना जाता है। आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को इंदिरा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस साल यह एकादशी 28 सितंबर को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। मान्यताओं के अनुसार, इस शुभ दिन पर भक्त भगवान विष्णु की पूजा करते हैं और कठोर उपवास का पालन करते हैं।

एकादशी माह में दो बार शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में आती है। आज हम इंदिरा एकादशी के पारण का नियम और उसके समय के बारे में जानेंगे, जो इस प्रकार हैं।

इंदिरा एकादशी पारण विधि

भोर में जल्दी उठकर स्नान करें।
पीले और साफ वस्त्र धारण करें।
अपने घर और मंदिर को साफ करें।
भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की विधिवत पूजा करें।
गोपी चंदन और हल्दी का तिलक लगाएं।
देसी घी का दीपक जलाएं।
पीले फूलों की माला अर्पित
घर में बनी हुई मिठाइयों और ऋतु फल का भोग लगाएं।
'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का 108 बार जाप करें।

भाव के साथ आरती करें।

पूजा पूर्ण होने के बाद व्रत का पारण प्रसाद या सात्विक भोजन से करें।

एकादशी व्रत द्वादशी तिथि में खोला जाता है, ऐसे में द्वादशी तिथि के दिन भोर में अपना व्रत खोल सकते हैं।

इस समय नहीं करना चाहिए एकादशी का पारण

अशुभ समय यानी हरि वासर और मध्याह्न के दौरान व्रत तोड़ने से बचें।

राहुकाल के दौरान भी पारण करने से बचना चाहिए।

विष्णु जी पूजन मंत्र

ॐ ह्रीं कार्तविर्यार्जुनो नाम राजा बाहु सहस्त्रवान। यस्य स्मरेण मात्रेण ह्रतं नष्टं च लभ्यते''।।

शांताकारम भुजङ्गशयनम पद्मनाभं सुरेशम।

विश्वाधारं गगनसद्रश्यं मेघवर्णम शुभांगम।

लक्ष्मी कान्तं कमल नयनम योगिभिर्ध्यान नगम्य्म।

वन्दे विष्णुम भवभयहरं सर्व लोकेकनाथम''।

इंदिरा एकादशी पारण समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि शनिवार 27 सितंबर को दोपहर 01 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन रविवार 28 सितंबर को दोपहर 02 बजकर 49 मिनट पर होगा। पंचांग के आधार पर 28 सितंबर को इंदिरा एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

इसके साथ ही 29 सितंबर को सुबह 06 बजकर 13 मिनट से लेकर 08 बजकर 36 मिनट के बीच व्रत का पारण किया जा सकता है।

ऐसे करें श्री हरि की आरती, घर में होगा धन की देवी का आगमन

इंदिरा एकादशी को बहुत ही खास माना गया है। इस दिन भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा का विधान है। वैदिक पंचांग के अनुसार, एकादशी हर महीने शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के 11वें दिन मनाई जाती है, ऐसी मान्यता है कि जो भक्त इस तिथि पर उपवास रखते हैं और विष्णु जी के साथ माता लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा करते हैं, उन्हें विष्णु भगवान की कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में सुबह उठकर अपने घर के मंदिर को साफ करें। फिर पूरे घर में गंगाजल छिड़कें। इसके बाद लक्ष्मीनारायण की एक साथ विधिवत पूजा करें।

पूजा का समापन आरती से करें, लेकिन इस बात का ध्यान दें, कि आरती एक लय में होनी चाहिए। साथ ही आरती गा-गाकर पढ़ें। इससे परिवार की सभी मुश्किलों का अंत होगा।

।।श्री विष्णु जी की आरती।।

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे
ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी! जय जगदीश हरे।
भक्त जनों के संकट, क्षण में दूर करे।।
ॐ जय जगदीश हरे...
जो ध्यावे फल पावे, दुःख विनसे मन का।
स्वामी दुःख विनसे मन का।
सुख सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे तन का।।
ॐ जय जगदीश हरे...
मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूं मैं किसकी।
स्वामी शरण गहूं मैं किसकी।
तुम बिन और न दूजा, आस करूं जिसकी।।
ॐ जय जगदीश हरे...
तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी।
स्वामी तुम अन्तर्यामी।
पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी।।
ॐ जय जगदीश हरे...
तुम करुणा के सागर, तुम पालन-कर्ता।
स्वामी तुम पालन-कर्ता।
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता।।
ॐ जय जगदीश हरे...
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति।
स्वामी सबके प्राणपति।
किस विधि मिलूं दयामय, तुमको मैं कुमति।।
ॐ जय जगदीश हरे...
दीनबन्धु दुखहर्ता, तुम ठाकुर मेरे।
स्वामी तुम ठाकुर मेरे।
अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे।।
ॐ जय जगदीश हरे...
विषय-विकार मिटाओ, पाप हरो देवा।
स्वामी पाप हरो देवा।
श्रद्धा-भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा।।
ॐ जय जगदीश हरे...
श्री जगदीशजी की आरती, जो कोई नर गावे।
स्वामी जो कोई नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी, सुख संपत्ति पावे।।
ॐ जय जगदीश हरे...

पितरों की मुक्ति के लिए जरूरी है इंदिरा एकादशी पर इन चीजों का दान

इंदिरा एकादशी को बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन लोग भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, एकादशी शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के 11वें दिन मनाई जाती है, जिनका अपना एक खास स्थान है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन उपवास और दान-पुण्य अवश्य करना चाहिए, इससे पितृ प्रसन्न होते हैं। इसके साथ भगवान विष्णु की कृपा से जीवन में कभी अन्न और धन की कमी नहीं रहती है। इस तिथि पर क्या दान करना शुभ माना जाता है? आइए उसके बारे में जानते हैं।

इंदिरा एकादशी पर करें इन चीजों का दान

इंदिरा एकादशी पर वस्त्र, कामधेनु गाय की प्रतिमा, पितरों के नाम से जौ और काले तिल, अन्न-धन, तुलसी के पौधे आदि का दान करना परम मंगलकारी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस तिथि पर दान और पुण्य करने से घर में हेमशा समृद्धि बनी रहती है। साथ ही पितरों की आत्माएं तृप्त होती हैं। इसलिए कहा जाता है कि इस एकादशी पर क्षमता अनुसार कुछ न कुछ दान अवश्य करना चाहिए। यह आपके परिवार की बरकत और भलाई के लिए भी जरूरी होता है।

घर की मुंडेर या छत पर कौए का आना देता है 7 संकेत, इस इशारे से आदमी हो जाता है मालामाल

शास्त्रों में कौए के आगमन को महत्वपूर्ण संकेत माना गया है। कौए का आना जीवन में सकारात्मक या नकारात्मक बदलाव का संकेत देता है। यह यात्रा की सफलता, अतिथि के आगमन, या पितृ दोष की चेतावनी भी हो सकता है।

यात्रा में सफलता

घर की छत या मुंडेर पर कौए के आना और बोलना भारतीय ज्योतिष में महत्वपूर्ण माना जाता है, खासकर यात्रा के समय। यदि आप किसी बड़ी यात्रा पर जा रहे हैं और घर में कौआ जोर से बोलता है, तो यह संकेत है कि आपकी यात्रा सफल होगी। यह आपके जीवन में बड़े सकारात्मक बदलाव का भी संकेत है।

नई नौकरी के लिए ये हैं संकेत

यदि कौआ यात्रा करने वाले व्यक्ति के मुंह की ओर बोले, तो यह एक अभिन्न मित्र से भेंट की संभावना को दर्शाता है। खासकर नौकरी के इंटरव्यू पर जाते समय यदि कौआ पश्चिम दिशा में उड़ जाए, तो सफलता सुनिश्चित है।

अतिथि के आगमन का संकेत

सुबह के समय यदि कौआ उत्तर या पूर्व दिशा में बोलता है, तो यह अतिथि के आगमन का संकेत है, जो आपके लिए शुभ हो सकता है, क्योंकि आपकी मुलाक़ात किसी अभिन्न मित्र से हो सकती है जो आपके बिगड़े हुए काम बनाने में मदद करेगा।

रोटी खाता हुआ कौआ

यदि कौआ रोटी खाता है, तो यह आपकी इच्छाओं की पूर्ति का संकेत है। कौए का अंडा मिलना भी शुभ है, जिससे खुशखबरी की संभावना बढ़ती है। घर में कौआ पानी पीता है, तो यह धन लाभ का संकेत है। कौआ अगर पानी पीता है तो समझ लीजिए कि आप बहुत जल्द ही मालामाल होने वाले हैं।

शरीर पर कौए का बैठना

उदास कौआ आने से नकारात्मक घटनाओं की संभावना बढ़ती है। वहीं, यदि कौआ आपके शरीर पर बैठ जाए, तो यह मानसिक तनाव या बीमारी का संकेत हो सकता है।

झुंड में कौए का बोलना

दक्षिण दिशा में कौआ बोलना अशुभ होता है, जिससे पितृ दोष की संभावना बनती है। यदि झुंड में कौए इकट्ठा होकर बोलते हैं, तो यह संकट का संकेत है।

शादी का भी देता है संकेत

जोड़े में कौआ आना जल्द ही शादी का संकेत हो सकता है। इन सभी संकेतों को ध्यान में रखकर आप अपने जीवन की राह को समझ सकते हैं।

भूल भलैया 3 से मंजूलिका की आई पहली झलक

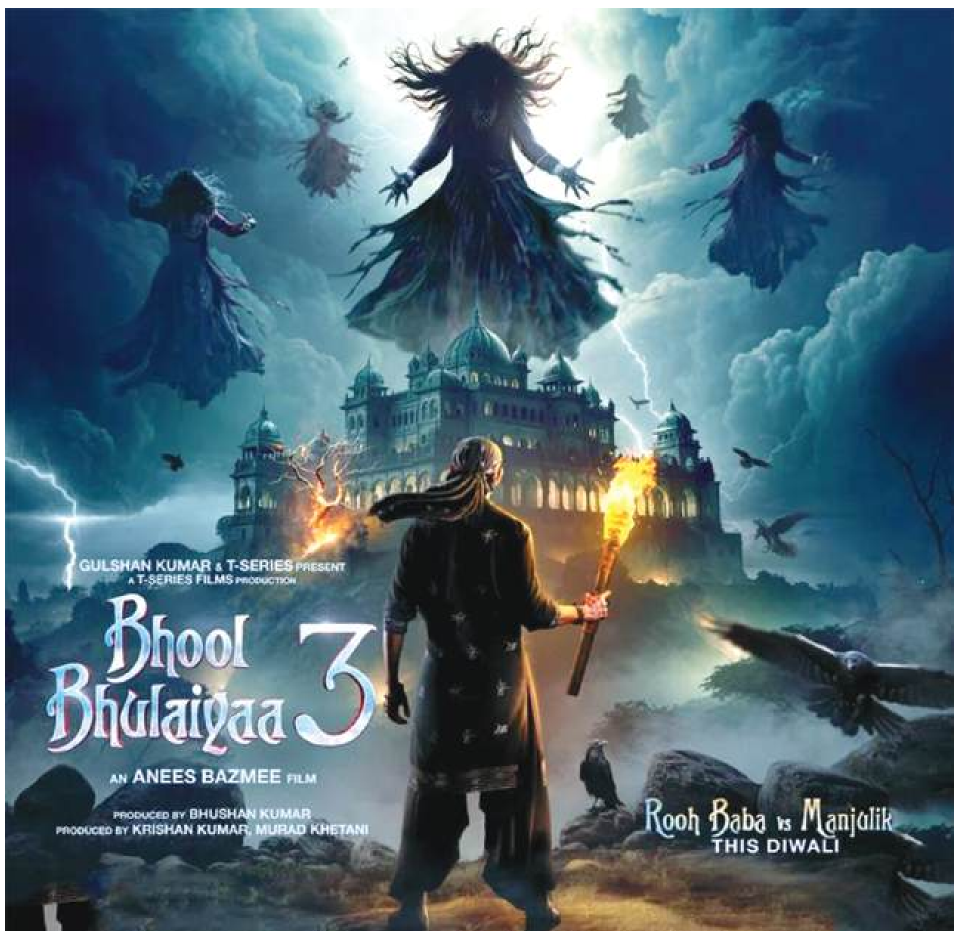

आखिर वो वक्त आ ही गया जिसका सबको इंतजार था, साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म भूल भूलैया 3 के नए पोस्टर में आखिरकार मंजूलिका की झलक सामने आई। कार्तिक आर्यन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म का धांसू पोस्टर रिलीज किया है जिसमें मंजूलिका की डरावनी झलक दिखाई दे रही है वहीं कार्तिक रूह बाबा के रूप में मशाल लिए हुए खड़े हैं। हॉरर कॉमेडी का पोस्टर वाकई में काबिल ए तारीफ है जिस पर फैंस अलग अलग तरह से रिएक्ट कर रहे हैं।इस दिवाली पर कार्तिक आर्यन की भूल भलैया 3 रिलीज होने जा रही है कार्तिक ने फिल्म का नया पोस्टर रिलीज करते हुए मंजूलिका की झलक फैंस को दिखाई है। धांसू पोस्टर शेयर करते हुए कार्तिक ने लिखा- रूह बाबा बनाम मंजुलिका...इस दिवाली, भूलभुलैया3, ये दिवाली भूल भुलैया वाली। कार्तिक के इस पोस्ट पर फैंस ने खूब रिएक्शन दिए। एक ने लिखा- रूह बाबा आ गए हैं इस बार बॉक्स ऑफिस पर ब्लास्ट होगा। एक ने कमेंट किया- द मोस्ट अवेटेड बैटल, रूह बाबा वर्सेज मंजूलिका। एक ने लिखा- दिवाली धमाका सुपर एक्साइटेड। एक ने कमेंट किया- रूह बाबा का मैजिक फिर से बिखरने वाला है मंजूलिका की झलक देखने को बेताब हैं हम, अब फिल्म का और इंतजार नहीं कर सकते।वर्कफ्रंट की बात करें तो कार्तिक की पिछली रिलीज चंदू चैंपियन थी जो इस साल जून में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म के लिए कार्तिक ने गजब का ट्रांसफॉर्मेशन किया था। अब उनकी अपकमिंग फिल्म भूल भूलैया 3 है जिसमें वे अपने चर्चित किरदार रूह बाबा के रूप में नजर आएंगे। फिल्म में उनके अपोजिट तृप्ति डिमरी होंगी। उनके अलावा विद्या बालन, राजपाल यादव, विजय राज जैसे कलाकार होंगे। फिल्म का सरप्राइज फैक्टर माधुरी दीक्षित हैं। दर्शक फिल्म के लिए काफी एक्साटेड हैं जो दिवाली के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

वॉर 2 के सेट से लीक हुआ ऋतिक-कियारा का रोमांटिक सीन

ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी इस समय इटली में वॉर 2 की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग की कई तस्वीरें और वीडियो पहले ही वायरल हो चुके हैं। तस्वीरों के एक सेट में ऋतिक और कियारा इटली की सड़कों पर हाथों में हाथ डाले घूमते और प्यारे पल बिताते नजर आ रहे हैं। ऋ तिक ने वायरल वीडियो में जींस के साथ व्हाईट टी-शर्ट के ऊपर ब्लू शर्ट पहनी हुई है वहीं कियारा पिंक ड्रेस में खूबसूरत लग रही हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक वॉर 2 के इस गाने को प्रीतम ने बनाया है जिसे वेनिस, टस्कनी, लेक कोमो, नेपल्स, अमाल्फी कोस्ट और सोरेंटो जैसी खूबसूरत लोकेशन पर शूट किया जाएगा।

वॉर 2 की शूटिंग अक्टूबर 2023 में शुरू होगी। ऋतिक कियारा के इस वायरल वीडियो पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा- वॉव ऋतिक और कियारा की जोड़ी कितनी प्यारी लग रही है। एक ने कमेंट किया- मैं ऋतिक और कियारा को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने के लिए बेताब हूं। एक ने कमेंट किया- वॉर 2 का बेसब्री से इंतजार है।यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई ऋतिक और टाइगर स्टारर वॉर का सीक्वल है जो हिट रही थी। सीक्वल में, ऋतिक और आरआरआर स्टार जूनियर एनटीआर आमने-सामने होंगे। इस फिल्म से एनटीआर अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं।

फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन देखने को मिलेगा क्योंकि दोनों सितारे बड़े पर्दे पर एक्शन हीरो की इमेज से जाने जाते हैं। कुछ दिनों पहले, ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे इटली के खूबसूरत नजारों को एंजॉय कर रहे हैं। वॉर 2 में ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी अहम रोल प्ले करते नजर आएंगे।

अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ने पियानो पर छेड़ी जब हैरी मेट सेजल के हवाएं की धुन

अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ने पियानो पर हवाएं की मधुर धुन बजाते हुए मंत्रमुग्ध कर देने वाले एक वीडियो से दर्शकों का मन जीत लिया।शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा अभिनीत रोमांटिक कॉमेडी जब हैरी मेट सेजल में दिखाया गया यह गाना आकांक्षा की संगीत प्रतिभा और कला के प्रति जुनून को दर्शाता है।2017 की फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया में किरण की भूमिका के लिए जानी जाने वाली आकांक्षा ने इंस्टाग्राम पर एक आकर्षक रील वीडियो शेयर किया।क्लिप में वह एक काले रंग की हॉल्टर नेक टॉप और मैचिंग स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने अपने घुंघराले बालों को एक बन में खूबसूरती से स्टाइल किया है। अभिनेत्री को इसमें पियानो पर हवाएं की धुनों को खूबसूरती से प्ले करते हुए सुना जा सकता है।34 वर्षीय अभिनेत्री ने वीडियो को कैप्शन देते हुए लिखा, जब मेरी उंगलियां कीबोर्ड पर नाचती हैं, तो मैं एक ऐसी दुनिया में खो जाती हूं, जहां शांति का राज होता है, मूल्य महसूस होता है और उद्देश्य मिलता है।आकांक्षा ने एक थिएटर कलाकार के रूप में अपनी शुरुआत की और 2012 में कलर्स टीवी के शो ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा से स्क्रीन पर नजर आई। उन्होंने 2017 में बद्रीनाथ की दुल्हनिया से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की।सिंह ने 2017 में मल्ली रावा से तेलुगु फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद वह देवदास, पैलवान और रनवे 34 जैसी फिल्मों में नजर आईं।वह वेब सीरीज रंगबाज: डर की राजनीति में सना का किरदार निभा रही हैं। आकांक्षा वेब शो परंपरा एस्केप लाइव और मीट क्यूट में भी नजर आ चुकी हैं।उन्हें पिछली बार जियोसिनेमा के लिए संतोष सिंह द्वारा निर्देशित युद्ध ड्रामा सीरीज रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड में देखा गया था। इस सीरीज में आशुतोष राणा, आशीष विद्यार्थी, जिमी शेरगिल, लारा दत्ता, मीर सरवर, प्रसन्ना, सिकंदर खरबंदा और अन्य कलाकार हैं।दिवा अगली बार तेलुगु फिल्म षष्ठीपूर्ती में नजर आएंगी।

अनन्या पांडे की फिल्म सीटीआरएल से पहला लुक जारी

विंटेज स्कूल गर्ल बन जीत रहीं दिल

अनन्या पांडे इन दिनों बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स कर रही हैं। हाल ही में उनकी सीरीज कॉल मी बे रिलीज हुई थी जिसे दर्शकों का पॉजिटिव रिस्पांस मिला। अब अनन्या ने अपनी अपकमिंग फिल्म सीटीआरएल से अपना लुक रिवील कर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इस अपकमिंग फिल्म में अनन्या पांडे विंटेज स्कूल गर्ल वाइब्स देती नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना पहला लुक शेयर किया। उनकी इन फोटोज पर फैंस ने खूब प्यार लुटाया है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई इन फोटोज में स्टूडेंट ऑफ द ईयर2 एक्ट्रेस चेकर्ड स्वेटर के साथ ब्राउन स्कूल स्कर्ट पहने दिख रही हैं।अनन्या पांडे ने चोटी में आधे बंधे बालों को साथ अपने लुक को पूरा किया है। उनका हेयर स्टाइल उनके आउटफिट के वाइब को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहे हैं, जिसे उन्होंने काले मोजे और ट्रेंडी प्लेटफॉर्म शूज के साथ पूरा किया है।सीटीआरएलळ विक्रमादित्य मोटवानी और अविनाश संपत द्वारा लिखित और निर्देशित एक अपकमिंग थ्रिलर फिल्म है, जिसके संवाद सुमुखी सुरेश द्वारा लिखे गए हैं। निखिल द्विवेदी और आर्य मेनन द्वारा प्रोड्यूस इस फिल्म में अनन्या और विहान समत हैं। इसके साथ ही फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी नजर आएंगे। यह फिल्म 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।उन्होंने हाल ही में कॉलिन डीळकुन्हा द्वारा निर्देशित कॉमेडी सीरीज कॉल मी बे से अपना वेब सीरीज डेब्यू किया है। इसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी हैं। यह प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है।

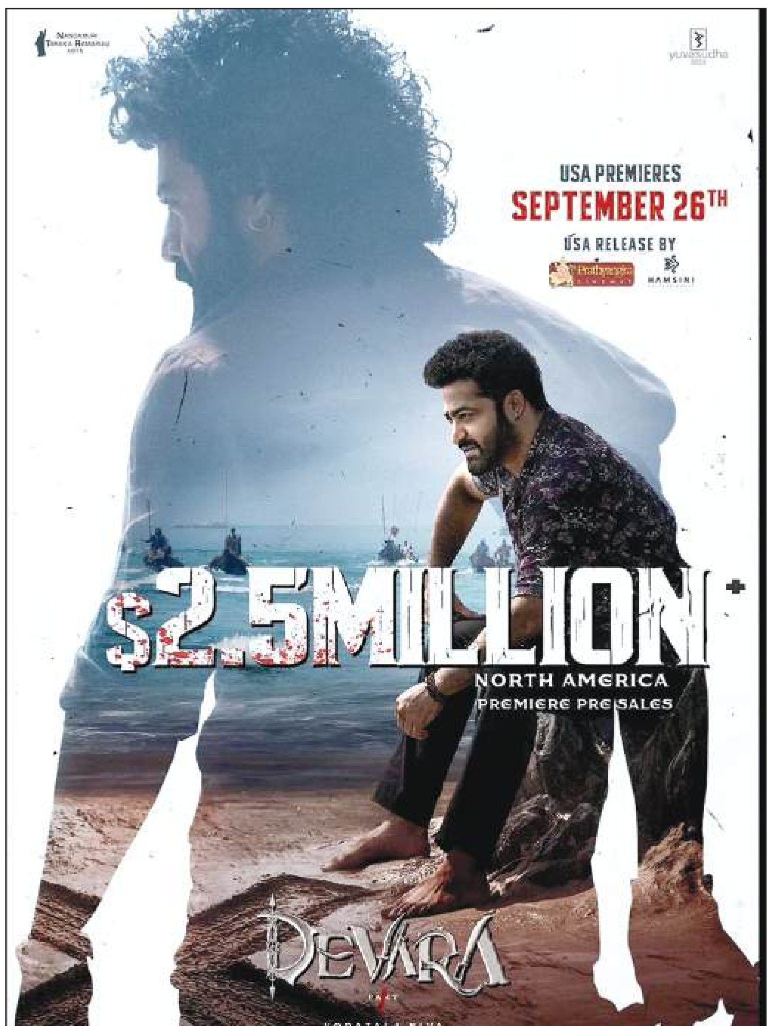

देवरा रिलीज होते ही

जूनियर एनटीआर के फैंस ने जमकर मनाया जश्न

जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान की मच अवेटेड फिल्म 'देवरा' आखिरकार बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म को दर्शकों का भी जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। कोरताला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म के रिलीज होते ही थिएटरों के बाहर जश्न का माहौल देखने को मिला। एक तरफ जहां थिएटरों के बाहर जूनियर एनटीआर के कटआउट लगाए गए तो वहीं दूसरी ओर लोगों ने दिवाली से पहले ही जमकर आतिशबाजी की, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। 'देवरा' के सुबह के शोज भी हाउसफुल रहे।

देवरा' के रिलीज होते ही थिएटरों के बाहर खूब फूटे पटाखे

ट्विटर पर वायरल हो रहे इन वीडियोज में जूनियर एनटीआर के फैंस जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जहां कुछ लोग 'देवरा' की रिलीज के बाद पटाखे फोड़ रहे हैं तो वहीं कुछ मस्ती में डांस कर रहे हैं।

इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच एक अलग ही खुशी और उत्साह देखने को मिल रहा है। एक्स हैंडल पर वायरल हो रहे इन वीडियोज में देखा जा सकता है कि फैंस अपने हाथों में जूनियर एनटीआर के कटआउट लेकर खूब डांस कर रहे हैं।

देवरा' की कहानी

बता दें कि कोरताला शिवा के निर्देशन में बनी फिल्म 'देवरा' में समुद्री लुटेरों की कहानी को दिखाया जाएगा। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर 'देवरा' का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में एक्टर सैफ अली खान नेगेटिव रोल में हैं। वहीं इस फिल्म में जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर के बीच जबरदस्त रोमांस देखने को मिल रहा है।

रश्मिका मंदाना ने लहंगे में चुरा ली सारी लाइमलाइट

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को अपनी ओर रिझाना बखूबी जानती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही छा गई हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना हमेशा अपने लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं। उनका स्टनिंग लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने सिल्वर कलर का सिजलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आ रही हैं।कजरारी आखें, न्यूड लिप्सटिक लगाकर और कानों में झुमकें पहन कर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।श्मिका मंदाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्दी ही सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2 में नजर आने वाली है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरूरत है। यदि आप– को लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नज़र बनाए रखने की जरूरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। हालांकि वरिष्ठों से कुछ विरोध के स्वर सुनाई देंगे– लेकिन फिर भी आपको दिमाग़ ठण्डा रखने की ज़रूरत है। यात्रा और भ्रमण खुशनुमा न सिर्फ़ आनन्ददायक सिद्ध होंगे, बल्कि काफ़ी शिक्षाप्रद भी रहेंगे। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगे।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ़ ले सकते हैं। ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। प्यार में अपने अशिष्ट बर्ताव के लिए माफ़ी मांगें। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अगर आप और आपका जीवनसाथी खाने–पीने पर ज़्यादा ध्यान देंगे, तो सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। एक खुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका संगी आपसे सिर्फ़ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी ये खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। काम का तनाव आपके दिमाग पर छा सकता है जिसकी वजह से परिवार और मित्रों के लिए वक़्त नहीं निकाल सकेंगे। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत महसूस करेंगी। आपको एहसास होगा शाम का वक्त सुकून भरा हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेंगी। आज आपका मन अधिकतर काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और ख़ूबियों पर गौर करेंगे। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्तत: सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

खाने–पीने वक़्त सावधान रहें। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। प्यार का क़दम और लुत्फ़ मिल सकता है। कामकाज के मोर्चे पर आपको कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आप– को कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज अच्छी सेहत का मज़ा लेने से आप वंचित हो सकते हैं। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

तनाव और चिंता में इज़ाफ़ा मुमकिन है। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फ़ायदा होने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरस्कार देंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। एक बढ़िया जीवनसाथी के साथ जीवन वाक़ई अद्भुत लगता है और आज आप इस बात का अनुभव कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। बहुत ख़ुशनुमा और प्यारे इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया कार्यक्षेत्र के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच कामयाबी देगी। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आज किसी करीबी से आपको झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खासा धन खर्च हो सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और ख़ूबियों पर गौर फ़रमाएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आपके और जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की ज़रूरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 28 सितंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 02:52 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 03:38 तक
योग : सिद्ध रात्रि 11:49 तक
करण : बालव दोपहर 02:52 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 03:38 तक
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:11 (बेंगलुरु)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:03 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : इंदिरा एकादशी व्रत , एकादशी श्राद्ध

❖ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❖
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण ग्रह अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डबल इंजन की सरकार में दोगुनी हुई हरियाणा के विकास की रफ्तार : भजनलाल

तोशाम (हरियाणा), 27 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस पर हरियाणा में नौकरियों और जमीनों में सिर्फ घोटाले करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा में नौकरी के लिए पैसे लगते थे लेकिन इसके बाद डबल इंजन की सरकार में युवाओं को रोजगार और किसानों को सम्मान मिल रहा है और विकास की रफ्तार दोगुनी हो गई है।

श्री शर्मा शुक्रवार को हरियाणा के तोशाम विधानसभा क्षेत्र के बापोड़ा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी श्रुति चौधरी के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हरियाणा को जवान और किसान की धरती बताते हुए कहा कि मेहनतकश किसान देश को आगे बढ़ाता है और किसान का बेटा मां भारती की सेवा में समर्पित रहता है लेकिन कांग्रेस ने हरियाणा में नौकरियों और जमीनों में सिर्फ घोटाले किए। उन्होंने कहा कि मां भारती के सपूतों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर देश को शिक्षा और प्रगति के सपनों के साथ गुलामी की जंजीरों से आजादी दिलाई लेकिन आजादी के बाद लम्बे समय तक कांग्रेस ने सिर्फ भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण के आधार पर शासन किया। गरीबी हटाओ का नारा देने वाली कांग्रेस का गरीबों से कभी कोई नाता नहीं रहा जबकि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने देश में विकास की परिभाषा को बदल दिया। गरीब कल्याण की योजनाओं, विकास कार्यों से लेकर आतंकवाद के खात्मे सहित हर क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। नरेन्द्र (स्वामी विवेकानंद) के इस सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है तथा आज दुनिया में भारत का झण्डा बुलन्द हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को झूठी चुनावी घोषणाओं और घोटालों का पुलिन्दा बताते हुए कहा कि वह हमेशा से सिर्फ चुनावों के समय झूठी घोषणाएं करती आई है। आमजन को कांग्रेस के पिछले घोषणा पत्रों को देखना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि देश को मजबूत रखने और दुनिया में भारत को प्रथम बनाने के लिए केन्द्र में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने आह्वान किया कि मजबूत राष्ट्र और विकसित हरियाणा के निर्माण के लिए हरियाणा में भाजपा की जीत की हेट्रिक के साथ तोशाम प्रत्याशी श्रुति चौधरी को भारी मतों से विजयी बनाएं।

राहुल देश को शर्मसार करने का नहीं छोड़ते कोई मौका

असंध (हरियाणा), 27 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर दुनिया में देश को शर्मसार करने का कोई मौका नहीं छोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह जब विदेश जाते हैं तो वहां देश विरोधियों के साथ मुलाकात करते हैं। उन्हें जनता को बताना चाहिए कि उनका उनसे क्या रिश्ता है।

श्री शर्मा शुक्रवार को हरियाणा के असंध विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी योगेन्द्र राणा के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह सिख भाइयों के लिए अनुचित टिप्पणी कर देश का मान गिराने का काम करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि कांग्रेस सरकार के समय में 1984 के दौरान सिखों के साथ क्या हुआ था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का गरीब तथा मजदूर से कोई नाता नहीं है। इस पार्टी ने गरीब का हमेशा ही शोषण किया है जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल चार जातियों–किसान, मजदूर, युवा और महिला को केन्द्र में रखकर उनके उत्थान के लिए अनवरत कार्य किया है। उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों से आज हर वर्ग का कल्याण सुनिश्चित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा की सरकार ने हरियाणा के विकास को गति दी है। आज हरियाणा विकास के पथ पर दोगुनी रफ्तार से दौड़ रहा है। औद्योगिक क्षेत्रों का विकास, हाईवे का निर्माण और किसानों का कल्याण भाजपा सरकार ने किया है। इस विकास की गति को बनाए रखने के लिए भारी समर्थन के साथ फिर से भाजपा की सरकार बनाई जानी चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के शासन में वर्ष 2014 से पहले देश में होने वाले भ्रष्टाचार और घोटालों को सभी जानते हैं। कांग्रेस ही देश में भ्रष्टाचार की जननी है और इसने सिर्फ लूटने और झूठ बोलने का ही काम किया है। कांग्रेस शासन में बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, भीड़ वाली जगहों पर बम विस्फोट की घटनाएं आम बात हो गई थी लेकिन श्री मोदी ने जब से देश की कमान संभाली है, दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। श्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण और भारत के बढ़ते गौरव से पूरा विश्व परिचित है। उन्होंने कहा कि आज देश विकास के पथ पर अग्रसर है और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से दूर–दराज के क्षेत्रों में सुदृढ़ सड़क तंत्र विकसित हुआ है, जिसका लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। इस अवसर पर श्री शर्मा ने असंध विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी योगेन्द्र राणा को अधिकाधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की।

कुमारी सैलजा जोर–शोर से पार्टी प्रत्याशियों का प्रचार करने में जुटीं

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस से नाराज बताई जा रहीं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा हरियाणा विधानसभा चुनाव में ज़ोर–शोर से पार्टी प्रत्याशियों के प्रचार में लग गई हैं। कुमारी सैलजा ने शुक्रवार को कालांवली, टोहाना विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करने की जानकारी दी। गुरुवार शाम उन्होंने हिसार में प्रचार किया था।

लगभग एक पखवाड़े से प्रचार से दूर रहीं कुमारी सैलजा गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की करनाल जिले में रैली में शामिल हुई थीं। रैली में हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा भी थे। खबरें थीं कि चुनावों में टिकट वितरण में श्री हुड्डा गुट को तरजीह देने और फिर कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कुमारी सैलजा को लेकर कथित जाति सूचक टिप्पणी के बाद वह नाराज हो गईं थीं और खुद को पार्टी प्रचार से दूर कर लिया था। उससे पूर्व उन्होंने इस आशय का भी बयान दिया था कि वह विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती थीं और मुख्यमंत्री पद की भी दावेदार थीं। सूत्रों के अनुसार इस बीच, कांग्रेस अंदरखाने उन्हें मनाने की कोशिश करती रही, श्री हुड्डा ने भी कार्यकर्ता की विवादास्पद टिप्पणी के बाद तुरंत बयान दिया था कि कुमारी सैलजा उनकी बहन की तरह हैं और उनके खिलाफ ऐसी टिप्पणी करने वाले के लिये कांग्रेस में जगह नहीं हो सकती।

इस दौरान, केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कुमारी सैलजा को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का निमंत्रण दे दिया। भाजपा ने इसे दलितों और महिलाओं के अपमान का मुद्दा बनाने की कोशिश करते हुए कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया। भाजपा के आक्रामक होने का हालांकि नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने डैमेज कंट्रोल शुरू किया और दोनों पक्षों को मनाया। आखिरकार, श्री गांधी की रैली में कुमारी सैलजा शामिल हुईं और प्रचार में सक्रिय हुईं। कुमारी सैलजा ने मीडिया से बातचीत में गुरुवार को कहा था कि वह कभी कांग्रेस से दूर नहीं हुई थीं और भाजपा को अपने 10 साल के कुशासन को लेकर जवाब देना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिये वह मुद्दा ढूंढने के लिये कांग्रेस की ओर देखती है।

54 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध शराब नशीले पदार्थ जब्त: हरियाणा सीईओ

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी पंकज अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि 16 अगस्त से 25 सितंबर के बीच कुल मिलाकर 54.46 करोड़ रुपए की अवैध शराब, नशीले पदार्थ, नकदी और कीमती सामान जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 14 करोड़ रुपये की जब्त की गई विभिन्न वस्तुओं की भी जांच चल रही है।

सीईओ अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा पुलिस अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर लगातार कड़ी निगरानी रख रही है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से पुलिस, आयकर, उत्पाद

शुल्क और कराधान विभाग, राज्य माल और सेवा कर, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा कार्रवाई की गई है। अग्रवाल ने कहा कि पुलिस, आयकर विभाग और राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभागों द्वारा 18.82 करोड़ रुपये से अधिक नकदी जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, विभिन्न एजेंसियों ने 12.87 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 3.89 लाख लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त की है। इसमें हरियाणा पुलिस द्वारा जब्त की गई 9.24 करोड़ रुपये से अधिक की 2.75 लाख लीटर की अवैध शराब और आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा जब्त की गई 3.55 करोड़ रुपये से अधिक की 1.13 लाख लीटर की अवैध शराब शामिल है।

इसके अलावा आरपीएफ, राज्य माल एवं सेवा कर और अन्य एजेंसियों ने सात लाख रुपये से अधिक मूल्य की 1,303 लीटर अवैध शराब जब्त की। अग्रवाल ने आगे कहा कि एजेंसियों ने 8.46 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 2,866 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थ जब्त किए हैं।

कांग्रेस ने 13 बागियों को पार्टी से किया निष्कासित किया

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा कांग्रेस ने शुक्रवार को पार्टी से बगावत कर विधानसभा चुनाव लड़ रहे 13 बागियों को पार्टी से निष्कासित कर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदय भान के यहां जारी बयान के अनुसार पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बागियों पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने को लेकर कार्रवाई की गयी है और उन्हें छह साल के लिये पार्टी से निष्कासित किया गया है, जिनके खिलाफ कार्रवाई की गयी है। उनमें नरेश ढांडे (गुहला सुरक्षित), प्रदीप गिल (जींद), सज्जन सिंह ढुल और सुनीता बत्तन (पुंडरी), राजीव गोंदर और दयाल सिंह सिरोही (नीलोखेड़ी सुरक्षित), विजय जैन (पानीपत ग्रामीण), दिलबाग संदिल (उचाना कलां), अजित फोगाट (दादरी), अभिजीत सिंह (भिवानी), सतबीर रतेरा, नीतू मान (पृथला) और अनीता ढुल बदसिकरी (कलायत) शामिल हैं।

श्री अन्न को बढ़ावा मिलने से देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी ताकत: चौधरी

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने राजस्थान को देश में बाजरा, जौ, मक्का जैसे मोटे अनाज (श्री अन्न) के उत्पादन में अग्रणी बताते हुए कहा है कि श्री अन्न के कई फायदे हैं और इससे विशेषकर छोटे किसानों को बहुत लाभ हैं वहीं इनकी आय बढ़ने के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

श्री चौधरी ने शुक्रवार को जयपुर में फिक्की द्वारा आयोजित राजस्थान मिलेट्स (मोटा अनाज) कॉन्क्लेव–2024 के दूसरे संस्करण में सम्मिलित होकर यह बात कही। कार्यक्रम की थीम देश के मिलेट्स हब के रूप में उभरता हुआ राजस्थान विषय पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्र सरकार और प्रदेश की भजनलाल सरकार बड़े पैमाने पर श्री अन्न को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि बाजरा हमारे कृषि एवं भौगोलिक परिदृश्य के अनुरूप आशाजनक भविष्य का प्रतीक है। इसमें बेहतर स्वास्थ्य के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनाने वाले आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसी के तहत 2023 को इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर के रूप में मनाते हुए इसे बढ़ावा दिया गया। उन्होंने कहा कि श्री अन्न के फायदे ही फायदे हैं, विशेषकर हमारे छोटे किसानों को इससे बहुत लाभ हैं। श्री अन्न से उनकी आय बढ़ने के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को ताकत मिलेगी।

श्री चौधरी ने श्री अन्न को बढ़ावा देना छोटे किसानों के लिए वरदान बताते हुए कहा कि श्री अन्न का सेवन स्वस्थ रहने का माध्यम है। श्री अन्न पोषकता से परिपूर्ण है, जिसे उगाने में किसानों को लागत कम आती है, इसके लिए फर्टिलाइजर की जरूरत नहीं पड़ती, कम बारिश में भी इसकी खेती आसानी से हो सकती है। छोटे किसानों की आमदनी बढ़ाने, लोगों को स्वस्थ रखने एवं देश–दुनिया में, भोजन की थाली में श्री अन्न को सम्मानजनक स्थान दिलाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से वैश्विक मंच पर प्रस्ताव रखा, जिसका 72 देशों ने समर्थन किया और यूएन ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के मार्गदर्शन में श्री अन्न की महत्ता का प्रसार हो रहा है। श्री अन्न से एग्री स्टार्टअप्स बढ़ने के साथ रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है।

पर्यटन को बढ़ावा देने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण: दिया कुमारी

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को जयपुर में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से राजस्थानी लोक कलाकारों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से सराबोर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल पर आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में दर्शकों को जयपुर घराने का परम्परागत कथक एवं राजस्थानी लोक नृत्यों की जुगलबंदी ने दर्शकों को आनंदित किया। सांस्कृतिक संध्या के दौरान कालबेलिया एवं घूमर नृत्य की भी प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट कोरियोग्राफी को खूब सराहा गया। इस अवसर पर दिया कुमारी ने सोशल मीडिया कन्टेन्ट क्रिएटर्स को सम्मानित किया। इसके पूर्व उन्होंने आरटीडीसी जोधपुर के मारवाड हॉल का वर्चुअल उद्घाटन किया। उपमुख्यमंत्री ने विश्वपर्यटन दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमें राजस्थान के पर्यटन, कला एवं संस्कृति पर गर्व है। हम राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाएंगे, राजस्थान को पूरी दुनिया में पर्यटन में नम्बर एक बनाएंगे।

इसमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का महत्वपूर्ण रोल होगा।

उन्होंने कहा कि आज का जमाना सोशल मीडिया का है। सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी पर्यटन स्थान को बढ़ावा दिया जा सकता हैं। इसके माध्यम से किसी भी पर्यटन स्थल का फोटो वीडियो बनाकर उसे त्वरित प्रभाव से आम लोगों तक पंहुचा दिया जाता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे हमारे राजस्थान पर्यटन के अम्बेसेडर के रूप में सोशल मीडिया और फोन के माध्यम से पर्यटन स्थल को आगे बढ़ाएं।

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की इकॉनमी में पर्यटन की भागीदारी स्टेट जीडीपी की क़रीब 15 प्रतिशत तक है। उन्होंने कहा कि हमारे महल, किले, बावड़ियों ऐतिहासिक स्मारकों के साथ ही हमारे यहां रूरल टुरिज्म, वाइल्डलाइफ टुरिज्म में भी पर्यटन के बहुत अवसर हैं। उन्होंने कहा कि इस साल 2024 में वर्ल्ड टूरिज्म डे की थीम टूरिज्म एन्ड पीस रखी गई है। उन्होंने कहा कि दुनियां में शांति से ही पर्यटन का विकास संभव है उन्होंने कहा कि इस साल राईजिंग राजस्थान और अगले साल मार्च 2025 में आईफा अवार्ड भी राजस्थान के पर्यटन के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। निवेशकों द्वारा आने वाले राईजिंग राजस्थान समिट में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया जाकर राज्य की आर्थिक सफलता की कहानी में भागीदार बना जा सकता है।

इसी प्रकार आईफा अवार्ड्स से राज्य में पर्यटन का विकास होगा। दिया कुमारी ने कहा कि हम सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से भी ब्रांड राजस्थान को प्रमोट कर रहे है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही एक पर्यटन का ऐप शुरु किया जाएगा। हम तकनीक, मीडिया और सोशल मीडिया, मार्केटिंग तथा प्रचार प्रसार तथा बेहतर नीतियों और योजनाओं के माध्यम से राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाएंगे।

देश की सुरक्षा सजग प्रहरियों के हाथों में हैं : दत्तात्रेय

जैसलमेर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले ने राजस्थान में जैसलमेर के तनोट क्षेत्र से लगती भारत पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों और अधिकारियों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा सजग प्रहरियों के हाथों में है।

श्री दत्तात्रेय ने कहा कि वे अपने बेहतर क्रिया–कलापों से धन्यवाद के पात्र हैं। बीएसएफ संपूर्ण भारतवासियों का गौरव हैं, उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। इससे पहले उनके भारत पाकिस्तान की सीमा पर तनोट परिसर में पहुंचने पर बीएसएफ राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक एम एल गर्ग, उत्तर क्षेत्र के उप महानिरीक्षक योगेंद्र सिंह राठौड़ आदि अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। विभाग सह संघचालक अमृतलाल दैया ने शुक्रवार को बताया कि जैसलमेर प्रवास के क्रम में श्री दत्तात्रेय शाम को तनोट पहुंचे, वहां से सीमा दर्शन के अपने कार्यक्रम के तहत वह अन्तरराष्ट्रीय सीमा स्थित बीएसएफ की सीमा चौकी बबलियान से भारत पाकिस्तान सीमा का अवलोकन किया। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से बातचीत की और आसपास के क्षेत्र को जाना। उन्होंने बीएसएफ की संचालन कार्य प्रणाली को समझा। तत्पश्चात् देशवासियों की ओर से सुरक्षा बलों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल की बबलियान पोस्ट पर उन्होंने पौधारोपण भी किया।

बिहार यात्रा पर निकले उपेंद्र कुशवाहा का राजद पर तीखा वार

2025 में एनडीए की सरकार बनने का किया दावा

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा अपनी बिहार यात्रा के दौरान रोहतास पहुंचे। यहां उन्होंने राजद (राष्ट्रीय जनता दल) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मगध और शाहाबाद क्षेत्र में हाल के लोकसभा चुनाव परिणामों में राजद के पक्ष में आए नतीजे सिर्फ एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की आंतरिक कमजोरी का परिणाम थे, न कि जनता के पूर्ण समर्थन का।

कुशवाहा ने अपने बयान में साफ किया कि राजद को जो सफलता मिली है, वह एनडीए के अंदरूनी मतभेद और असमंजस के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि राजद को इस छोटी सी जीत पर खुश नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह खुशी 2025 के विधानसभा चुनावों में गम में बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए पूरी ताकत और एकजुटता के साथ उतरेगा और बिहार में फिर से सत्ता में लौटेगा।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि उनकी बिहार यात्रा का मुख्य उद्देश्य एनडीए को मजबूत करना है और इसके सभी घटक दलों के बीच एकजुटता स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि एनडीए पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होकर चुनाव में उतरेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए 2020 के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करेगा और राज्य में एक बार फिर से एनडीए की ही सरकार बनेगी।

कुशवाहा ने यह भी कहा कि मगध और शाहाबाद क्षेत्रों में हुई एनडीए की हार पर राजद का खुश होना गलत है, क्योंकि यह हार राजद की लोकप्रियता का परिणाम नहीं है, बल्कि एनडीए के भीतर हुए विरोधाभासों का नतीजा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे 2025 में एनडीए को एक बार फिर मौका दें, ताकि राज्य में विकास और प्रगति का कार्य जारी रह सके।

उपेंद्र कुशवाहा ने बंगाल में बिहारी छात्रों पर हुए हमले को लेकर भी कड़ा विरोध जताया। उन्होंने इस घटना को बेहद निंदनीय करार दिया और बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस मामले में तुरंत कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भारत एक अखंड देश है। जहां किसी भी राज्य के नागरिक किसी अन्य राज्य में जाकर बस सकते हैं, काम कर सकते हैं और शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। ऐसी घटनाएं देश की एकता और अखंडता के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में बिहारी छात्रों के साथ हुआ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बंगाल सरकार से अपील की कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

उपेंद्र कुशवाहा की बिहार यात्रा करीब दो से ढाई महीने चलेगी, जिसमें वे राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा कर एनडीए को मजबूती प्रदान करने और जनता से सीधे संवाद स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी यह यात्रा एनडीए की ताकत को बढ़ाने और विपक्ष की राजनीति का मुकाबला करने के लिए की जा रही है। कुशवाहा का मानना है कि इस यात्रा के माध्यम से वे जनता की समस्याओं को करीब से समझ सकेंगे और एनडीए की चुनावी रणनीति को और अधिक प्रभावी बना सकेंगे।

बिहारी छात्रों को धमकाने वाला आरोपी बंगाल में धराया

सोशल मीडिया पर टैग करने के बाद हुई कार्रवाई

पटना (एजेंसियां)।

बिहार से सिलीगुड़ी परीक्षा देने गए युवकों को धमकाने वाले आरोपी को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। आरोपी रजत भट्टाचार्य है जो बांग्ला पक्खो नामक कट्टरपंथी संगठन का एक सदस्य है।

दरअसल बिहार के कुछ छात्र एसएसबी की परीक्षा देने सिलीगुड़ी गए थे। परीक्षार्थी एक ही कमरे में थे।तभी बांग्ला पक्खो नाम के कट्टरपंथी संगठन के लोग वहां पहुंचे और छात्रों को धमकाने लगे। आरोपियों ने छात्रों से कहा कि, 'बिहार का होकर तुमलोग बंगाल में नौकरी करने क्यों आये हो? इस दौरान उनलोगों के साथ मारपीट करने की भी कोशिश की गई। इस घटना के दौरान उनमें से एक ने उस घटना का वीडियो बना लिया और फिर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने जमकर इस पर प्रतिक्रिया जाहिर की। लोगों ने बंगाल सरकार को जमकर कोसा। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी खूब किरकिरी हुई।

वीडियो वायरल होने के बाद बिहार पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए बंगाल पुलिस के सोशल मीडिया पर टैग कर आवश्यक कार्रवाई करने की पहल की। इसके बाद पश्चिम बंगाल की सिलीगुड़ी पुलिस हरकत में आई और आरोपी की पहचान करते हुए आरोपी रजत भट्टाचार्य को कुछ ही घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

वीडियो वायरल होने के बाद ठाकुरगंज के पूर्व विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल ने प्रतिक्रिया देते हुए पश्चिम बंगाल की ममता सरकार की कड़ी निन्दा की और आरोपी पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने बिहार के इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। साथ ही बंगाल सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे बिहार में बहुत बड़े पैमाने पर बंगाल और अन्य राज्यो के लोग शिक्षा, रेल व अन्य क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इस वीडियो को देखते हुए कहीं ये लोग शुरू हो गये, तब तब क्या होगा। उन्होंने बंगाल सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे गलत लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर देश को एक अच्छा संदेश दे, ताकि बिहार या अन्य राज्य में बंगाल के लोग शांति से कार्य कर सकें।

बिहार में जाति पर सियासत तेज, लालू ने पूछा–

ऊ मुसहर हैं क्या? मांझी बोले– हमें अपनी जाति पर गर्व

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को गड़ेरिया जाति का बताया था। इस पर पलटवार करते हुए लालू ने बृहस्पतिवार को अपने ही अंदाज में सवाल उठाया–ऊ मुसहर हैं क्या? इस पर मांझी ने भी जवाब देने में देरी नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि वह मुसहर हैं और उन्हें अपनी जाति पर गर्व है।

जाति को लेकर यह सारा विवाद नवादा जिले में दलितों के घर जलाए जाने के बाद शुरू हुआ था, जिसमें दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों की जाति और डिग्री तक को लेकर वार–पलटवार किए जाते रहे। राज्य में चुनाव में अभी कुछ समय बाकी है, लेकिन जाति की राजनीति को धार देने की कोशिशें तेज हो गई हैं। उधर, मांझी ने सोशल मीडिया पर लिखा, हम मुसहर–भुईयां हैं, हमारे पिता मुसहर–भुईयां थे, हमारे दादा मुसहर–भुईयां थे, हमारे परदादा मुसहर–भुईयां थे। और हम तो गर्व से कहतें हैं कि हम मुसहर, भुईयां हैं।

मांझी का बयान उनकी उस रणनीति को दर्शाता है, जिसके तहत वह महादलित और अन्य पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को साधने का प्रयास कर रहे हैं। मांझी और लालू की यह बयानबाजी आगामी चुनावों के जातिगत ध्रुवीकरण की बुनियाद रखने वाली है।

मांझी की रणनीति स्पष्ट रूप से महादलितों और पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को अपने पक्ष में करना है, जबकि लालू यादव अपने पुराने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। लालू के इस बयान से यह भी स्पष्ट होता है कि वह अपने वोट बैंक को लेकर चिंतित हैं और किसी भी चुनौती को गंभीरता से ले रहे हैं।

बिहार के जिलों में कटाव से लोग परेशान, भागलपुर में पुलिया ध्वस्त

शेखपुरा के 150 घरों में बाढ़ का पानी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में गंगा नदी का जलस्तर घटते ही भीषण कटाव शुरू हो गया है। बक्सर, भागलपुर, पटना, बेगूसराय समेत कई इलाकों में कटाव जारी है। भागलपुर में पुलिया ध्वस्त हो गई। इस कारण पीरपैंती में बाखरपुर, बाबूपुर पंचायत समेत कई गाँवों का सम्पर्क टूट गया। बताया जा रहा है कि पीडब्ल्यूडी ने इस पुलिया का दो साल पहले ही निर्माण करवाया था। गंगा का घटता जलस्तर घटते ही पुलिया ध्वस्त हो गई। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। कहा कि लाखों की लागत से बनी पुलिया ने जल समाधि ले ली है। इससे हमलोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है।

इधर, सबौर के घोषपुर इलाके में 25 मीटर तक सड़क कट गई। गंगा का जलस्तर घटते ही कटाव तेज है। प्रशासन ने इस सड़क पर परिचालन पर रोक लगा दिया है। प्रशासन की मानें तो जल्द ही सड़क की मरम्मती करवा दी जाएगी। इधर, पटना में गंगा का जलस्तर लाल निशान के नीचे आ गया है। जो लोग पलायन कर चुके थे, वह अब वापस लौट रहे हैं। नदी कटाव के कारण सैकड़ों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इधर, दियारा इलाके के स्कूल भी अगले सोमवार से खुल सकते हैं।

शेखपुरा के घाटकुसुम्भा प्रखंड में आयी बाढ़ के पानी में दर्जनों गांव प्रभावित हुए हैं। करीब 150 से अधिक घरों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। जिससे लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। वही जिला प्रशासन राहत के नाम पर बाढ़ पीड़ितों के बीच प्लास्टिक सीट का वितरण कर लोगों के ज़ख्म में मरहम लगाने में जुटी हुई है। वही स्वास्थ्य विभाग इस मुश्किल की घड़ी में नाव पर सवार होकर लोगों के बिच जाकर लोगों के साथ की जांच हुआ दबाव वितरण करने में जुटी हुई है। गौरतलब हो कि गंगा नदी में उफान के कारण हरोहर नदी में आई बाढ़ की वजह से घाटकुसुम्भा प्रखंड के पांचों पंचायतों के अलग–अलग गांवों में लोग प्रभावित हुए हैं। एक तरफ नदियों की बाढ़ जहां लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। वहीं दूसरी तरफ प्रशासन द्वारा राहत और बचाव के कार्य भी तेजी के साथ किये जा रहे हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित परिवारों के लिए एक तरफ प्रशासन की ओर से जहां राहत सामग्री में पालिथीन सीट बांटी जा रही है। घाटकुसुम्भा में बाढ़ के पानी से घाटकुसुम्भा, बेलौनी, सहरा, गुरेरा, बटौरा, सुजावलपुर, गदबदिया, अकरपुर, घाटकुसुम्भा, डीहकुसुम्भा, भदौसी, कोयला, बाउघाट, पानापुर, आलापुर, हरनामचक, महम्मदपुर, प्राणपुर सहित अन्य गांवों में बाढ़ के पानी से धान, मक्का, अरहर की फ़सल पानी में डूबकर बर्बाद हो चुकी है। बाढ़ के पानी निकलने की रफ्तार काफी धीमी है। जिससे लोगों की समस्या बढ़ी हुई है। ख़ासकर घर छोड़कर अन्यत्र स्थानों में शरण लेकर रह रहें लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं लें रही है। वही कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक घाटकुसुम्भा प्रखंड में 3352 हेक्टेयर में फसल लगाई गई थी।

बेगूसराय में ई–रिक्शा चालक की अपहरण के बाद हत्या, शव मिलने से इलाके में मची सनसनी

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 23 तारीख से लापता एक ई–रिक्शा चालक का शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान मोहम्मद शाहिद के रूप में हुई है, जो बेगूसराय के नगर थानाक्षेत्र के नवाब चौक का निवासी था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि शाहिद का अपहरण कर निर्मम तरीके से हत्या की गई। फिर बाद में शव को मुफस्सिल थानाक्षेत्र के पानगांछी के खेत में फेंक दिया गया।

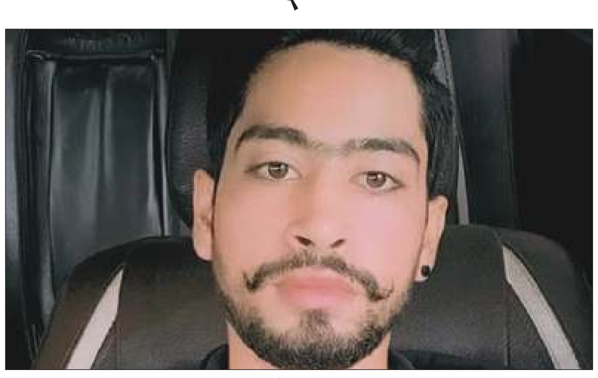

जानकारी के मुताबिक, मोहम्मद शाहिद 23 सितंबर को अपने ई–रिक्शा के साथ अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने पहले उसे ढूंढने की भरपूर कोशिश की। लेकिन जब कोई सफलता नहीं मिली, तो उन्होंने 24 सितंबर को नगर थाना में शाहिद के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई नहीं की, जिसकी वजह से अपराधियों ने शाहिद का पहले अपहरण किया और फिर उसकी हत्या कर दी।

परिजनों का कहना है कि पुलिस ने उनकी लगातार की जा रही न्याय की गुहार को अनसुना किया। उन्होंने बताया कि 21 सितंबर को टाइगर मोबाइल पुलिसकर्मियों ने शाहिद के साथ मारपीट की थी और 10 हजार रुपये की मांग की थी। शाहिद, जो ई–रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण–पोषण करता था, पर पुलिस की प्रताड़ना का आरोप भी लगाया गया है। परिजनों का यह भी कहना है कि अगर पुलिस ने समय रहते सही तरीके से कार्रवाई की होती, तो आज शाहिद की जान बचाई जा सकती थी।

शाहिद का शव पानगांछी के खेत में मिलने की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया। परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं और उन्होंने शाहिद की हत्या के लिए पुलिस की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि अपराधियों ने शाहिद की पहले पिटाई की और फिर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की तलाश की जा रही है। फिलहाल, पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है और स्थानीय लोग भी पुलिस से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। परिजनों ने लगातार एसपी, डीएसपी और डीएम से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई है। लेकिन अब तक उन्हें कोई संतोषजनक सहायता नहीं मिल पाई है।

सांसद पप्पू यादव जेई पर भड़के किया अभद्र भाषा का प्रयोग

सीएम को कहा– इन इलाकों का भी कीजिए दौरा

पटना (एजेंसियां)।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव किसी न किसी बात को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। कभी गरीबों के बीच पैसा बांटते हुए तो कभी अधिकारियों को धमकाते हुए। गुरुवार को सोशल मीडिया पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह बिजली विभाग के एक जेई के साथ मोबाइल पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते दिख रहे हैं। वायरल वीडियो में सांसद पप्पू यादव ने जई को फोन करते हुए कहा कि आप फोन क्यों नहीं उठाते हो?, चार दिन से बिजली (लाइन) क्यों नहीं है? आपको अभी कॉल किये तो आपने बिजली चालू किया है। लाइन अभी चालू हुआ है, चार दिन से ……… हुए थे।

सांसद पप्पू यादव ने अपने संसदीय क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करते हुए लोगों से हालात का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कटिहार जिले के कुर्सेला प्रखंड में बाघमारा महेशपुर, कुर्सेला बस्ती, बलथि महेशपुर जैसे कई गांवों में नाव से जाकर लोगों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। इस संबंध में सांसद पप्पू यादव ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों की हालत बहुत खराब है। लोगों को खाना नहीं मिल रहा है। सबसे ज्यादा खराब स्थिति मवेशियों की है जिन्हें चारा नहीं मिल पा रहा है। स्वास्थ्य सेवाएं भी ठीक से नहीं मिल पा रही हैं।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें कटिहार आने से पहले मुंगेर, लखीसराय, भागलपुर, कटिहार के मनिहारी, बरारी, कुर्सेला और पूर्णिया के बायसी जैसे बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों को बाढ़ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया जाए और तुरंत कम्युनिटी किचन शुरू किए जाएं ताकि लोगों को खाना मिल सके। पप्पू यादव ने कहा कि लोगों को राहत देने की जरूरत है। इन इलाकों को बाढ़ग्रस्त क्षेत्र घोषित कर कम्युनिटी किचन, स्वास्थ्य सुविधा, मवेशी के लिए चारा उपलब्ध कराना चाहिए जो कही भी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी जाने वाली सहायता राशि अधिकारी और नेता ही हड़प लेते हैं। इन पैसों पर पहला हक इन बाढ़ पीड़ितों का है लेकिन यहां अधिकारी, मंत्री और संत्री पीड़ित का पैसा खा लेते है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com